भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 13 अक्तूबर 2026 | 27 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 169, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:22 सूर्यास्त 5:52

आज का तापमान

शिमला	12.0 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	16.0 न्यू	25.0 अधि

बाजार

सैंसेक्स	71,924.68
निफ्टी	22,363.35
सोना 1,48,100	चांदी 2,20,000

न्यूज शॉर्ट्स

सीमाओं पर तैनात जवानों को मिलेगा 'भारत राइस', सेना और एफसीआई में समझौता



एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के लिए 'भारत राइस' उपलब्ध कराने की पहल की है। इसके तहत लद्दाख और उत्तर-पूर्व के दुर्गम क्षेत्रों में चावल सीधे सेना के आपूर्ति डिपो तक पहुंचाया जाएगा। इस संबंध में नई दिल्ली में भारतीय सेना और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य आपात परिस्थितियों में एफसीआई के गोदामों और अन्य बुनियादी ढांचे का उपयोग सेना की रसद व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह पहल 'जय जवान, जय किसान' की भावना को साकार करती है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की परिचालन क्षमता बनाए रखने में समय पर खाद्य आपूर्ति महत्वपूर्ण है।

होर्मुज के पास जहाज पर ड्रोन हमला, दो भारतीय लापता

एजेंसी, नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्तूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है।

केंद्र ने कैंसर रोधी दवाओं पर मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में बताया कि उसने कैंसर रोधी दवाओं के ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने का फैसला लिया है। इन दवाओं का ट्रेड मार्जिन अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित रहेगा, जिससे मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ रुपए की बचत होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि इस फ़ैसले पर 8 अक्तूबर को नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) की 151वीं बैठक में विचार किया गया था।

एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा विपक्ष

राहुल गांधी बोले–विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात जैसा, कोई भी हो सकता है शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था।

एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया था और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था।



राहुल बोले- ज्ञानेश कुमार के मैसेज आते हैं वह अपराधी नहीं, उनसे गड़बड़ी कराई जा रही

राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे बात करने की कई बार कोशिश की है। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में राहुल बोले- हां उनके मैसेज आते हैं। ज्ञानेश कुमार यह प्रेस कॉन्फ्रेंस देख रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं आप अपराधी नहीं है, आपसे बस करवाया गया है। सबसे आसान रास्ता है कि इस्तीफा दो और रास्ते से हट जाओ। राहुल ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने से पहले 30 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

उच्चतम न्यायालय को राजनीतिक मुद्दों में न घसीटा जाए : सीजेआई

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय को राजनीतिक मुद्दों में न घसीटा जाए। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका की मेंशनिंग के दौरान कहा कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चूंकि आप सभी यहां उपस्थित हैं, आपको यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोकतांत्रिक गतिविधियां अवश्य होनी चाहिए, लेकिन कम से कम उच्चतम न्यायालय की कार्यप्रणाली में यह प्रभावित नहीं होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से भी अपील की है कि उच्चतम न्यायालय को राजनीतिक मुद्दों में न घसीटा जाए। इंटरनेट पहुंच में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए और न्यायालय की कार्यवाही में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन बैन

अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना यहीं हुए

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर सत्ता के खिलाफ उठने वाली आवाजों, हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों और न्याय की मांग करते आंदोलनों की पहचान रहा जंतर-मंतर अब अपने पुराने स्वरूप में नजर नहीं आएगा।

दिल्ली पुलिस ने आदेश जारी के जरिए जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल के रूप में डिनोटिफाई कर दिया है। इसके साथ ही राजधानी में धरना-प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड को वैकल्पिक स्थल के रूप में निर्धारित किया गया है। यह बदलाव केवल प्रदर्शन स्थल की व्यवस्था में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उस जगह के इतिहास से भी जुड़ा है, जिसने दशकों तक देश के सामाजिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक आंदोलनों को मंच दिया। भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे का आंदोलन हो, तमिलनाडु के किसानों का संघर्ष हो या भारतीय कुश्ती के चर्चित पहलवानों का धरना, जंतर-मंतर ऐसे कई आंदोलनों का गवाह रहा, जिनकी गूंज संसद से लेकर देश के दूर-दराज के गांवों तक सुनाई दी। जयपुर के महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने वर्ष 1724 के आसपास इसका निर्माण कराया था। उस समय खगोल विज्ञान के अध्ययन, सूर्य और ग्रहों की स्थिति का पता लगाने तथा समय की गणना के लिए विशाल स्थापत्य संरचनाओं और विशेष यंत्रों का इस्तेमाल किया जाता था।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए 24 घंटे में अनुमति नहीं मिली, तो फिर करेंगे आंदोलन: सीजेपी



कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली] तो फिर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस स्वयं सीजेपी को प्रदर्शन के लिए उपयुक्त तारीख और समय तय कर सूचित करे। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रंका और राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस थाने पहुंचे थे। सौरव दास ने पत्रकारों से कहा, 'पुलिस आमतौर पर सभी से 10 दिन पहले संपर्क करने को कहती है। अब हमने विकल्प उनके सामने रखा है कि वे खुद हमें जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के लिए तारीख और समय बताएं। हम इस पर निर्णय लेने के लिए पुलिस प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं।' उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से कांग्रेस समेत विपक्षी दल और कई छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच सीजेपी ने 10 अक्टूबर को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था, लेकिन पुलिस के भारी बंदोबस्त के कारण प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर नहीं पहुंच सके थे। ये लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर को तत्काल रोकने की मांग कर रहे हैं।

पटाखा बैन, सुप्रीम कोर्ट बोला कम प्रदूषण वाले तरीके अपनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग पर सुनवाई की।

कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के



दौरान कोर्ट ने पटाखों से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदेश देने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसे व्यावहारिक और लागू करने योग्य बनाया जा सकता है या नहीं। जस्टिस बागची ने पटाखे फोड़ने के धार्मिक आधार पर सवाल उठाया। सीजेआई ने कहा कि लोगों को समझदार बनाना होगा और जागरूक करना होगा।

पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली होगी सप्लाई

केरलम में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होगी परियोजना, 30% घटेगा बिजली का बिल

एजेंसी, तिरुवेंदीपुरम। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी से यात्रा करने के साथ उसकी बैटरी का इस्तेमाल घर में बिजली सप्लाई करने के लिए भी कर सकते हैं। बॉम्बे की ग्रिड इंटीग्रेशन लैब ने आईआईटी कैंपस में तीन साल तक प्रयोग किए। इस दौरान दिन में इलेक्ट्रिक कार सोलर पैनल से चार्ज होती और रात में एक प्रोफेसर के घर में बिजली सप्लाई करती।

इसने घर के सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30% की कमी भी आई। ईवी की बैटरी से घर में बिजली सप्लाई करने को व्हीकल टू होम और वापस ग्रिड को बिजली भेजने को व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं। अब केरलम में इस परियोजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। केरलम स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ने आईआईटी बॉम्बे के साथ जुलाई 2025 में एमओयू साइन किया। इसके तहत 100 से ज्यादा ईवी को वी2जी तकनीक से जोड़कर उनकी बैटरी की बिजली घरों में इस्तेमाल की जाएगी। इससे केरलम में बिजली की समस्या भी दूर होगी। पायलट प्रोजेक्ट के लिए ने केरलम में आईआईटी ने जानकारी जुटाई हैं। उन गाड़ियों को वी2जी के हिसाब से अनलॉक करेंगे। इसमें कुछ चीजें जोड़नी पड़ेंगी, जिसे आईआईटी डिवेलप कर रहा है। एक ओर देश में लोग ईवी खरीद रहे हैं, दूसरी ओर सोलर पैनल का चलन भी बढ़ा है। दिन में सोलर से बिजली पैदा होती है, लेकिन उसका स्टोरेज महंगा है। ऐसे में ईवी की बैटरी बिजली स्टोर कर सकती है। दिन में सोलर से चार्ज करके, रात में इस्तेमाल में लिया जा सकता है। साथ ही ग्रिड को भी बिजली बेच सकते हैं। इसे ही व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं।



◆ आईआईटी बॉम्बे ने बनाया यह प्रोजेक्ट

अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार रॉबर्ट हॉल व माइकल वुडफोर्ड को

एजेंसी, स्टॉकहोम। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को इसकी घोषणा की। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर यानी 11.5 करोड़ रुपए की राशि बराबर बांटी जाएगी।

दोनों को यह सम्मान ऐसे आर्थिक मॉडल विकसित करने के लिए दिया गया है, जिनसे मंदी और महंगाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए बेहतर नीतियां बनाने में मदद मिलती है। उनकी रिसर्च बताती है कि लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। इससे सरकारों और केंद्रीय बैंकों को यह समझने में मदद मिलती है कि आर्थिक संकट के समय कौन-से कदम उठाए जाने चाहिए, जब लोग खर्च कम कर देते हैं, तो बाजार में सामान और सेवाओं की मांग घट जाती है। ऐसे में कंपनियों को अपना उत्पादन कम करना पड़ सकता है। इससे नई भर्तियां रुक सकती हैं और कुछ कर्मचारियों की नौकरी भी जा सकती है।



◆ अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने रिसर्च से समझाया- महंगाई रोकना मुश्किल क्यों होता है

दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल हुए सीएम सुक्खू, चुनाव प्रक्रिया पर उठाए सवाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस इस अभियान के जरिए चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मुद्दे को उठा रही है। पार्टी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही है। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। हालांकि, पार्टी की ओर से लगाए गए आरोपों को स्वतंत्र रूप से सिद्ध तथ्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रदर्शन से पहले हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर विरोध जताया था। पार्टी ने जिला स्तर पर प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई थी। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के मुद्दे पर उसका विरोध जारी रहेगा।



मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर कांग्रेस की आपत्ति

कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि इस प्रक्रिया से चुनावी पारदर्शिता को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस के नेता राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी उठाई है। कांग्रेस का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए संबंधित सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए।

रिटेल महंगाई लगातार 11वें महीने बढ़ी, सितंबर में 0.72% बढ़कर 5.54% पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.54% पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82% थी। आलू, प्याज, टमाटर जैसी सब्जियों और खाने-पीने की चीजों के दाम चढ़े हैं। मिडिल ईस्ट में तनाव की वजह से कच्चा तेल भी महंगा हुआ है। इन कारणों से महंगाई लगातार 11वें महीने बढ़ी है। महंगाई पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई ने इसी महीने 2023 के बाद पहली बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने साफ कर दिया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले समय में ब्याज दरों में कटौती की कोई संभावना नहीं है। बैंक की आगे की नीति या तो ब्याज दरें बढ़ाने की होगी या फिर इन्हें इसी स्तर पर बरकरार रखा जाएगा। सरकार महंगाई दर तय करने के लिए एक बास्केट बनाती है। इसमें खाना, राशन, कपड़ा, मकान का किराया, पढ़ाई और इलाज जैसी चीजें शामिल होती हैं।

सीएम ने छात्राओं से किया संवाद, सुरक्षा संबंधी समस्याओं पर दिया आश्वासन

छात्राओं की सुरक्षा और शिकायतों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों की छात्रा प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। बैठक में छात्राओं ने अपने-अपने कॉलेजों और आसपास के क्षेत्रों में महिला सुरक्षा, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, सीसीटीवी निगरानी और शिकायत निवारण व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाए।

मुख्यमंत्री ने छात्राओं की बातों को गंभीरता से सुना और उनके सुझावों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्राओं द्वारा साझा किए गए सुझावों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा। समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक समन्वय और फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाएगा। छात्राओं और संबंधित अधिकारियों के बीच संवाद एवं समन्वय के लिए बनाए गए वॉट्सऐप ग्रुप को सक्रिय रखा जाएगा, ताकि छात्राएं अपनी समस्याएं सीधे साझा कर सकें और उन पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। यदि किसी शिकायत पर संबंधित स्तर पर सुनवाई नहीं होती है तो छात्राएं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष भी अपना विषय रख सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्राओं की शिकायतों का प्रभावी निस्तारण और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।



◆ स्ट्रीट लाइट और परिवहन के मुद्दों पर की चर्चा

◆ छात्राओं की समस्याओं का प्राथमिकता से होगा समाधान

सपा सरकार में बिजली नहीं, बिल आता था, अब अन्नदाता किसान का बिल नहीं आता, बिजली आती है: सीएम योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर में बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि एवं चक्रवात से प्रभावित कृषकों को कृषि निवेश अनुदान राशि के रूप में डीबीटी के माध्यम से 493 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में प्रदेश में बड़े पैमाने पर फसल को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर जनहानि और पशुहानि भी हुई है। डबल इंजन की सरकार ने मात्र 8 से 10 दिन के अंदर अपने अन्नदाता किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति का मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने 2017 के पहले की सपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि तब बिजली नहीं आती थी, लेकिन बिल आता था। अब स्थिति बदल गई है। अब अन्नदाता किसान का बिल नहीं आता, बल्कि बिजली आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के 9,18,091 कृषकों के खातों में 493 करोड़ रुपए सीधे भेजे जा रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अन्नदाता किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

इस वर्ष केवल बरसात के दौरान ही अब तक प्रदेश के आपदा प्रभावित किसानों और नागरिकों को लगभग 1,000 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री आवास योजना से तत्काल आवास



मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि, चक्रवात और बाढ़ से जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह राशि 493 करोड़ रुपये की फसल क्षति सहायता में शामिल नहीं है, बल्कि अलग से दी जा रही है। जिन लोगों के मकान पूरी तरह बह गए या नष्ट हो गए, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तत्काल आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए भी नियमानुसार मुआवजा दिया जा रहा है। पशुहानि के मामलों में भी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कोई जनहानि होती है तो संबंधित परिवार को 24 घंटे के अंदर चार लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

◆ 15 से अतिवृष्टि प्रभावित जिलों में धान व मोटे अनाज के क्रय केंद्र खोले जाएंगे

मजूंरी हरिद्वार में कैबिनेट के 13 प्रस्तावों पर लगी मुहर, ऋषिकुल में बनेगा प्राच्य शोध संस्थान

उत्तराखंड में भर्तियों में अग्निवीरों को 10% आरक्षण

एजेंसी, हरिद्वार। हरिद्वार में सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सोमवार को पहली बार कैबिनेट की बैठक हुई। गंगा तट स्थित मेला नियंत्रण भवन सभागार में हुई बैठक में 13 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री के अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी।

कैबिनेट ने समूह-ग की सीधी भर्ती वाले वर्दीधारी पदों पर सेवामुक्त अग्निवीरों को 10% क्षैतिज आरक्षण देने, उत्तराखंड बाढ़ मैदान परिक्षेत्र नियमावली-2026 को मंजूरी देने और विधानसभा के आगामी सत्र की तारीख व स्थान तय करने के लिए सीएम धामी को अधिकृत करने सहित कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक में हरिद्वार में दूसरा मेडिकल कॉलेज खोलने, ईएसआई मेडिकल कॉलेज और मुख्यमंत्री वीरता पुरस्कार से जुड़े प्रस्ताव भी शामिल रहे। इसके अलावा फायर सर्विस के मौजूदा कानून की जगह नया विधेयक लाने और जन विश्वास अधिनियम के तहत फैसले लिए गए। जन विश्वास अधिनियम के दूसरे चरण के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिन्हें विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। पर्यटन और आयुर्वेद विभाग से जुड़े विकास कार्यों तथा योग को बढ़ावा देने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज की भूमि पर मदन मोहन मालवीय के नाम से प्रस्तावित प्राच्य शोध संस्थान के संचालन के लिए सोसाइटी गठन को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री राज्य बाल वीरता योजना के तहत उत्तराखंड के वीर बालकों को पुरस्कार दिए जाने का भी फैसला लिया गया।



केंद्र के सहयोग के लिए पीएम का जताया आभार

उत्तराखंड के विकास में लगातार सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का आभार जताया गया। साथ ही राज्य की पहाड़ी, सीमावर्ती और सामरिक परिस्थितियों को देखते हुए भविष्य में भी केंद्र सरकार से सहयोग जारी रखने की अपेक्षा की गई।

2014 से लगातार हार रहे, अभी कई साल और इंतजार करना पड़ेगा : सीएम धामी

सीएम धामी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और संविधान ने उसे अधिकार दिए हैं। आयोग अपनी प्रक्रिया के तहत काम कर रहा है। धामी ने कांग्रेस नेता ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा, 'ये तो अभी 2 साल पहले आए हैं। आपकी हार तो निरंतर 2014 से चल रही है, जो अभी कई सालों तक जारी रहने वाली है। इसलिए आपकी परेशानी जल्दी दूर होने वाली नहीं है, आपको थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा।' कैबिनेट की बैठक अलग-अलग स्थानों पर आयोजित करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े फैसले जनता के बीच होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने समेकित रूप से इस बारे में विचार किया है। धामी ने कहा कि हरिद्वार में मां गंगा के तट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और सफल कार्यकाल की कामना की गई। उन्होंने राज्य के लिए केंद्र सरकार की ओर से किए गए कार्यों के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया और उनके स्वस्थ रहने तथा लंबे समय तक नेतृत्व मिलने की प्रार्थना की।

11 नवंबर से सजेगा अंतरराष्ट्रीय लवी मेला, होंगे विविध आयोजन

चार सांस्कृतिक संध्याओं, चामुर्थी घोड़ों की प्रदर्शनी और पारंपरिक बाजार सहित होंगे कई आकर्षण

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। अंतरराष्ट्रीय लवी मेला-2026 का आयोजन इस वर्ष 11 से 14 नवंबर तक रामपुर में किया जाएगा। मेले की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में मेला आयोजन समिति की बैठक हुई। इसमें चार सांस्कृतिक संध्याओं सहित विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद, व्यापारिक और जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मेले में पहाड़ी संस्कृति पर आधारित दो, बॉलीवुड और पंजाबी संगीत पर आधारित एक-एक सांस्कृतिक संध्या होगी। इसके अलावा मिस्टर एवं मिस बुशहर प्रतियोगिता, लेजर शो, पारंपरिक वाद्य यंत्र प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, पारंपरिक स्वाद महोत्सव और वॉल आर्ट प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि लवी मेला बुशहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इस आयोजन के माध्यम से पुरानी व्यापारिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ पारंपरिक कलाओं, वस्तुओं और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।



लवी मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने की बैठक

बुशहर की विरासत और भारत-तिब्बत व्यापारिक संबंधों का होगा प्रदर्शन : मेले में बुशहर रियासत के इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे। ऐतिहासिक छायाचित्रों, पुराने दस्तावेजों, पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, ऊनी उत्पादों, आभूषणों और स्थानीय कृषि एवं बागवानी उत्पादों की प्रदर्शनियां लगेंगी। सेब, पारंपरिक व्यंजनों, स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के उत्पादों को भी मंच मिलेगा। पारंपरिक शिल्प का सजीव प्रदर्शन, रामपुर हेरिटेज वॉक और पारंपरिक लवी बाजार भी आयोजन का हिस्सा होंगे। बुशहर और तिब्बत के ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों को विशेष रूप से दर्शाया जाएगा।

शहर की सजावट और यातायात व्यवस्था पर रहेगा जोर : उपायुक्त ने बताया कि मेले के दौरान रामपुर शहर में विशेष रोशनी और सजावट की जाएगी। विभिन्न स्थानों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। स्मारिका के लिए स्कूली विद्यार्थियों और आम नागरिकों से लेख आमंत्रित किए जाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक अस्थायी पेयजल कनेक्शन उपलब्ध करवाए जाएंगे। यातायात को सुचारू रखने के लिए विशेष योजना तैयार करने के साथ शहर में विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

300 पुलिस कर्मी संभालेंगे सुरक्षा की जिम्मेदारी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बताया कि मेले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 300 पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौरवजीत सिंह सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। यातायात प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे और जुआ जैसी अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

चामुर्थी घोड़ों की प्रदर्शनी और दौड़ होंगी खास : मेले के मैदान में अश्व प्रदर्शनी आयोजित होगी, जिसमें हिमाचल की प्रसिद्ध चामुर्थी नस्ल के घोड़े आकर्षण का केंद्र होंगे। कठिन पहाड़ी रास्तों और बर्फीले क्षेत्रों में चलने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले इन घोड़ों के साथ अन्य राज्यों की नस्लों को भी प्रदर्शित करने की योजना है। घोड़ों की 400 और 800 मीटर दौड़ तथा गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। किसान गोष्ठी में पशुओं के स्वास्थ्य, खान-पान और देखभाल की जानकारी देने के साथ अश्व पालकों की समस्याओं पर भी चर्चा होगी।

किन्नौरी बाजार को व्यवस्थित रूप देने के लिए इस बार दुकानदारों को एक ही शैली की छतरियां उपलब्ध करवाई जाएंगी। यहां सूखे मेवे, दालें, कपड़े और अन्य स्थानीय वस्तुओं की बिक्री होगी। विभिन्न सरकारी विभाग पिछले तीन वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नई उपलब्धियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता, जागरूकता अभियान भी : पहली बार रामपुर और आसपास के स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए लवी मेले के इतिहास पर निबंध लेखन प्रतियोगिता होगी। स्कूल स्तर पर चुने गए विद्यार्थियों के बीच अंतिम मुकाबला करवाया जाएगा और विजेताओं सहित अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे।

एशियाई खेलों के हिमाचली पदक विजेताओं को 9 .03 करोड़ रुपए देकर सम्मानित करेगी सरकार

अक्तूबर में सम्मान समारोह, कबड्डी, मैराथन और क्रिकेट के विजेताओं को मिलेगी पुरस्कार राशि

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार 20वें एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले हिमाचली खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए अक्तूबर में विशेष समारोह आयोजित करेगी। इस दौरान खिलाड़ियों को कुल 9.03 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

प्रवक्ता के अनुसार, एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली कबड्डी टीम की हिमाचली खिलाड़ियों रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर को एक-एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। पुरुष मैराथन में रजत पदक जीतने वाले सावन बरवाल को 2.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं, एथलेटिक्स की दस हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

क्रिकेट की स्वर्ण पदक विजेता टीम की खिलाड़ी रेणुका ठाकुर को भी एक करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जूडो में प्रतिभागिता करने वाली खिलाड़ी ताखेलाम्बम इनुनगांबी को तीन लाख रुपये पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे। सरकार का कहना है कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने से प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे।

खिलाड़ियों के पुरस्कार नियमों में संशोधन को मंजूरी : प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में खिलाड़ियों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने



वाली भारतीय टीमों के खिलाड़ियों को दिए जाने वाले नकद पुरस्कारों के प्रावधानों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार, पदक विजेता भारतीय टीम में शामिल हिमाचल प्रदेश के सभी पात्र खिलाड़ियों के बीच नकद पुरस्कार समान रूप से वितरित किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में प्रत्येक खिलाड़ी को व्यक्तिगत पदक विजेता के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि के बराबर राशि दी जा सकेगी। इसके अलावा पुरस्कार का वितरण आनुपातिक आधार पर भी किया जा सकेगा। इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक खिलाड़ी को व्यक्तिगत पदक विजेता के लिए निर्धारित नकद पुरस्कार की कम से कम 25 प्रतिशत राशि सुनिश्चित की जाएगी।

खेल विभाग में नए पद सृजित करने को मंजूरी : मंत्रिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के पद सृजित करने को भी स्वीकृति प्रदान की है। सरकार के अनुसार, इन निर्णयों का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देना, खेल क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वालों को सम्मानित करना और प्रदेश में खेल गतिविधियों को मजबूत बनाना है।

भाजपा महिला मोर्चा का दिल्ली से हिमाचल तक प्रदर्शन, कांग्रेस नेतृत्व से मांगा जवाब

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में यौन उत्पीड़न की शिकायतों के मामले में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम के विरुद्ध हुई कार्रवाई को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने दिल्ली से हिमाचल प्रदेश तक विरोध-प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही तय करने और महिलाओं को न्याय दिलाने की मांग की। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास की ओर मार्च निकाला गया, जबकि हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों में प्रदर्शन कर राहुल गांधी और संबंधित सांसद के पुतले फूंके गए।

दिल्ली में हुए प्रदर्शन में मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली की महिला मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हिमाचल प्रदेश से महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर और कमलेश कुमारी भी प्रदर्शन में शामिल हुईं। भाजपा मुख्यालय से राहुल गांधी के आवास की ओर बढ़ रहीं कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले में सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की।

> **महिला सम्मान पर भाजपा का प्रदर्शन, कांग्रेस नेतृत्व से जवाबदेही की मांग**

हिमाचल प्रदेश में शिमला, सोलन, सिरमौर, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा, चंबा, मंडी, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में भाजपा महिला मोर्चा ने विरोध-प्रदर्शन किए। इनमें भाजपा के विधायक, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। महिला मोर्चा ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व अपने सांसद से जुड़े मामले में अपेक्षित जवाबदेही नहीं दिखा रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने कहा कि जब नारी अस्मिता पर आंच आती है, तो हर महिला दुर्गा और चंडी बन जाती है। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जेएनयू में छात्राओं की शिकायतों के मामले में विश्वविद्यालय की कार्रवाई के बाद कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

डेजी ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व संबंधित सांसद के मामले में उचित जवाबदेही तय नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात करने वाले राजनीतिक दलों को अपने संगठन से जुड़े मामलों में भी निष्पक्षता और जवाबदेही दिखानी चाहिए।

फोरलेन निर्माण में अड़चनें, एनएचएआई ने मुख्य सचिव से मांगा हस्तक्षेप



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में करीब 38 हजार करोड़ रुपये की लागत से बन रही चार प्रमुख फोरलेन परियोजनाओं के निर्माण में आ रही बाधाओं को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के निदेशक संतोष कुमार यादव ने मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत को पत्र लिखा है। उन्होंने तीन प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। इनमें शिमला बाईपास पर मलबा डंपिंग, ब्यास नदी की ड्रेजिंग और चक्की स्थित टोल बैरियर को स्थानांतरित करने की मांग शामिल है।

एनएचएआई के अनुसार, 28 किलोमीटर लंबे शिमला बाईपास के निर्माण में मलबे का निस्तारण बड़ी चुनौती बना हुआ है। शुंगल गांव के ग्रामीण 1.4 हेक्टेयर में प्रस्तावित डंपिंग साइट तक पहुंचने के लिए संपर्क मार्ग के इस्तेमाल का विरोध कर रहे हैं। इस साइट पर करीब छह लाख घन मीटर मलबा डाला जाना है। बाईपास के लिए 40.3 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तांतरण हो चुका है, लेकिन सुरंगों और पहाड़ों की कटिंग से निकलने वाले मलबे के निस्तारण में परेशानी आ रही है।

प्राधिकरण ने चेताया है कि पंडोह बाईपास से टकोली, कुल्लू और मनाली के बीच ब्यास नदी में गाद जमा होने और जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे तथा मनाली फोरलेन को खतरा हो सकता है।

बिजली बोर्ड कर्मचारियों की 83 मांगों पर मंथन, प्रबंधन से समाधान की उम्मीद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों एवं पेंशनरों की 83 मांगों तथा मुख्यमंत्री की सात घोषणाओं के लंबित आदेशों को लेकर सोमवार को बिजली बोर्ड प्रबंधन और एचपीएसईबी एम्प्लॉयज यूनियन के बीच बैठक हुई। लगभग चार घंटे चली इस बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष नितिश भारद्वाज और महासचिव प्रशान्त शर्मा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बैठक में 54 सूत्रीय मांगपत्र, 29 अनुपूरक मांगों और यूनियन के 18वें महाधिवेशन में मुख्यमंत्री द्वारा की गई सात घोषणाओं के क्रियान्वयन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया।

बैठक में प्रबंधन की ओर से प्रबंध निदेशक आदित्य नेगी, निदेशक वित्त श्रवण मांटा, निदेशक परिचालन डॉ. एमजी शर्मा और कार्यकारी निदेशक ईशा ठाकुर उपस्थित रहे। यूनियन की ओर से राज्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। यूनियन नेताओं ने बताया कि



83 मांगों और मुख्यमंत्री की सात घोषणाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई और प्रबंधन के समक्ष कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया।

बैठक में बिजली बोर्ड में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने संबंधी प्रस्ताव सरकार को भेजने, नई भर्तियों के लिए पांच वर्षीय रोडमैप तैयार करने, आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए पंजाब की तर्ज पर नीति बनाने और समयबद्ध पदोन्नति वेतनमान का मामला सेवा समिति के समक्ष रखने पर चर्चा हुई। इसके अलावा वर्कचार्ज कर्मचारियों की सेवा शर्तों में विसंगतियों को दूर करने तथा विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए निर्धारित सेवाकाल में आंशिक कटौती करने की मांग भी उठाई गई।

यूनियन ने जोखिम एवं खतरा भत्ते में वृद्धि, सचिवालय और विशेष भत्ता देने, संशोधित वेतनमान के कारण इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर के वेतनमान में आई विसंगतियां दूर करने तथा शेष पात्र कर्मचारियों को मोबाइल भत्ता देने की मांग की।

ठियोग मारपीट मामले में नौवां आरोपी गिरफ्तार, पुलिस जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ठियोग क्षेत्र में मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक नौ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में थाना ठियोग में पांच अक्टूबर 2026 को अभियोग संख्या 149/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता दिनेश वेक्टा और अजय गजौत अपने घर के पास गाड़ी खड़ी कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों के साथ उनकी बहसबाजी हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच अक्टूबर को ही मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ये सभी आरोपी फिलहाल



न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की जांच आगे बढ़ने पर गाड़ी के चालक आकाश (33) निवासी गांव कडैल, तहसील कोटखाई, जिला शिमला की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और घटना में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। शिमला पुलिस ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वह प्रतिबद्ध है।

उपायुक्त ने फागु में ईवीएम सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण

ईवीएम की सुरक्षा सर्वोपरि, उपायुक्त ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों के पालन पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने सोमवार को फागु स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन उपकरणों और प्रवेश-निकास रजिस्टर की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सुरक्षा प्रणालियों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईवीएम वेयरहाउस में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।



फागु ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण करते उपायुक्त अनुपम कश्यप व अधिकारी।

वेयरहाउस को खोलने और बंद करने की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार ही पूरी की जाए। साथ ही प्रवेश-निकास से संबंधित अभिलेखों का उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए इन मशीनों को सुरक्षित रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने वेयरहाउस में तैनात सुरक्षा कर्मियों से भी बातचीत की और उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को नियमित निगरानी बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था प्रभावी बनी रहे और सुरक्षा से जुड़े सभी प्रबंधों की नियमित जांच की जाए। निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, ठियोग के उपमंडल अधिकारी डॉ. शशांक गुप्ता, तहसीलदार संजीव शर्मा सहित निर्वाचन विभाग के अधिकारी और संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू पर सतर्कता बरतना आवश्यक है। सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत और भरोसेमंद बनी रहे।

साढ़े तीन सौ साल पुराना मां तारा मंदिर जुन्गा रियासत की ऐतिहासिक धरोहर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से करीब 11 किलोमीटर दूर स्थित मां तारा मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर लगभग साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। मंदिर के आसपास एक ओर घना जंगल और दूसरी ओर सड़कें हैं। यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन और आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। नवरात्र के दौरान भक्तों की संख्या बढ़ने के कारण विशेष सुरक्षा व्यवस्था भी की जाती है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मंदिर की स्थापना जुन्गा रियासत के राजा भूपेंद्र सेन के समय हुई थी। कहा जाता है कि राजा एक दिन जुग्गर नामक स्थान पर शिकार खेलने आए थे। इसी दौरान उन्हें माता की आवाज सुनाई दी। माता ने स्वयं को दस महाविद्याओं में से एक बताते हुए राजा



को अपने स्थान पर मंदिर बनवाने के लिए कहा। मान्यता है कि माता ने राजा के वंश और राज्य की रक्षा करने का वचन भी दिया था। इसके बाद राजा ने मंदिर निर्माण और उसकी व्यवस्था के लिए पांच सौ बीघा भूमि दान की। बाद में राजा बलवीर सेन के समय ताराधिनाथ नामक महात्मा ने माता की अष्टधातु की मूर्ति बनवाकर विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई। इसी परंपरा से मंदिर का धार्मिक महत्व और बढ़ा। मां तारा मंदिर से करीब आधा किलोमीटर दूर दूधाधारी मंदिर स्थित है। श्रद्धालु मां तारा के दर्शन के बाद यहां भी माथा टेकने पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री ने किरण भड़ाना के पिता के निधन पर जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना के पिता अतर सिंह भड़ाना के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने प्रियजन को खोना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। इस कठिन और दुखद घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल दें। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

सशक्तिकरण राज्यपाल ने युवाओं को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए शुरू की सौ दिवसीय कार्ययोजना

युवाओं के कौशल विकास के लिए राज्यपाल ने शुरू किया रोडमैप

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल एवं डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कविन्द्र गुप्ता ने युवाओं के कौशल विकास, उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार 100 दिवसीय रोडमैप का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप तैयार इस कार्ययोजना का उद्देश्य युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने के लिए सक्षम बनाना है। इसमें बागवानी, वानिकी, कृषि आधारित उद्यमों और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि युवा



राज्यपाल ने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का खाका किया प्रस्तुत।

सशक्तिकरण, कौशल विकास और उद्यमिता देश की प्रगति के प्रमुख आधार हैं। हिमाचल प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा का पूरा उपयोग करने के लिए शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक कौशल और उभरते आर्थिक अवसरों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बागवानी, वानिकी और इनसे जुड़े क्षेत्रों में रोजगार तथा स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

राज्यपाल ने बताया कि उनके निर्देशों के अनुरूप अंतर-विश्वविद्यालय विकसित भारत टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के विश्वविद्यालयों को साझा मंच पर लाकर नवाचार, कौशल विकास और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देना है। सभी विश्वविद्यालयों को युवा सशक्तिकरण और सफल पहलों को साझा करने पर केंद्रित 100 दिवसीय कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इस पहल से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार के साथ प्रदेश के विकास को गति देने की अपेक्षा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। रोडमैप शैक्षणिक शिक्षा और बाजार की वास्तविक मांगों के बीच की दूरी कम करने में सहायक होगा।

इस कार्ययोजना के तहत युवाओं को बाग प्रबंधन, ग्राफ्टिंग, नर्सरी उत्पादन, संरक्षित खेती, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, टिश्यू कल्चर, मृदा परीक्षण, कृषि-वानिकी और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त अनुभवात्मक शिक्षा, ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव, व्यवसाय योजना निर्माण, बाजार से जुड़ाव और उद्योगों में इंटर्नशिप पर भी ध्यान दिया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत वाकना
विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत वाकना द्वारा मुख्य बाजार वाकनाघाट एवं पंचायत क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु निम्नलिखित कार्यों के लिए इच्छुक व्यक्तियों/ठेकेदारों से सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा के अंतर्गत कार्य-** 1. डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहणः घरों एवं दुकानों से नियमित रूप से कूड़ा एकत्रित करना। 2. कूड़ा परिवहनः पंचायत द्वारा एकत्रित कूड़े-कचरे को निर्धारित कूड़ा निस्तारण प्लांट तक वाहन के माध्यम से पहुँचाना। **निविदा की शर्तें-** 1. उपरोक्त दोनों कार्यों के लिए अलग-अलग आवेदन एवं निविदाएँ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 2. निविदादाता किसी एक कार्य अथवा दोनों कार्यों के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। 3. निविदादाता को संबंधित कार्य के लिए आवश्यक वाहन, श्रमिक एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। 4. निविदा में संबंधित कार्य का मासिक किराया/दर स्पष्ट रूप से अंकित करना होगा। 5. सफल निविदादाता को निविदा स्वीकृत होने पर ☐5,000/- (पाँच हजार रुपये मात्र) की सुरक्षा राशि जमा करवानी होगी। 6. कार्य नियमित रूप से एवं ग्राम पंचायत द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार करना अनिवार्य होगा। 7. निविदा जमा करवाने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर, 2026 को सायं 5:00 बजे तक रहेगी। 8. निविदाएँ दिनांक 21 अक्टूबर, 2026 को खोली जाएँगी तथा उसी दिन स्वीकृति संबंधी निर्णय लिया जाएगा। 9. ग्राम पंचायत को नियमानुसार किसी भी निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 10. यदि सफल निविदादाता किसी कारणवश संबंधित कार्य करने में असमर्थ रहता है अथवा कार्य छोड़ना चाहता है, तो उसे कम से कम तीन महीने पूर्व ग्राम पंचायत वाकना को लिखित रूप में सूचित करना अनिवार्य होगा। इच्छुक व्यक्ति/ठेकेदार निर्धारित समय के भीतर अपनी निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय वाकना में जमा करवाना सुनिश्चित करें।

सचिव ग्राम पंचायत वाकना
विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन (हि.प्र.)

पिथौरागढ़ में डॉक्टर बनने का सपना होगा साकार

पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 50 सीटों पर दाखिले



सीमांत क्षेत्र के विद्यार्थियों को घर के पास मिलेगी चिकित्सा शिक्षा।

भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। सीमांत जिले पिथौरागढ़ में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल हुई है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसी माह कक्षाएं शुरू करने की तैयारी है। कॉलेज में प्रथम वर्ष के लिए कुल 50 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिनमें सात केंद्र कोटे और 43 राज्य कोटे की हैं।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने बताया कि केंद्र कोटे की सात सीटों में से तीन पर प्रवेश हो चुका है। राज्य कोटे की सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। कॉलेज का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और फैकल्टी की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। कॉलेज शुरू होने से पिथौरागढ़ सहित आसपास के पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, भविष्य में स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

धामी ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात, 315 सड़कों की मंजूरी मांगी

315 सड़कों से जुड़ेंगी 610 बसावटें, केंद्र ने दिया जल्द मंजूरी का आश्वासन

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्राम्य विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत प्रदेश में प्रस्तावित सड़कों के निर्माण और उनकी स्वीकृति को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से सड़कों के प्रस्तावों को जल्द मंजूरी देने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि उत्तराखंड सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 315 सड़कों के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे हैं। इन सड़कों के निर्माण से प्रदेश की 610 बसावटों को सड़क संपर्क से जोड़ने में मदद मिलेगी। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और दूरस्थ गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से मजबूत हो सकेगा।



चर्चा करते हुए सीएम धामी व शिवराज सिंह चौहान।

गांवों के विकास को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रस्तावित सड़कों का निर्माण ग्रामीण आबादी को बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गांवों तक सड़क पहुंचाना प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुविधा का विस्तार बेहद महत्वपूर्ण है। बेहतर सड़क संपर्क से स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। इसके साथ ही कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

जल्द हरी झंडी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि राज्य की ओर से प्रस्तुत सड़क प्रस्तावों को जल्द से जल्द स्वीकृति दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

माउंट मकुट ईस्ट फतह कर लौटी टीम का मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

◆ उत्तराखंड के 25 गौरवशाली वर्षों को समर्पित रहा पर्वतारोहण अभियान



फ्लैग-इन करते हुए सीएम धामी।

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में भारतीय तटरक्षक बल और हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई), दार्जिलिंग के संयुक्त पर्वतारोहण अभियान दल का फ्लैग-इन किया। दल ने 7,045 मीटर ऊंचे माउंट मुकुट ईस्ट का सफल आरोहण कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। भारतीय तटरक्षक बल के इतिहास में सात हजार मीटर से अधिक ऊंची चोटी पर सफल आरोहण का यह पहला अभियान है।

मुख्यमंत्री ने अभियान दल के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि दुर्गम हिमालयी परिस्थितियों में यह सफलता साहस, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और टीम भावना का परिचायक है। उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों को समर्पित इस अभियान के दौरान शिखर पर 2,500 वर्ग फुट का विशाल उत्तराखंड ध्वज भी फहराया गया।

एचएमआई के प्राचार्य और अभियान के नेतृत्वकर्ता कर्नल रजनीश जोशी ने बताया कि 15 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 तक चले इस अभियान का आयोजन भारतीय तटरक्षक बल के वर्ष 2027 में प्रस्तावित स्वर्ण जयंती माउंट एवरेस्ट अभियान की तैयारियों के तहत किया गया। इससे पहले दल सिक्किम हिमालय में माउंट बीसी रॉय और माउंट थिंचेनखांग का भी सफल आरोहण कर चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि युवाओं को साहसिक गतिविधियों, पर्वतारोहण और कठिन लक्ष्यों के प्रति समर्पण की प्रेरणा देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि अभियान से प्राप्त अनुभव आगामी एवरेस्ट अभियान में उपयोगी साबित होगा।

न्यूज ब्रीफ

टिहरी में जनता दरबार, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश



भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। सोमवार को जिला सभागार में प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया। इसमें पेयजल, बिजली, मुआवजा, पेंशन सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित 21 आवेदन प्राप्त हुए। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और समाधान हो चुकी शिकायतों को पोर्टल पर अद्यतन करने के निर्देश दिए। इस दौरान सड़क मरम्मत, क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार, पेयजल लाइन से हुए नुकसान, दाखिल-खारिज में देरी और अवैध निर्माण से जुड़ी समस्याएं उठीं। सीडीओ ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में सीएमओ डॉ. राम प्रकाश, एसडीएम कमलेश मेहता, डीडीओ मोहम्मद असलम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीमार श्रद्धालु के लिए जीवनदायिनी बनी एयर एम्बुलेंस सेवा



भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में एयर एम्बुलेंस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में बदरीनाथ धाम में अचानक बीमार पड़े मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी 60 वर्षीय श्रद्धालु बृज मोहन माहेश्वरी को हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, तबीयत बिगड़ने पर श्रद्धालु को पहले बदरीनाथ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र ले जाने की सलाह दी। इस पर जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने समन्वय स्थापित कर हेलीकॉप्टर से उन्हें देहरादून पहुंचाने की व्यवस्था की। पर्वतीय क्षेत्रों में कठिन सड़क मार्गों के कारण ऐसी हवाई सेवाएं आपात स्थिति में मरीजों के लिए राहत का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।

12 सूत्रीय मांगों पर मिनिस्ट्रीरियल कर्मचारियों का सचिवालय कूच



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। 12 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के मिनिस्ट्रीरियल कर्मचारियों ने परेड ग्राउंड से सचिवालय कूच किया। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीरियल सर्विसेज एसोसिएशन के बैनर तले निकले कर्मचारियों को पुलिस ने सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई और कर्मचारियों ने सड़क पर धरना शुरू कर दिया। संगठन के प्रांतीय महामंत्री राकेश सिंह रावत ने कहा कि डेढ़ साल से मांगों पर वार्ता के बावजूद शासनादेश जारी नहीं हुए। कर्मचारियों ने कनिष्ठ सहायक का वेतनमान बढ़ाने, पदोन्नति, पुरानी पेंशन बहाली और गोल्डन कार्ड की समस्याएं दूर करने की मांग उठाई।

उत्तराखंड में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देगा 'इकोरूट्स'

हरप्रीत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया यूओयू का मान

भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र हरप्रीत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल कर विश्वविद्यालय और प्रदेश का मान बढ़ाया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में 10 अक्टूबर को आयोजित ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अवॉर्ड्स 2026 में उनकी परियोजना 'स्लो ट्रैवल मॉड्यूल फॉर उत्तराखंड (इकोरूट्स)' को कॉलेज विद्यार्थी श्रेणी में सतत विकास लक्ष्य-11 के तहत उपविजेता स्थान मिला।

इस आयोजन में 55 से अधिक देशों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। परियोजना का उद्देश्य नैनीताल और मसूरी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का दबाव कम कर ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसमें पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों के लिए डिजिटल अंक देने की व्यवस्था प्रस्तावित है।



सम्मानित होते हरप्रीत सिंह।

इन अंकों से स्थानीय उत्पादों और पर्यटन सेवाओं पर छूट मिल सकेगी। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने हरप्रीत को बधाई दी।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र जुगरान ने डीएफओ से की मुलाकात

मसूरी के जंगलों में पेड़ों के कटान और अतिक्रमण पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता,सुनील सोनकर

मसूरी। मसूरी वन प्रभाग के जंगलों में पेड़ों के कथित अवैध कटान, जल स्रोतों के सूखने और वन भूमि पर अतिक्रमण को लेकर सवाल उठे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र जुगरान ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मसूरी-धनोल्टी रोड स्थित कार्यालय में वन प्रभाग के डीएफओ देवी प्रसाद बलोनी से मुलाकात कर वन संरक्षण से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई की जरूरत बताई। रवींद्र जुगरान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मसूरी वन प्रभाग के कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र घटने, प्रतिबंधित प्रजातियों के पेड़ों के कथित अंधाधुंध कटान और जल स्रोतों के समाप्त होने जैसी चिंताजनक स्थितियां सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कानूनी प्रावधानों की कमजोरियों का फायदा उठाकर कुछ लोग वन भूमि और वन स्वरूप वाली भूमि पर अवैध कब्जे, अतिक्रमण, निर्माण और पेड़ों का कटान कर रहे हैं।



रवींद्र जुगरान डीएफओ से मुलाकात करते हुए।

अवैध गतिविधियां रोकने पर जोर

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वन संपदा की सुरक्षा, अवैध गतिविधियों पर निगरानी और जल स्रोतों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में पर्यावरण प्रेमी डॉ. दीपक जोशी और रवींद्र सिंह गुसाईं भी शामिल रहे।

मसूरी के वन क्षेत्र के संरक्षण पर जोर

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी और नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है। जुगरान ने कहा कि मसूरी के पर्वत और जंगल केवल पहाड़ों की सुंदरता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देहरादून की बड़ी आबादी के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इनसे जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छ हवा और पर्यावरणीय संतुलन को मदद मिलती है। देहरादून में बढ़ते तापमान के बीच मसूरी के पर्वतीय वन क्षेत्र की भूमिका भी अहम है। ऐसे में जंगलों का संरक्षण स्थानीय पर्यावरण के साथ-साथ मैदानी क्षेत्र के हित में भी जरूरी है। डीएफओ देवी प्रसाद बलोनी ने कहा कि मौजूदा वन कानूनों और प्रावधानों के तहत वन विभाग वनों के संरक्षण के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेकर कानूनी प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

नशे की लत का खामियाजा, अब सलाखों के पीछे कटेगी जिंदगी

एसएसपी दून के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध एक्शन मोड में दून पुलिस

विकास बलूनी

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दून पुलिस ने प्रेमनगर के बिधौली स्थित दुआ ब्वायज हॉस्टल में हुई चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी के चार लकड़ी के बेड और दो लोहे की अलमारियां बरामद की गई हैं। पूछताछ में घटना में शामिल एक अन्य आरोपित का नाम भी सामने आया है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 को हॉस्टल संचालक रजत दुआ ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बेड, अलमारियां और अन्य सामान चोरी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर कोतवाली प्रेमनगर में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के पर्दाफाश के लिए गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संदिग्धों की जानकारी जुटाई।



आरोपित गिरफ्तार पुलिस टीम के साथ।

◆ चोरी किये गये 4 लकड़ी के बेड तथा 2 लोहे की अलमीरा हुई बरामद



एसएसपी दून

पुलिस ने 11 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कांसवाली रोड के तल्ली कंडोली-बिधौली क्षेत्र से आदित्य शर्मा उर्फ रिंकू, जोगेंद्र कुमार, सचिन कुमार और कबाड़ी असलम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आदित्य ने बताया कि वह नशे का आदी है और उस पर कई लोगों का कर्ज था। कर्ज चुकाने तथा जल्द पैसा कमाने के लालच में उसने साथियों के साथ बंद पड़े हॉस्टल में चोरी की योजना बनाई। आरोपितों ने हॉस्टल का ताला तोड़कर लकड़ी के बेड, लोहे की अलमारियां, गीजर और अन्य सामान चोरी किया था। चोरी का कुछ सामान कबाड़ी असलम को बेच दिया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल एक अन्य आरोपित की तलाश जारी है।

बरामदगी: चार लकड़ी के बेड और दो लोहे की अलमारियां। **पुलिस टीम:** उपनिरीक्षक जैनेंद्र सिंह राणा, चौकी प्रभारी बिधौली, कांस्टेबल जगजोत चौहान, जसवीर कंडारी, वीरेंद्र भंडारी और निर्भय सिंह।

चार लाख की स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार



देहरादून। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 12.78 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान बुलबुल (28), पत्नी रोहित, निवासी मोथरोवाला स्थित सपेरा बस्ती, थाना नेहरू कॉलोनी, देहरादून के रूप में हुई है। पुलिस ने मादक पदार्थ बरामद होने के बाद महिला के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में बायपास चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विनय मोहन द्विवेदी, कांस्टेबल हितेश, महिला कांस्टेबल रजनी और कांस्टेबल बृजमोहन कनवासी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।



देहरादून में आए दिन नशा तस्करों की धरपकड़ हो रही है, फिर भी नशे का जाल टूटता नजर क्यों नहीं आ रहा? क्या गिरफ्तारियां ही नशे के खिलाफ जंग जीतने का पैमाना बन गई हैं? उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नशे की समस्या को लेकर अब गंभीरता से सवाल उठाने का वक्त आ गया है। आए दिन मादक पदार्थों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की खबरें सामने आती हैं। इसके बावजूद युवाओं को नशे से बचाने और अवैध कारोबार की जड़ों तक पहुंचने की चुनौती बनी हुई है। जिस देवभूमि की पहचान उसकी संस्कृति, संस्कार और शांत वातावरण से रही है, वहां युवाओं का नशे की गिरफ्त में आना चिंताजनक है। नशे की लत किसी युवा का स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य बर्बाद कर सकती है। इससे जुड़े अपराधों की आशंका भी समाज की चिंता बढ़ाती है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर नशे की सप्लाई चेन पर निर्णायक प्रहार कब होगा?

उत्तरकाशी में महिला मोर्चा का प्रदर्शन

महिला सम्मान को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, कांग्रेस का पुतला फूंका



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। महिला सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को उत्तरकाशी के विश्वनाथ चौक पर विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ललिता सेमवाल ने की।

इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने महिलाओं की गरिमा, सम्मान और सार्वजनिक जीवन में मर्यादित आचरण का मुद्दा उठाया।

महिला कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया। महिला मोर्चा ने महिलाओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। प्रदर्शन में जिला महामंत्री सरिता पडियार, नगर मंडल अध्यक्ष मीरा उनियाल, बर्फी भक्ति, ममता भट्ट, पूनम नौटियाल, सरिता नौटियाल और सावित्री मखलोगा सहित महिला मोर्चा की अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

फसल विविधीकरण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए चमोली को राष्ट्रीय सम्मान

धन-धान्य कृषि योजना के तहत चमोली को मिला सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के क्रियान्वयन का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर सोमवार को नई दिल्ली स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में चमोली जिले को सम्मानित किया गया। जिले को फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह सम्मान मिला। जनपद की ओर से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने पुरस्कार ग्रहण किया।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत देशभर के विभिन्न जिलों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। इसके लिए उत्पादन और परिणाम आधारित विभिन्न मानकों को आधार बनाया गया। मूल्यांकन के दौरान फसल विविधीकरण एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर चमोली का चयन सम्मान के लिए किया गया।



सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित लोग।

यह उपलब्धि जिले में कृषि को अधिक विविधतापूर्ण, टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। फसल विविधीकरण के माध्यम से किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ अन्य उपयुक्त फसलें अपनाने के अवसर मिलते हैं। इससे कृषि उत्पादन में सुधार, खेती से जुड़े जोखिम कम करने और किसानों की आजीविका को मजबूत बनाने में सहायता मिल सकती है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना और किसानों की आय तथा आजीविका को सशक्त बनाना है। चमोली को मिला यह सम्मान जिले में कृषि क्षेत्र के नवाचार, फसल विविधीकरण और सतत विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे जिले में कृषि विकास से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा।

एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन पुलिस से भिड़े आंदोलनकारी



◆ 17 लाख नाम हटाने पर सवाल, ज्ञापन देने जा रहे प्रदर्शनकारी हिरासत में

अनिल थपलियाल

देहरादून। देहरादून में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और प्री-एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के विरोध में सोमवार को विभिन्न सामाजिक, महिला, छात्र और जन संगठनों ने नागरिक मार्च निकाला। उत्तराखंड इंसानियत मंच और उत्तराखंड महिला मंच के नेतृत्व में निकला मार्च गांधी पार्क से मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय की ओर बढ़ा, लेकिन सचिवालय के निकट पुलिस ने इसे रोक दिया।

इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने कमला पंत, निर्मला बिष्ट और डॉ. रवि चोपड़ा समेत कई आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी ज्ञापन नहीं सौंप सके। संगठनों ने दावा किया कि प्री-एसआईआर और एसआईआर के दौरान उत्तराखंड में लगभग 17.05 लाख नाम हटाए गए, जबकि 4.01 लाख नाम जोड़े गए। उन्होंने वर्ष 2026 की एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने, हटाए गए नामों की बहाली और मतदाता सूची के स्वतंत्र ऑडिट की मांग की।

बंगला साहिब में पुलिस प्रवेश पर 'आप' ने जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर



दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में पुलिसकर्मियों के जूते पहनकर प्रवेश करने की घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी ('आप') के विधायकों और नेताओं ने श्री अकाल तख्त साहिब को ज्ञापन सौंपा। डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने घटना पर आपत्ति जताते हुए धार्मिक मर्यादा के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई की मांग की। पार्टी नेताओं का कहना था कि गुरुद्वारा साहिब सिखों का पवित्र धार्मिक स्थल है और इसकी मर्यादा का सम्मान किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान कुछ छात्र गुरुद्वारा परिसर में पहुंचे थे। उनका पीछा करते हुए पुलिसकर्मी जूते पहनकर अंदर दाखिल हुए। 'आप' नेताओं ने अकाल तख्त साहिब से मामले का संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई करने की अपील की। इस दौरान पार्टी के विधायक मनविंदर सिंह गयासपुरा ने अकाल तख्त सचिवालय में प्रवेश नहीं दिए जाने का आरोप भी लगाया। इस घटनाक्रम के बाद धार्मिक मर्यादा के साथ-साथ सचिवालय में प्रवेश को लेकर भी विवाद सामने आया।

लुधियाना जिले के पायल विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनविंदर सिंह गयासपुरा ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि उन्हें श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में प्रवेश करने से रोक दिया गया। उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति से होने के कारण उन्हें प्रवेश नहीं मिला। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में जब विधायक डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है और इस बारे में अकाल तख्त सचिवालय से संपर्क किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, अकाल तख्त की तरफ से इस घटनाक्रम पर तत्काल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। ऐसे में विधायक द्वारा लगाए गए आरोपों पर संबंधित पक्ष का जवाब सामने आना बाकी है। प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान यह मुद्दा भी चर्चा में रहा कि धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में सभी पक्षों को तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए।

डेढ़ दर्जन के करीब विधायक और नेता पहुंचे

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में 'आप' के कई विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल रहे। इनमें कैबिनेट रैंक प्राप्त बलजिंदर कौर, दसूहा के विधायक कर्मबीर सिंह घुम्मण, उड़मुड़ के विधायक जसवीर सिंह राजा, अमृतसर दक्षिणी के विधायक डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर, कादियां के हलका प्रभारी गुरइकबाल सिंह माहल, तरनतारन के विधायक हरमीत सिंह संधू और अजनाला के विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल शामिल थे। इनके अलावा डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा, अमृतसर पूर्वी की विधायक जीवनजोत कौर, महल कलां के विधायक कुलवंत सिंह पंडोरी, खेमकरण के विधायक सरवन सिंह धुन्न, लुधियाना के विधायक कुलवंत सिंह गयासपुरा, बाबा बकाला के विधायक दलवीर सिंह तुंग, राजासांसी की हलका प्रभारी सोनिया मान, जिला परिषद के चेयरमैन अंगदीप सिंह, खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा और अटारी के विधायक जसविंदर सिंह रमदास भी मौजूद रहे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी बंगला साहिब की घटना की निंदा कर चुके हैं। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर पुलिस के प्रवेश को लेकर आपत्ति जताई थी। पार्टी के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने भी कहा था कि गुरुद्वारा साहिब में आने या ठहरने वाले लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए।

पंजाब कांग्रेस को मजबूत करने में जुटे परगट सिंह, पायलट से मिले

पंजाब कांग्रेस की मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष परगट सिंह ने सोमवार को दिल्ली स्थित पंजाब भवन में पार्टी के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालात, पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। रविवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद परगट सिंह की सचिन पायलट के साथ यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसे प्रदेश में पार्टी की गतिविधियों को गति देने और आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बैठक में पार्टी के विधायकों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस के सामने इस समय प्रदेश में संगठन को सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और जनता के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की चुनौती है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व की कोशिश है कि सभी स्तरों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाए, ताकि राजनीतिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

संगठन की मजबूती पर रहेगा जोर



पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी और आपसी मतभेद चर्चा का विषय रहे हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद परगट सिंह के सामने पार्टी के विभिन्न गुटों को साथ लेकर चलने की चुनौती है। दिल्ली में सचिन पायलट के साथ हुई बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय बढ़ाने से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

पार्टी के लिए जिला स्तर पर संगठन को सक्रिय करना भी महत्वपूर्ण होगा। इसके तहत जिला इकाइयों की भूमिका मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को राजनीतिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने पर ध्यान दिया जा सकता है। कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश होगी कि पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों तक पहुंचाया जाए।

परगट सिंह ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाला था। इस अवसर पर सचिन पायलट सहित पंजाब कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे थे। पदभार ग्रहण करने के दौरान परगट सिंह ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने तथा टीम भावना के साथ काम करने पर जोर दिया था। उनके इस संदेश को पार्टी में एकजुटता स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखा गया।

पदभार ग्रहण समारोह में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी को भी संगठन के भीतर सामूहिक नेतृत्व और आपसी तालमेल का संदेश देने की कोशिश माना गया। पार्टी नेतृत्व के लिए अब इस एकजुटता को जमीनी स्तर पर कायम रखना महत्वपूर्ण होगा, ताकि कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचे।

पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के लिए संगठनात्मक तैयारियां तेज करना जरूरी है। प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी प्रभारी के बीच हुई बैठक को इसी चुनावी तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के सामने जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और प्रदेश में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की जिम्मेदारी है।

आने वाले समय में कांग्रेस की रणनीति में जिला इकाइयों की सक्रियता, वरिष्ठ नेताओं के बीच बेहतर तालमेल और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता देने पर जोर रहने की संभावना है।

फतेहगढ़ साहिब में 11 खाद्य सैंपल फेल, विभाग सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब। त्योहारी सीजन में मिलावटी मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। विभाग की टीमें मिठाई, दूध, दुग्ध उत्पाद, बेकरी, नमकीन और किराना दुकानों के साथ खाद्य सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियों का औचक निरीक्षण कर रही हैं। अंतरजिला और अंतरराज्यीय सीमाओं पर भी दूध व दुग्ध उत्पाद लेकर आने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप सिंह के अनुसार, सितंबर में जिले से मिठाई, दूध, बेकरी और किराना सामान के कुल 23 सैंपल लिए गए थे। इनमें से 11 सैंपल जांच में फेल पाए गए, जबकि पांच मानकों पर खरे उतरे। सात सैंपलों की रिपोर्ट आना बाकी है। फेल सैंपलों से जुड़े व्यापारियों और निर्माताओं को नियमानुसार नोटिस जारी किए जा रहे हैं तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) राखी विनायक ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर त्योहारी सीजन में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पिछले सप्ताह नाकाबंदी के दौरान भी पांच सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने धूरी में जनसभा के दौरान गिनाईं उपलब्धियां

पंजाब में विकास की नई इबारत लिख रही मान सरकार

किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का किया उल्लेख



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार ने साढ़े चार साल के कार्यकाल में जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किए हैं। धूरी विधानसभा क्षेत्र के गांव मीमसा में आयोजित जनसभा और लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि किसानों को दिन में बिजली, धान की खरीद के तुरंत बाद भुगतान, युवाओं को सरकारी नौकरियां और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार, 70,685 युवाओं को बिना भ्रष्टाचार के सरकारी नौकरियां दी गई हैं और 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है। सरकारी योजनाओं से प्रत्येक परिवार को हर महीने लगभग 15 हजार रुपये की बचत हो रही है। टोल प्लाजा बंद करने से यात्रियों को प्रतिदिन करीब 70 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के पैसे को स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और अन्य विकास कार्यों पर खर्च कर रही है, ताकि लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है। पहली बार 1,587 गांवों के खेतों तक नहरी पानी पहुंचाया गया है, जबकि सिंचाई व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए 7,200 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वर्ष 2022 में नहरी पानी से सिंचित क्षेत्र 20.89 लाख एकड़ था, जो बढ़कर 60.30 लाख एकड़ हो गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का भुगतान समय पर मिलना जरूरी है, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। महिलाओं के लिए शुरू की गई मावां धीयां सत्कार योजना के तहत 18 वर्ष और इससे अधिक आयु की पात्र महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था की गई है।

शिक्षा और जनसेवा को बताया प्राथमिकता

भगवंत मान ने कहा कि शिक्षा गरीबी का चक्र तोड़ने और युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करने का प्रभावी माध्यम है। उनकी सरकार शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूल ऑफ एमिनेंस और सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाने पर ध्यान दे रही है। गांवों में खेल स्टेडियम विकसित करने तथा सड़कों और अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार के प्रयास भी किए जा रहे हैं। राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनके कामकाज पर सवाल उठाने में असमर्थ विरोधी उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। अपने कार्यालय पर सीबीआई की छापेमारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि जांच एजेंसी को खाली हाथ लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी ईमानदारी और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता पर राजनीतिक प्रचार का कोई असर नहीं पड़ेगा।

सीबीआई की जांच में कई अहम पहलुओं की पड़ताल जारी है

भ्रष्टाचार जांच के बीच राजबीर घुम्मन को राहत, गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। घुम्मन के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में घुम्मन समेत छह लोगों को नामजद किया गया है। सीबीआइ मामले से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है। गिरफ्तारी पर रोक मिलने से घुम्मन को फिलहाल राहत मिली है, हालांकि इससे उनके खिलाफ चल रही जांच समाप्त नहीं हुई है। मामले में जांच एजेंसी को आरोपों से संबंधित तथ्यों और विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल करनी है। यह मामला पंजाब में कथित भ्रष्टाचार और सरकारी निर्णयों को प्रभावित करने से जुड़े आरोपों के कारण चर्चा में आया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब जांच की आगे की प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

मामले की शुरुआत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पंजाब में कथित भ्रष्टाचार और सरकारी फैसलों को प्रभावित करने से संबंधित जानकारी साझा किए जाने के बाद हुई। ईडी ने अधिकारियों की स्थानांतरण-पोस्टिंग, नीतिगत फैसलों, निविदाओं और अन्य सरकारी मंजूरियों में कथित लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी थी। इसके बाद पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पांच अक्टूबर 2026 को सीबीआइ को प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच करने और दो महीने के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसके अनुपालन में सीबीआइ ने पांच अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की। इसमें राजबीर सिंह घुम्मन के अलावा नितिन गोयल, जितिन गोयल उर्फ राजा, डा. रोमी राजा महाजन, बीर देविंदर सिंह और राजदीप सिंह नागरा उर्फ आरएस नागरा को नामजद किया गया है। जांच एजेंसी इन सभी नामजद व्यक्तियों से संबंधित आरोपों और उपलब्ध जानकारियों की पड़ताल कर रही है।



20 विभागों में 21 मामलों की भी हो रही पड़ताल

सीबीआइ की जांच में सितंबर 2023 से मार्च 2026 के बीच पंजाब के 20 विभागों में स्थानांतरण-पोस्टिंग से जुड़े 21 मामलों में कथित हस्तक्षेप की पड़ताल की जा रही है। इसके अतिरिक्त नीतिगत फैसलों, निविदाओं, हथियार लाइसेंस और जमीन से जुड़े मामलों को भी जांच के दायरे में रखा गया है। जांच एजेंसी ने राजबीर घुम्मन को पूछताछ के लिए दो बार समन भेजे थे। पहली बार उन्हें चंडीगढ़ में पेश होने के लिए कहा गया, जबकि दूसरे नोटिस में सेक्टर-30 स्थित सीबीआइ कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घुम्मन की ओर से पेश होने के बजाय कानूनी जवाब भेजे गए थे।

पंजाब में प्लास्टिक प्रदूषण रोकने को 231 कंपनियों की जवाबदेही तय करने पर जोर

मोहाली में समिट के दौरान ब्रांडेड प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए उत्पादक कंपनियों की जवाबदेही तय करने और कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर दिया गया है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से मोहाली स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पंजाब प्लास्टिक एक्शन समिट-2026 में छह प्रमुख शहरों में किए गए प्लास्टिक कचरे के ब्रांड ऑडिट के निष्कर्ष साझा किए गए। ऑडिट के दौरान करीब सात हजार किलोग्राम नमूना कचरे की जांच की गई और लगभग 12 हजार पैकेटों को 231 कंपनियों से जोड़ा गया। इन निष्कर्षों से स्पष्ट हुआ कि प्लास्टिक कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए उत्पादक कंपनियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। समिट में पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा, पंजाब विकास



एआई निर्मित तस्वीर।

आयोग की उपाध्यक्ष सीमा बंसल, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशक डा. शैलेंद्र कौर तथा एलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने कहा कि चिप्स, बिस्कुट और अन्य उपभोक्ता उत्पादों की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले बहुस्तरीय प्लास्टिक का कबाड़ बीनने वालों के लिए बहुत कम आर्थिक मूल्य होता है।

धार्मिक स्थलों और शिक्षण संस्थानों में भी अभियान

पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा कि इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक को सुरक्षित तरीके से एकत्र करना, वैज्ञानिक ढंग से प्रसंस्कृत करना और जिम्मेदारी से निस्तारित करना जरूरी है, ताकि मिट्टी, पानी और मानव स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल सरकार और सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि कंपनियों, संस्थानों और नागरिकों की भी है। बोर्ड की ओर से फतेहगढ़ साहिब में प्लास्टिक मुक्त लंगर, पटियाला के काली माता मंदिर में प्लास्टिक मुक्त प्रसाद और श्री आनंदपुर साहिब में प्लास्टिक मुक्त होला मोहल्ला जैसी पहल की गई हैं।

बठिंडा और पटियाला के पार्क अस्पतालों पर आयकर का छापा



भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा। पंजाब के बठिंडा में मानसा रोड स्थित और पटियाला के पार्क अस्पताल में सोमवार को आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की। इस कार्रवाई से अस्पताल परिसर में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय एजेंसियों की 19 सदस्यीय टीम दोनों कार्रवाई के दौरान अस्पताल के प्रवेश और निकास द्वारों पर निगरानी बढ़ा दी गई। बाहरी लोगों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगाए जाने की सूचना है। अस्पताल के अधिकारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेकर जांच किए जाने की बात भी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, वित्तीय लेन-देन, कर चोरी और खातों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

एलपीयू हिंसा मामले में हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हिंसा की घटनाओं की जांच को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सोमवार को पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। अदालत ने इंटरनेट मीडिया पर दो लड़कियों के यौन उत्पीड़न और हत्या का दावा करने वाली पोस्ट साझा करने वाली 18 वर्षीय छात्रा से पुलिस की पूछताछ पर सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि छात्रा ने जानबूझकर संदेश प्रसारित किया या किसी अन्य व्यक्ति ने उसका इस्तेमाल करके पोस्ट साझा करवाई। अदालत ने मामले की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए।

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने बताया कि छात्रा ने इंटरनेट मीडिया मंच के माध्यम से संदेश आगे भेजा था, लेकिन उसका कोई आपराधिक इरादा नहीं था। पुलिस की ओर से छात्रा के बयान से संबंधित रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश की गई। हालांकि, अदालत ने लिफाफे की जांच की तो उसमें छात्रा का बयान मौजूद नहीं मिला। इस पर खंडपीठ ने नाराजगी जताते हुए जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए।



एलपीयू में हिंसा के दौरान जेट पर चढ़ा प्रदर्शनकारी।

प्रेमी के साथ होटल पहुंची महिला की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, तपा (बरनाला)। बठिंडा-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना तपा के नजदीक स्थित एक होटल में महिला का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 31 वर्षीय जसवीर कौर पत्नी मंगा सिंह निवासी तपा के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतका के पति के बयानों के आधार पर उसके प्रेमी अमनदीप सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, जसवीर कौर अपने ही गांव के निवासी अमनदीप सिंह से मिलने होटल पहुंची थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोनों ने होटल में एक कमरा लिया था। कुछ समय बाद अमनदीप होटल मालिक को सामान लेने के लिए वापस आने की बात कहकर वहां से चला गया। हालांकि, काफी समय बीतने के बाद भी वह वापस नहीं लौटा।

लुधियाना में वेतन कटौती के विरोध में सेवा केंद्र कर्मचारी हड़ताल पर

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। वेतन में कटौती के विरोध में सेवा केंद्र कर्मचारियों ने सोमवार को कलम छोड़ हड़ताल शुरू कर दी। इसके चलते सेवा केंद्रों में सरकारी कामकाज प्रभावित रहा और अपने जरूरी काम करवाने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग बिना काम करवाए ही वापस लौट गए, जबकि कुछ हड़ताल समाप्त होने की उम्मीद में इंतजार करते रहे। हड़ताल से पहले कर्मचारियों ने भारत नगर चौक से डीसी कार्यालय स्थित सेवा केंद्र तक रोष रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सेवा केंद्र में धरना दिया। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाकर अपना विरोध जताया। सेवा केंद्र कर्मचारी यूनियन के नेता सतनाम सिंह ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों के वेतन में तीन से चार हजार रुपये तक की कटौती की गई है। पहले कई कर्मचारियों को करीब 10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था, जबकि अब कुछ को छह हजार और कई को 9500 रुपये या इससे भी कम वेतन दिया जा रहा है। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों और संबंधित कंपनियों के बीच वेतन को लेकर पहले सहमति बनी थी, लेकिन अब उसका पालन नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों ने वेतन कटौती वापस लेने और सहमति के अनुसार पूरा वेतन देने की मांग की है।



- **सरकारी सेवाएं प्रभावित कर्मचारियों ने वेतन कटौती वापस लेने की मांग की**

साजिश एम-16 और एके हथियार बरामद, नाबालिगों को स्लीपर सेल बनाने की आशंका

पंजाब में आतंकी साजिश की आशंका, सुरक्षा एजेंसियां हुईं सतर्क

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

पंजाब में दिवाली से पहले संभावित आतंकी वारदात को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की ओर से राज्य में अशांति फैलाने की साजिश रचे जाने की आशंका जताई जा रही है। हाल के दिनों में एम-16 और एके श्रेणी के हथियारों की बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। जांच से जुड़े इनपुट के अनुसार, सीमापार से नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ घातक हथियार भेजने पर भी जोर दिया जा रहा है। आशंका है कि इन हथियारों का इस्तेमाल पंजाब में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है।

अब तक पुलिसकर्मियों और पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन अब सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। जांच एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक, इसके लिए नाबालिगों को स्लीपर सेल के रूप में तैयार करने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां इन सूचनाओं की गंभीरता से जांच कर रही हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस की ओर से लोगों को संदिग्ध गतिविधियों के प्रति जागरूक करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसके बावजूद लगातार हो रही गिरफ्तारियों और हथियारों की बरामदगी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।



सीमापार से हथियारों की खेप भेजे जाने का संदेह

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिले हैं कि आइएसआइ के कथित गुर्गों के माध्यम से ड्रोन की मदद से हथियारों की एक खेप भारतीय क्षेत्र में भेजी गई हो सकती है। आशंका है कि इस खेप को सीमावर्ती इलाके में किसी स्थान पर छिपाकर रखा गया है और उचित अवसर मिलने पर आगे पहुंचाने की योजना है। इसमें एके श्रेणी के हथियार शामिल होने की भी आशंका जताई जा रही है। हालांकि, खेप की सही स्थिति और उसमें मौजूद हथियारों की संख्या का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस संभावित खेप को बरामद करने के लिए पुलिस कई स्तरों पर कार्रवाई कर रही है। सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध ठिकानों की तलाश की जा रही है और संबंधित सूचनाओं का सत्यापन किया जा रहा है।

गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापामारी

मलकीत सिंह उर्फ मीता और गुरजीत सिंह को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, पुलिस उनके गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगातार छापामारी कर रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य हथियारों की आपूर्ति के पूरे नेटवर्क, इसमें शामिल लोगों और संभावित ठिकानों का पता लगाना है। दिवाली के मद्देनजर सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां उपलब्ध इनपुट के आधार पर संभावित खतरे का आकलन कर रही हैं।

जम्मू में हेरोइन और पिस्तौल के साथ तीन आरोपित गिरफ्तार महिला पुलिसकर्मी भी शामिल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू । जम्मू जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन जैसा पदार्थ और पिस्तौल बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपितों में जम्मू-कश्मीर पुलिस में अनुयायी के पद पर तैनात एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थों और हथियारों को कब्जे में लेकर मामले दर्ज किए हैं। साथ ही इनके स्रोत और संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मीरान साहिब क्षेत्र में इंद्रनगर के पास बलोल नाका पर नियमित वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने मरालियन के डाक बंगला क्षेत्र की निवासी शमीम बेगम की स्कूटी को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लगभग 15 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। वह जम्मू-कश्मीर पुलिस में अनुयायी के रूप में कार्यरत है। पुलिस ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ उसके पद या संबद्धता की परवाह किए बिना कार्रवाई की जाएगी। दूसरी घटना गांधी नगर थाना क्षेत्र के दिगियाना औद्योगिक क्षेत्र की है। पुलिस टीम राजमार्ग के पास गश्त कर रही थी, तभी दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस के अनुसार, दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान सांबा जिले की बड़ी ब्राह्मणा तहसील के पल्ली निवासी वंश शर्मा के पास से एक पिस्तौल, डिजिटल वजन मशीन और लगभग 100 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। वहीं, पल्ली टांडा निवासी योगेश्वर सिंह के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और लगभग 13 ग्राम हेरोइन मिली। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थों और हथियारों को कब्जे में लेकर गांधी नगर थाने में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रतिबंधित पदार्थ और हथियार आरोपितों तक कैसे पहुंचे तथा इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

दो अलग-अलग कार्रवाई में मादक पदार्थ बरामद हथियारों के स्रोत का पता लगाने में जुटी पुलिस

जम्मू-कश्मीर में पहली पर्वतीय विकास नीति की तैयारी, पर्यावरण संरक्षण पर जोर

जलवायु परिवर्तन से निपटने और स्थानीय आजीविका बचाने पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का जोर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर्वतीय विकास नीति पर दिया जोर ।

जलवायु परिवर्तन, अनियमित बारिश, असमान बर्फबारी और पर्यावरण पर बढ़ते दबाव के बीच जम्मू-कश्मीर में पर्वतीय क्षेत्रों के सतत विकास के लिए नई नीति लाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर्वतीय विकास नीति अपनाने वाला पहला हिमालयी क्षेत्र बनने का इच्छुक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नीति तैयार करते समय पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक जरूरतों और स्थानीय लोगों की आजीविका के बीच संतुलन बनाना जरूरी होगा।

श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित 13वें सतत पर्वतीय विकास सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए पर्वतीय विकास और पर्यावरण संरक्षण अस्तित्व से जुड़े विषय हैं। नीति का प्रारूप सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था केवल पर्यटन पर निर्भर नहीं है। कृषि और बागवानी का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है। पर्यटन से बड़ी संख्या में परिवारों की आजीविका जुड़ी है, इसलिए विकास की रणनीति बनाते समय सभी क्षेत्रों के हितों का ध्यान रखना होगा।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में बारिश की कमी, अनियमित बर्फबारी और बादल फटने जैसी घटनाएं जलवायु परिवर्तन की चुनौती को बढ़ा रही हैं। इन परिस्थितियों में आजीविका सुरक्षित रखते हुए विकास के नए रास्ते तलाशने होंगे। इसके लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटकों की संख्या सीमित करना हर स्थिति में व्यावहारिक समाधान नहीं है, क्योंकि कई परिवार पर्यटन पर निर्भर हैं। हालांकि, कुछ पर्यटन स्थलों की पर्यटकों को संभालने की क्षमता सीमित है।

एनआईए ने श्रीनगर में आतंकी मददगार मामा गैस की संपत्ति की अटैच



पाकिस्तानी आतंकियों को पनाह देने के आरोप में जांच एजेंसी ने की बड़ी कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने श्रीनगर के हजरतबल क्षेत्र के डानिहामा गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ 'मामा गैस' की आवासीय संपत्ति अटैच कर दी है। आरोपी पर लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी आतंकियों को अपने घर में पनाह देने और उनकी गतिविधियों में मदद करने का आरोप है। एजेंसी के अनुसार, इस संपत्ति का इस्तेमाल आतंकियों को आश्रय देने और आतंकी नेटवर्क से जुड़े साक्ष्य छिपाने के लिए किया गया था। एनआईए ने यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 25 के तहत महानिदेशक की पूर्व मंजूरी के बाद की। जांच एजेंसी का दावा है कि संबंधित संपत्ति का सीमा पार से संचालित आतंकी साजिश से सीधा संबंध सामने आया है। यह मामला मूल रूप से 31 मार्च 2026 को श्रीनगर के जकूरा पुलिस थाने में प्राथमिकी संख्या 24/2026 के तहत दर्ज किया गया था। बाद में मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एनआईए को सौंप दी गई। एजेंसी ने दोबारा मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के संचालकों के संपर्क में रहने वाले स्थानीय सहयोगियों के नेटवर्क का पता लगाने का दावा किया गया। आरोप है कि ये लोग आतंकियों की घुसपैठ, आवाजाही और ठहरने के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराते थे। एनआईए ने छह अप्रैल 2026 को डानिहामा स्थित गुलाम मोहम्मद मीर के आवास की तलाशी ली थी। इस दौरान अबू हुरैरा और खुबैब नाम के दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकियों की पहचान की गई, जिनके लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े होने का संदेह है। तलाशी के दौरान विस्फोटक जैसा पदार्थ, डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई थी। एजेंसी का आरोप है कि मीर ने अपने आवास को आतंकियों के सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल होने दिया।

बिश्नाह में बारिश से बासमती धान की फसल बर्बाद, किसान परेशान

भारतेंदु संवाददाता, बिश्नाह



बिश्नाह क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश किसानों के लिए आफत बनकर बरसी। खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी बासमती धान की फसल पानी में डूब गई, जबकि कई खेतों में फसल जमीन पर बिछ गई। अचानक हुई बारिश से किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है। फसल को हुए नुकसान से किसान चिंतित हैं और अब उन्हें आर्थिक संकट का डर सताने लगा है।

बारिश के कारण खेतों में जलभराव हो गया। जिन किसानों को कुछ ही दिनों में धान की कटाई कर उपज घर लाने की उम्मीद थी, वे अब पानी में डूबी और जमीन पर गिरी फसल देखकर मायूस हैं। किसानों का कहना है कि धान की फसल उनकी सालभर की मेहनत और परिवार की आजीविका का प्रमुख सहारा है। ऐसे समय पर नुकसान होने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। किसानों की परेशानी को देखते हुए बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत ने चकड़ा पंचायत के पूर्व सरपंच विजय सैनी तथा कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने शहर से लेकर सीमावर्ती क्षेत्र के अंतिम गांवों तक खेतों में पहुंचकर फसल को हुए नुकसान का जायजा लिया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान पूर्व सरपंच बलबीर कौर और पूर्व सरपंच रघुवीर सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे। विधायक राजीव भगत ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या सरकार के समक्ष उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को उचित राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

श्रीनगर मैराथन में 12 देशों के 67 विदेशी धावक दिखाएंगे दम

डल झील सदौड़ेंगे प्रतिभागी, पर्यटन और स्थानीय कारोबार को मिलेगा बढ़ावा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



श्रीनगर में 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाली तीसरी कश्मीर मैराथन में 12 देशों के 67 विदेशी धावक हिस्सा लेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य खेल पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ श्रीनगर को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाना है। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता के बीच होने वाली यह दौड़ देश-विदेश के प्रतिभागियों को यहां की सांस्कृतिक विरासत और मेजबानी से रूबरू होने का अवसर भी देगी।

मैराथन में पूर्ण और हाफ मैराथन की दो श्रेणियां होंगी। पूर्ण मैराथन में धावकों को 42.19 किलोमीटर, जबकि हाफ मैराथन में 21.09 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। आयोजन से पहले श्रीनगर के पोलो ग्राउंड में तीन दिवसीय मैराथन प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, मैराथन का मार्ग डल झील, बुलेवार्ड रोड, निशात गार्डन और हजरतबल दरगाह जैसे प्रमुख स्थलों से होकर गुजरेगा। इससे प्रतिभागियों को कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को करीब से देखने का मौका मिलेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि विदेशी धावकों की भागीदारी से श्रीनगर के पर्यटन क्षेत्र को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मैराथन को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मार्ग पर 17 सहायता केंद्र स्थापित करने की योजना है। यहां स्वयंसेवकों के साथ चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती और मेडिकल शिविरों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि जरूरत पड़ने पर धावकों को तत्काल सहायता मिल सके।

पूर्ण और हाफ मैराथन के लिए प्रशासन ने सुरक्षा, चिकित्सा और यातायात व्यवस्था की तेज

डिवीजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। सड़क एवं भवन निर्माण विभाग को मैराथन मार्ग के गड्ढे भरने और पेड़ों की छंटाई करने को कहा गया है। वहीं, श्रीनगर नगर निगम को सफाई और बिजली विभाग को प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में कृषि भूमि पर व्यावसायिक निर्माण की मंजूरी से बढ़ी गंभीर चिंता

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



महबूबा मुफ्ती ने उठाए सवाल, विशेषज्ञों ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रति किया आगाह

जम्मू-कश्मीर में कृषि और बागवानी भूमि पर व्यावसायिक निर्माण की अनुमति देने वाले नए कानून को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इसे जमीन, खाद्य सुरक्षा और लोगों के भविष्य के साथ विश्वासघात बताया है। वहीं, विशेषज्ञों और नागरिक संगठनों ने आशंका जताई है कि निर्माण नियमों में ढील से भूकंप, बाढ़ और पर्यावरण संबंधी खतरे बढ़ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026 मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 28 सितंबर को विधानसभा में पेश किया था। बाद में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसे मंजूरी दे दी। कानून का उद्देश्य कारोबार और निर्माण संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना है, लेकिन इसके प्रावधानों पर सवाल उठ रहे हैं।

नए प्रावधानों के तहत निर्धारित शर्तों के साथ 24 मीटर तक ऊंची आवासीय इमारतों और कुछ व्यावसायिक परियोजनाओं के निर्माण की अनुमति दी जा सकेगी। कुछ मामलों में पारंपरिक सरकारी मंजूरी की जगह सरकार से अनुमोदित सलाहकार का प्रमाणपत्र मान्य होगा। कृषि और बागवानी भूमि पर भी निर्धारित शर्तों के तहत व्यावसायिक गतिविधियों का रास्ता खुल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है। श्रीनगर के कई इलाकों में मिट्टी के द्रवीकरण का खतरा भी सामने आया है। ऐसे में ऊंची इमारतों के निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। वर्ष 2014 की कश्मीर बाढ़ का उल्लेख करते हुए विशेषज्ञों ने जल निकासी, आर्द्रभूमियों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के संरक्षण पर जोर दिया है।

महबूबा मुफ्ती और पीडीपी विधायक वहीद उर रहमान पारा ने पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

अनंतनाग के जंगल में मिले दो चीनी ग्रेनेड, सुरक्षाबलों ने मौके पर किए नष्ट



भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान दो चीनी ग्रेनेड बरामद किए। दोनों ग्रेनेड मट्टन इलाके के सीर हमदान उर्फ सैंडूज के जंगल में मिले। सुरक्षा की दृष्टि से बम निरोधक दस्ते की मदद से दोनों विस्फोटकों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार रात मट्टन पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने सीर हमदान के जंगल में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया था। अभियान का उद्देश्य इलाके में संदिग्ध गतिविधियों और संभावित खतरों का पता लगाना था। इसी दौरान सुरक्षाबलों को जंगल में दो चीनी ग्रेनेड दिखाई दिए। विस्फोटकों की मौजूदगी सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए गए। इसके बाद जिला पुलिस लाइन (डीपीएल), अनंतनाग के बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों की मदद से दोनों ग्रेनेड को निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के तहत नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरी कार्रवाई सावधानीपूर्वक की गई और इस दौरान किसी भी व्यक्ति के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है।

रियासी में प्रेगाबालिन के 400 कैप्सूल बरामद, एक आरोपित गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में प्रेगाबालिन कैप्सूल के अवैध कब्जे और दुरुपयोग के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी अभियान के तहत रानसू पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रेगाबालिन के 400 कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रानसू थाने की टीम कोटला मोड़ क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। उसकी पहचान राजिंदर कुमार पुत्र रतन लाल, निवासी थेरू कोटला, रानसू, जिला रियासी के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से प्रेगाबालिन कैप्सूल की 40 पट्टियां बरामद की गईं। प्रत्येक पट्टी में 10 कैप्सूल थे और हर कैप्सूल 300 मिलीग्राम का था।

जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों की अवहेलना पर कार्रवाई, औषधि रखने वाले व्यक्ति पर मामला दर्ज

लद्दाख में पर्यटन का उछाल, नौ महीने में पहुंचे 4.60 लाख सैलानी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



लद्दाख में पर्यटन लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, अनूठी संस्कृति, साहसिक पर्यटन और खेल आयोजनों के प्रति पर्यटकों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। सितंबर 2026 में लद्दाख पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 60.60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस महीने कुल 55,582 पर्यटक लद्दाख पहुंचे, जबकि सितंबर 2025 में यह संख्या 34,610 थी।

बेहतर सुविधाओं, महोत्सवों और खेल आयोजनों से बढ़ा पर्यटकों का आकर्षण

पर्यटन के आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी से 30 सितंबर 2026 तक लद्दाख में कुल 4,60,667 पर्यटक पहुंचे। इसके मुकाबले पूरे वर्ष 2025 में 3,35,872 पर्यटक आए थे। इस तरह वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में ही पर्यटकों की संख्या पिछले साल के पूरे आंकड़े से 37.16 प्रतिशत अधिक हो गई। वहीं, जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान 2,78,599 पर्यटक लद्दाख पहुंचे थे। इस वर्ष समान अवधि में यह संख्या बढ़कर 4,60,667 हो गई, जो 65.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

लद्दाख में घरेलू और विदेशी दोनों श्रेणियों के पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में 4,20,927 घरेलू और 39,740 विदेशी पर्यटक पहुंचे। पिछले वर्ष इसी अवधि में 3,03,838 घरेलू और 32,034 विदेशी पर्यटक आए थे। इस प्रकार घरेलू पर्यटकों की संख्या में लगभग 38.54 प्रतिशत और विदेशी पर्यटकों की संख्या में 24.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सितंबर में घरेलू पर्यटकों की संख्या 29,888 से बढ़कर 49,188 हो गई, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,722 से बढ़कर 6,394 पहुंच गई।

लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी सक्सेना ने पर्यटकों की संख्या में वृद्धि का श्रेय बेहतर संपर्क सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कार्यक्रमों को दिया। लद्दाख बाइक वीक, लद्दाख मैराथन, लद्दाख महोत्सव और जांस्कर महोत्सव जैसे आयोजनों ने क्षेत्र की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, दुनिया के सबसे ऊंचे क्षेत्रों में लिली के फूलों की खेती और भारत की पहली ऊंचाई वाले क्षेत्र की वन्यजीव सफारी जैसी नई पहल भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं।

मां वैष्णो देवी भवन में सीआरपीएफ के जवानों ने बांटा प्रसाद



भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। शारदीय नवरात्र के दौरान धर्मनगरी कटड़ा से लेकर मां वैष्णो देवी भवन तक श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की छठी बटालियन के जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सहायता में भी जुटे हुए हैं।

शारदीय नवरात्र में सुरक्षा के साथ सेवा भाव दिखा रहे जवान

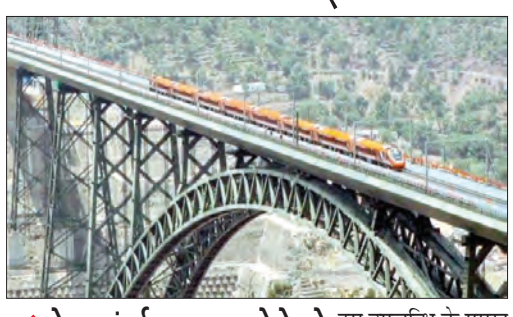
विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां वैष्णो देवी भवन परिसर में सीआरपीएफ की छठी बटालियन की ओर से प्रसाद वितरण के लिए विशेष स्टाल लगाया गया है। यहां बटालियन के अधिकारी और जवान श्रद्धालुओं को खीर, हलवा सहित अन्य प्रसाद भक्तिभाव से वितरित कर रहे हैं। माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर जवानों के इस सेवा कार्य की सराहना कर रहे हैं। इस सेवा अभियान में छठी बटालियन के कमांडेंट प्रदीप कुमार गर्ग गोस्वामी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और जवान सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। नवरात्र के दौरान जवान पूरी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। साथ ही प्रसाद वितरण के माध्यम से सेवा और समर्पण का संदेश भी दे रहे हैं।

सीआरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, नवरात्र के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा बल की प्राथमिकता है। प्रसाद वितरण का यह कार्य धार्मिक आस्था के साथ मानव सेवा की भावना को भी मजबूत करता है। सुरक्षा और सेवा का यह संगम मां वैष्णो देवी भवन में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

दाचीगाम में हंगुल संरक्षण के लिए 31 अक्टूबर तक पर्यटकों की आवाजाही पर रोक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लुप्तप्राय कश्मीरी हिरण हंगुल के संरक्षण और उसके प्रजनन काल में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के उद्देश्य से दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में अक्टूबर माह के दौरान प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उद्यान में आम लोगों, पर्यटकों और अन्य आगंतुकों के प्रवेश की अनुमति 31 अक्टूबर तक निलंबित रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, यह आदेश श्रीनगर के केंद्रीय प्रभाग के वन्यजीव वार्डन की सिफारिश पर जारी किया गया है, जिसे कश्मीर क्षेत्र के क्षेत्रीय वन्यजीव वार्डन ने मंजूरी दी है। प्रतिबंध विभागीय आवश्यक कार्यों, वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन गतिविधियों, आपात स्थितियों और सक्षम प्राधिकारी से विशेष अनुमति प्राप्त व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, इस अवधि में प्रवेश को नियंत्रित रखते हुए न्यूनतम आवश्यक गतिविधियों तक सीमित किया जाएगा। केंद्रीय प्रभाग के वन्यजीव वार्डन को प्रवेश द्वारों, चौकियों और मैदानी कर्मचारियों के माध्यम से आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, अनधिकृत प्रवेश रोकने और लोगों को प्रतिबंध की जानकारी देने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

चिनाब-अंजी पुलों से कश्मीर की तरक्की को मिली नई रफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के तहत बने चिनाब रेल पुल और देश के पहले केबल आधारित अंजी खड्ड पुल ने कश्मीर को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे घाटी में यात्री परिवहन के साथ व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। लगभग 272 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना से कश्मीर के सेब, चेरी, सूखे मेवे और हस्तशिल्प को देश के प्रमुख बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिली है।

रेल संपर्क मजबूत होने से कश्मीरी सेब, सूखे मेवे और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला की ऊंची पहाड़ियों, गहरी घाटियों और नदियों के कारण कटड़ा से बनिहाल के बीच रेल लाइन का निर्माण बड़ी चुनौती रहा। रेलवे ने आधुनिक तकनीक और इंजीनियरिंग की मदद से इन कठिनाइयों को पार करते हुए परियोजना को पूरा किया। चिनाब पुल और अंजी खड्ड पुल इस उपलब्धि के प्रमुख उदाहरण हैं। रेल संपर्क बेहतर होने से कश्मीर के बागवानी उत्पादों को दिल्ली, मुंबई सहित देश के दूसरे बड़े बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिल रही है। वहीं, सीमेंट, अनाज, खाद और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी अधिक सुविधाजनक हुई है। इससे परिवहन लागत घटाने और स्थानीय व्यापार को गति देने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस रेल मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों के लिए सफर को अधिक सुविधाजनक बनाया है। रेल संपर्क से सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने और यात्रा समय बचाने में भी सहायता मिल रही है।

नशे के खिलाफ जंग में समाज की भागीदारी जरूरी: डीजीपी प्रभात



डीजीपी नलिन प्रभात

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों और युवा पीढ़ी को नशे के खतरे से बचाना समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से नशे के खिलाफ अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और नशीले पदार्थों को ना कहने की अपील की। डीजीपी नलिन प्रभात सोमवार को श्रीनगर स्थित पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देशभर में नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में भी इस अभियान को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों की गिरफ्त में आने से बचाना केवल पुलिस का काम नहीं, बल्कि परिवार, शिक्षण संस्थानों और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। श्रीनगर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ हाल में की गई कार्रवाई का उल्लेख करते हुए डीजीपी ने कहा कि इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी। प्रभात ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाना आवश्यक है। यह केवल सरकारी प्रयासों से सफल नहीं हो सकती, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग जरूरी है।

पत्रकारिता की कीमत

धन से नहीं,सत्य और ईमानदारी से होती है तय



एआई निर्मित चित्र।

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समाज, सत्ता और व्यवस्था के सामने सच को रखने तथा आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने में पत्रकारों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। पत्रकार केवल समाचार लिखने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह समाज और शासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। उसकी कलम किसी पीड़ित की आवाज बन सकती है, किसी दबे हुए मुद्दे को सामने ला सकती है और किसी व्यवस्था की खामी को उजागर कर सुधार की दिशा में रास्ता खोल सकती है।

लेकिन वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में एक गंभीर चिंता भी दिखाई देती है कि कुछ स्थानों पर पत्रकारिता का मूल उद्देश्य पीछे छूटता जा रहा है और उसकी जगह व्यक्तिगत स्वार्थ, चाटुकारिता, प्रभावशाली लोगों की खुशामद तथा छोटी-छोटी सुविधाओं और लाभ का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। ऐसे दौर में प्रत्येक पत्रकार के लिए आत्ममंथन जरूरी है कि उसकी कलम वास्तव में किसके लिए चल रही है और उसकी पत्रकारिता का केंद्र जनहित है या व्यक्तिगत लाभ।

एक पत्रकार की कलम की कीमत उसके पास मौजूद धन, पद या प्रभाव से निर्धारित नहीं होती। उसकी वास्तविक कीमत उसके साहस, ईमानदारी, निष्पक्षता और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता से तय होती है। पत्रकारिता का उद्देश्य किसी अधिकारी, नेता, संस्था या सत्ता को प्रसन्न करना नहीं बल्कि जनता के हित में वास्तविकता को सामने रखना है। जहां कोई अच्छा काम हो रहा हो वहां उसकी सराहना करना भी पत्रकारिता का दायित्व है और जहां अन्याय, भ्रष्टाचार, लापरवाही या जनविरोधी कार्य हो रहे हों वहां सवाल उठाना भी उतना ही जरूरी है। निष्पक्ष पत्रकारिता का अर्थ केवल सरकार या प्रशासन की आलोचना करना नहीं है। सही पत्रकारिता वह है जिसमें अच्छे कार्यों को भी स्थान मिले और गलत कार्यों पर भी निर्भीकता से सवाल किए जाएं। यदि पत्रकार केवल इसलिए किसी व्यवस्था की प्रशंसा करने लगे क्योंकि उससे उसे कोई व्यक्तिगत लाभ मिल रहा है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न खड़े होते हैं।

पत्रकारिता में पद और पहचान का महत्व हो सकता है लेकिन किसी पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होती है। एक बार जनता का विश्वास टूट जाए तो उसे दोबारा हासिल करना बेहद कठिन हो जाता है। इसलिए पत्रकार को अपनी कलम का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए नहीं बल्कि समाज और जनहित के लिए करना चाहिए। कभी-कभी छोटी सुविधाएं, उपहार, सम्मान या आर्थिक लाभ व्यक्ति के सिद्धांतों को प्रभावित करने लगते हैं। समस्या लाभ की मात्रा से अधिक उस मानसिकता की है जिसमें पत्रकार अपने मूल दायित्व से समझौता करने लगता है। कोई धनराशि किसी समय आकर्षक लग सकती है लेकिन ईमानदार पत्रकार की प्रतिष्ठा और उसकी विश्वसनीयता उससे कहीं अधिक मूल्यवान होती है। धन, पद और पहचान समय के साथ समाप्त हो सकते हैं लेकिन पत्रकार की कलम से जुड़ी विश्वसनीयता लंबे समय तक याद रहती है।

आज पत्रकारों को स्वयं से कुछ कठिन लेकिन जरूरी सवाल पूछने चाहिए। क्या हमारी कलम सच के लिए चल रही है? क्या हम गलत के खिलाफ आवाज उठाने का साहस रखते हैं? क्या हम अपने साथी पत्रकारों के संघर्ष में उनके साथ खड़े होते हैं? क्या हम जनसमस्याओं को प्राथमिकता देते हैं या प्रभावशाली लोगों की प्रशंसा को? क्या हमारी मेहनत और पेशेवर जिम्मेदारी किसी छोटे लाभ के बदले कमजोर पड़ रही है? इन सवालों के उत्तर ही पत्रकारिता की वास्तविक दिशा तय कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



केशव शर्मा 'रसिक
स्वतन्त्र लेखक

घर की धुरी, परिवार की असली ताकत है गृहिणी



हमारे समाज में गृहिणी से अक्सर एक सवाल पूछा जाता है— 'क्या आप काम करती हैं?' या 'क्या आप नौकरी करती हैं?' कई बार यह भी पूछ लिया जाता है कि 'आप हाउसवाइफ हैं?' गहराई से सोचें तो यह सवाल ही अधूरा है। गृहिणी होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि महिला कोई काम नहीं करती। सच तो यह है कि वह घर की पूरी व्यवस्था को संभालने वाली प्रबंधक होती है। घर के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों से लेकर बजट, बच्चों की पढ़ाई, भोजन और साफ-सफाई तक की जिम्मेदारी उसके कंधों पर होती है।

कई लोगों की धारणा होती है कि घर पर रहने वाली महिला सारा दिन आराम करती है। यह सोच वास्तविकता से काफी दूर है। गृहिणी का दिन सुबह की पहली किरण से पहले ही शुरू हो जाता है। परिवार के लिए चाय-नाश्ता तैयार करना, पति का भोजन तैयार करना, बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करना और घर की दूसरी जरूरतों को पूरा करना उसके रोजमर्रा के काम का हिस्सा है। परिवार के सदस्य अपने-अपने काम पर निकल जाते हैं, लेकिन गृहिणी की जिम्मेदारियां यहीं खत्म नहीं होतीं।

इसके बाद घर की सफाई, कपड़े धोना, बर्तन साफ करना, सामान व्यवस्थित करना, राशन की व्यवस्था और भोजन की तैयारी जैसे काम शुरू होते हैं। देखने में ये सामान्य काम लग सकते हैं, लेकिन इन्हें पूरा करने में काफी समय और मेहनत लगती है। आज कई घरों में घरेलू सहायिका की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन उनके काम की निगरानी और घर की आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें काम समझाना भी गृहिणी की जिम्मेदारी होती है। बच्चों के लिए भोजन बनाना और परिवार के लिए घर का खाना तैयार करना तो वह अपने हाथों से करना ही पसंद करती है।

बाहर जाकर नौकरी करना निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी अपनी पहचान और आय हो। लेकिन घर संभालना भी कम महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। नौकरी



कमलेश राणा
स्वतंत्र लेखिका

करने वाली महिला को उसके काम के बदले वेतन मिलता है, जबकि गृहिणी को अपने पूरे दिन की मेहनत के लिए कोई वेतन, छुट्टी, बोनस या निर्धारित कार्य समय नहीं मिलता। यदि उसके काम को अलग-अलग सेवाओं में बांटा जाए तो वह एक साथ रसोइया, शिक्षक, परिचारिका, प्रबंधक और लेखाकार जैसी कई भूमिकाएं निभाती दिखाई देगी।

गृहिणी केवल घर का काम ही नहीं करती, बल्कि परिवार की भावनात्मक जरूरतों का भी ध्यान रखती है। बच्चा बीमार हो तो वह रातभर जागकर उसकी देखभाल करती है। घर में मेहमान आएं तो उनके स्वागत और भोजन की व्यवस्था करती है। परिवार का बजट बिगड़ने पर अपनी समझदारी से खर्चों को संतुलित करती है। इस लिहाज से वह घर की वित्तीय प्रबंधक की भूमिका भी निभाती है।

समाज में कामकाजी महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गृहिणी के काम को छोटा समझा जाए। कामकाजी महिला कार्यालय की जिम्मेदारियां निभाने के बाद घर लौटती है, जबकि गृहिणी का कार्यस्थल उसका घर ही होता है। उसके लिए न निश्चित छुट्टी है, न रविवार और न ही काम समाप्त होने का कोई तय समय।

गृहिणी को 'बेचारी' कहना या उसके काम को कमतर आंकना हमारी सोच की कमी है। वह बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के परिवार की अनेक जिम्मेदारियां निभाती है। बच्चों की पढ़ाई में मदद करती है, घर का बजट संभालती है और परिवार के सुख-दुख में सबसे आगे खड़ी रहती है। इसलिए उसे घर का मुख्य प्रबंधक या 'घर का सीईओ' कहना गलत नहीं होगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की अपार संभावनाएं

पर्यटन को मिले रफ्तार, अर्थव्यवस्था को मिले बल



एआई निर्मित चित्र।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा अर्जित करने में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान है। पर्यटन को चिमनी विहीन उद्योग के नाम से भी जाना जाता है। यह आज लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है, जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं ऐतिहासिक कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी पर्यटक भी भारत की ओर आकर्षित होते हैं। देशी पर्यटक भी कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस मनाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की और वर्ष 1980 से हर साल 27 सितंबर को यह दिवस मनाया जाता है। हर वर्ष इसे एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का विषय पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। आधुनिक तकनीक और नवाचार पर्यटन को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़े सेवा उद्योगों में शामिल है। यह राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद की आर्थिक प्रभाव रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में दुनिया की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने स्थान को बेहतर किया है। रिपोर्ट में भारत के पर्यटन क्षेत्र के तेजी से बढ़ते प्रभाव तथा आने वाले वर्षों में इसके और विस्तार की संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। पर्यटन क्षेत्र बुनियादी ढांचे, विपणन और सेवा वितरण में विकास के साथ रोजगार और आर्थिक विस्तार को भी गति प्रदान कर रहा है।

आज जब प्रत्येक देश की प्राथमिकता अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, ऐसे में पर्यटन कई देशों की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाडा और आस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में पर्यटन से प्राप्त आय अर्थव्यवस्था को मजबूती देती है। भारत में भी पर्यटन की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन विशेषज्ञों और नीति निर्धारकों के अनुसार उपलब्ध पर्यटन क्षमता का अभी पूरी तरह उपयोग नहीं हो पाया है। इसके लिए पर्यटन केंद्रों को छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने, सड़क, वायु परिवहन और दूरसंचार सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा नए पर्यटन केंद्र विकसित करने की आवश्यकता है।



रमेश सर्राफ
झुंझुनू, राजस्थान

आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों की मांग बढ़ने की संभावना है। इस क्षेत्र में रोजगार के साथ स्वरोजगार के भी अनेक अवसर उपलब्ध हैं। देश में पर्यटन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं और मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। निजी संस्थानों में भी पूर्णकालिक और अंशकालिक डिप्लोमा तथा प्रशिक्षण उपलब्ध हैं। पर्यटन शिक्षा प्राप्त करने के बाद टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, गाइड और पर्यटन प्रबंधक के रूप में रोजगार हासिल किया जा सकता है। स्थानीय भ्रमण, तीर्थ यात्रा, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम और दूरदराज के पर्यटन स्थलों के लिए टूर पैकेज तैयार करने जैसे कार्य कम पूंजी में शुरू किए जा सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

हकीकत से दोस्ती

मनुष्य अपने जीवन में अनेक सपने देखता है, उम्मीदें पालता है और भविष्य को अपनी इच्छाओं के अनुसार आकार देने की कल्पना करता है। वह चाहता है कि उसके जीवन में सब कुछ अच्छा हो, रिश्ते हमेशा मधुर बने रहें, मेहनत का परिणाम उसकी उम्मीदों के अनुरूप मिले और परिस्थितियां उसके पक्ष में रहें। लेकिन वास्तविक जीवन हमारी कल्पनाओं से अलग होता है। कई बार हम जो चाहते हैं, वह नहीं मिलता और जो कभी सोचा भी नहीं होता, उसका सामना करना पड़ता है। यही जीवन की सच्चाई है कि हकीकत हमेशा हमारी चाहत जैसी नहीं होती।

मनुष्य की सबसे बड़ी उलझनों में से एक उसकी उम्मीदें हैं। उम्मीदें रखना गलत नहीं है, क्योंकि यही हमें आगे बढ़ने, मेहनत करने और बेहतर भविष्य का सपना देखने की प्रेरणा देती हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब हम अपनी उम्मीदों को ही वास्तविकता मान लेते हैं। हम सोचते हैं कि यदि हमने किसी के लिए अच्छा किया है, तो वह भी हमारे साथ अच्छा ही करेगा। यदि हमने पूरी मेहनत की है, तो सफलता अवश्य मिलेगी। यदि हमने किसी रिश्ते को ईमानदारी से निभाया है, तो सामने वाला भी हमेशा वैसा ही व्यवहार करेगा। लेकिन जीवन किसी निश्चित नियम के अनुसार नहीं चलता। हर व्यक्ति की सोच, परिस्थितियां और प्राथमिकताएं अलग होती हैं। इसलिए हमारी अपेक्षाओं का पूरा होना हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होता।

कई बार दुख किसी घटना से कम और उससे जुड़ी हमारी उम्मीदों के टूटने से अधिक होता है। जब कोई अपना व्यक्ति बदल जाता है, जब मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिलती या जब परिस्थितियां हमारी योजनाओं के विपरीत हो जाती हैं, तब मन निराश हो जाता है। हम बार-बार सोचते हैं कि ऐसा क्यों हुआ, हमारे साथ ही ऐसा क्यों हुआ और यदि परिस्थितियां अलग होतीं, तो जीवन कितना अच्छा होता। इस तरह के विचार हमें वर्तमान से दूर ले जाकर बीते हुए समय और अधूरी इच्छाओं में उलझा देते हैं। धीरे-धीरे हम उस वास्तविकता से लड़ने लगते हैं, जिसे बदल पाना शायद हमारे हाथ में नहीं होता।

हकीकत को स्वीकार करना हार मान लेना नहीं, बल्कि जीवन को समझने की शुरुआत है। किसी परिस्थिति को स्वीकार करने का अर्थ यह नहीं कि हम अपने सपने छोड़ दें या अन्याय के सामने चुप हो जाएं। इसका अर्थ केवल इतना है कि हम पहले यह समझें कि इस समय हमारी स्थिति क्या है। जो बीत चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता, लेकिन उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है। यदि किसी परीक्षा में असफलता मिली है, तो उस सच्चाई को स्वीकार करके अपनी कमियों पर काम किया जा सकता है। यदि कोई रिश्ता समाप्त हो गया है, तो उसकी वास्तविकता को समझकर स्वयं को संभालने और जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास किया जा सकता है।

जीवन में रिश्ते भी हमें यही सीख देते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे अपने हमेशा हमारे साथ रहें, हमें समझें और हमारी भावनाओं का सम्मान करें। लेकिन हर व्यक्ति हमारी सोच के अनुसार नहीं चल सकता। कभी-कभी लोग बदल जाते हैं, उनके व्यवहार में अंतर आ जाता है या उनके जीवन की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। ऐसी स्थिति में किसी को जबरदस्ती अपने जीवन में बनाए रखने की कोशिश हमें मानसिक रूप से थका सकती है। रिश्तों को महत्व देना जरूरी है, लेकिन अपनी शांति और आत्मसम्मान को पूरी तरह दूसरों के व्यवहार पर निर्भर कर देना उचित नहीं है। कुछ बातों को समझना, कुछ परिस्थितियों से सीखना और कभी-कभी पीछे हट जाना भी जीवन का हिस्सा है।

इसी तरह दूसरों के जीवन से अपनी तुलना करना भी हमारी निराशा का एक बड़ा कारण बन सकता है। हम किसी की सफलता, खुशियां और उपलब्धियां देखकर अपने जीवन को कमतर समझने लगते हैं। लेकिन हम अक्सर दूसरों के जीवन का केवल वही हिस्सा देखते हैं, जो हमारे सामने दिखाई देता है। उनके संघर्ष, असफलताएं और परेशानियां हमें पूरी तरह मालूम नहीं होतीं। हर व्यक्ति की परिस्थितियां और जीवन की गति अलग होती है। इसलिए अपनी यात्रा की तुलना किसी दूसरे व्यक्ति की उपलब्धियों से करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान देना अधिक उपयोगी है।

यह समझना भी जरूरी है कि वास्तविकता को स्वीकार करने के साथ बदलाव की संभावना को जीवित रखना चाहिए। कुछ परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर होती हैं, जबकि कुछ को हमारे प्रयासों से बदला जा सकता है। जो हमारे हाथ में नहीं है, उसके लिए स्वयं को लगातार दोष देना उचित नहीं है। लेकिन जिन बातों में सुधार संभव है, उनसे मुंह मोड़ लेना भी सही नहीं होगा। समझदारी इसी में है कि हम दोनों के बीच अंतर पहचानें और अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएं।

अंतत: जीवन वैसा नहीं होता, जैसा हम हर समय चाहते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह सुंदर या सार्थक नहीं हो सकता। कभी-कभी अधूरी इच्छाएं हमें नई राह दिखाती हैं, असफलताएं हमारी कमियों से परिचित कराती हैं और कठिन परिस्थितियां हमें अपने भीतर की शक्ति पहचानने का अवसर देती हैं। शांति तब मिलनी शुरू होती है, जब हम हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के अनुसार बदलने की जिद छोड़कर उसे समझने का प्रयास करते हैं।

– शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

पूजा हेगड़े का फिल्मी सफर

पूजा हेगड़े भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु, हिंदी और तमिल फिल्मों में काम करती हैं। उनका जन्म 13 अक्टूबर 1990 को हुआ था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की अधिक पारिश्रमिक पाने वाली अभिनेत्रियों में शामिल पूजा ने अपने अभिनय और लोकप्रिय फिल्मों के जरिए मनोरंजन जगत में पहचान बनाई है। उन्हें चार दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (साइमा) मिल चुके हैं। इसके अलावा, उन्हें चार बार फिल्मफेयर पुरस्कार दक्षिण के लिए नामांकन भी मिला है।



पूजा हेगड़े
जन्म : 13 अक्टूबर 1990

पूजा हेगड़े ने वर्ष 2010 में मिस यूनिवर्स इंडिया सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 2012 में तमिल फिल्म मुगामूडी से उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। हालांकि, उन्हें व्यापक पहचान तेलुगु सिनेमा से मिली। वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्में ओका लैला कोसम और मुकुंदा उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुईं।

हिंदी सिनेमा में पूजा ने वर्ष 2016 में फिल्म मोहनजो दड़ो से शुरुआत की। इस फिल्म में वह अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ नजर आईं। इसके बाद वर्ष 2017 में आई तेलुगु एक्शन-कॉमेडी फिल्म डीजे: दुव्वाडा जगन्नाधम से उनकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2018 में अरविंद समेथा वीरा राघव और 2019 में महर्षि जैसी फिल्मों ने तेलुगु सिनेमा में उनकी स्थिति को मजबूत किया। इसी वर्ष वह हिंदी फिल्म हाउसफुल 4 में भी दिखाई दीं, जिसने व्यावसायिक स्तर पर सफलता हासिल की।

वर्ष 2020 में आई अला वैकुंठपुरमुलु उनकी प्रमुख सफल फिल्मों में शामिल रही। इसके बाद 2021 में उन्होंने मोस्ट एलिजिबल बैचलर में अभिनय किया। इन फिल्मों के जरिए पूजा ने दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में अपनी लोकप्रियता बनाए रखी। हालांकि, उनके करियर में कुछ ऐसी फिल्में भी आईं, जिन्हें दर्शकों और समीक्षकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। वर्ष 2025 में प्रदर्शित फिल्म रेट्रो के साथ पूजा हेगड़े को फिर से सफलता मिली। उनका करियर सौंदर्य प्रतियोगिता से शुरू होकर तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों तक पहुंचा है। अलग-अलग भाषाओं के सिनेमा में काम करने के अनुभव ने उन्हें व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाया है।

संगठन कमजोर, गुटबाजी हावी, कैसे जीतेगी कांग्रेस?



कांग्रेस 2014 के बाद देश में चुनाव जीतना नहीं चाहती है। वह हर चुनाव लड़ती है, परंतु जीतने के लिए आज तक नहीं लड़ पाई है। कई प्रदेशों में कांग्रेस चुनाव जीतने के करीब थी, परंतु करीब पहुंचकर हार गई। कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा को मेहनत नहीं करनी पड़ती है, बस वह कांग्रेस में जो भाजपा के स्लिपर सेल हैं, उनको सक्रिय कर देती है। फिर स्लिपर सेल के सदस्य भाजपा और सनातन के विरोध में बयान मीडिया में देते हैं और मीडिया उस पर बहस शुरू कर देता है। इसको कहते हैं हेडिंग प्रबंधन, कांग्रेस की तरफ से मिल जाता है। फिर शुरू होता है टिकट के बंटवारे में गुटबाजी।

मध्य प्रदेश में बीस साल से कांग्रेस जीतते-जीतते हार जाती है। कमल नाथ चाहते हैं कि हम बड़ा नेता बने रहें, मुख्यमंत्री बने रहें। दिग्विजय सिंह चाहते हैं कि बड़ा बना रहूं। सिंधिया थे तो वह भी यही करते थे। गुट की राजनीति होती रही और कांग्रेस हारती रही। इसी तरह छत्तीसगढ़ और राजस्थान केवल स्लिपर सेल और गलत टिकट बंटवारे के कारण हार गई। मध्य प्रदेश के चुनाव में टिकट बेचने का आरोप कांग्रेस के नेता ने लगाया, परंतु राहुल गांधी की आज तक हिम्मत नहीं हो पाई कि वह जांच कराकर उस नेता को बाहर कर दें।

छत्तीसगढ़ और राजस्थान में टीएस सिंहदेव और सचिन पायलट के विरोध को पूरा देश देखा। दोनों जगह कांग्रेस जीत रही थी, परंतु हार हो गई। घर के भीतर की लड़ाई सड़क पर आ गई, पर किसी भी राज्य में कोई कार्रवाई नहीं हुई और सभी आज भी कांग्रेस में हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और असम की बात क्या करना। असम में भी वही एक परिवार की राजनीति पर निर्भरता है, जो बस चुनाव के आसपास सक्रिय रहता है और कांग्रेस का संगठन समाप्त होता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अगर गठबंधन में लड़ती है तो कांग्रेस के बहुत से नेता जिस विधानसभा या सांसद के प्रत्याशी को कांग्रेस का नहीं, गठबंधन का मानते हैं। कांग्रेस के लोग वोट बंटवाते हैं। अगर कोई कांग्रेस का उम्मीदवार लड़ रहा है तो भी स्थानीय कांग्रेस के लोग जातियों में बंट जाते हैं और विरोधी को वोट देते हैं। सत्ता में रहने के समय भी कांग्रेस का यही चरित्र रहा कि नेता अपने लिए जगह बनाने में लगे रहे, संगठन और पार्टी के लिए काम नहीं किया।

आज बहुत से पुराने कांग्रेसी भाजपा के सांसद और विधायकों से अपने क्षेत्र और निजी हितों के लिए मदद लेते हैं। वह अपने बूथ का वोट कांग्रेस या गठबंधन को नहीं दिलवाता, बल्कि भाजपा की तरफ ट्रांसफर करवाता है। कांग्रेस के हाईकमान को पता है, परंतु मौन है। किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती। बिहार में विधान परिषद के चुनाव में गठबंधन के विरोध में वोट किया गया था। यह कैसा गठबंधन है? तभी कहते हैं कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए नहीं लड़ रही, वह बस लड़ रही है, जनता को दिखाने के लिए कि हम विपक्ष हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



डा. अशोक कुमार चौबे



कविता

तुम गंगा की बेटी हो

अमित मैहरा

तुम गंगा की बेटी हो!,
तुम इक अल्हड़ नदी-सी हो,
कभी शांत अपनी ही धुन में बहती,
कभी अठखेलियों से मदमस्त
कर देती देखने वालों को,
कभी डराती उन्हें, जो समझते नहीं तुमको!
कभी शांत हो तो लगता है
जैसे अध्यात्म प्रतिस्फुटित हो गया हो,
और तभी रौद्र इस तरह कि बांधना
तुम्हें असंभव लगे!
एक ओर वैराग्य,
और फिर अद्वितीय मिलन- सभी संकेत
पल-पल बदलते रूप में दिखते हैं!
कभी विस्तार में क्षितिज को छूने वाली,
कभी स्वयं को बांध लेती हो,
और न्यूटन के तीसरे सिद्धांत-सी,
जल से विद्युत बनती हो!
कौन हो तुम, गुड़िया?
क्या मेरी अभिलाषाओं का प्रतिबिंब?
या मेरी जिज्ञासाओं की पराकाष्ठा,
या मेरी जिव्हा का प्राण!
ये सूत्र कहां से लाती हो?
ये विश्वास कहां से आता है तुम्हारे पास?
किस तरह बहती हो निश्छल होकर
– मानो सुन भी रही हो और बेखबर भी हो!

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

नड्डा ने केलांग में उच्च पर्वतीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का किया शिलान्यास

हिमालयी क्षेत्रों में बीमारियों, पर्यावरणीय बदलावों और जनस्वास्थ्य चुनौतियों का होगा अध्ययन

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को लाहौल-स्पीति के केलांग में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के उच्च पर्वतीय चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर-सीएचएएमपी) का शिलान्यास किया। यह केंद्र हिमालयी क्षेत्रों में चिकित्सा अनुसंधान, जनस्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

अत्यधिक ऊंचाई, कम तापमान, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ती हैं। केंद्र में विशेष रूप से जनजातीय आबादी की स्वास्थ्य समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा।



ऊंचाई से जुड़ी बीमारियों पर होगा शोध: केंद्र में पर्वतीय चिकित्सा, जलवायु-संवेदनशील बीमारियों, संक्रामक एवं गैर-संक्रामक रोगों, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर अनुसंधान होगा। आपदा के दौरान चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। शोध के आधार पर हिमालयी क्षेत्रों की परिस्थितियों के अनुरूप स्वास्थ्य नीतियां विकसित करने में मदद मिलेगी।

दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवाएं: दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन, ड्रोन से चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति और जनस्वास्थ्य निगरानी जैसी तकनीकों पर काम किया जाएगा। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। परियोजना के माध्यम से सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा, अनुसंधान संस्थानों और हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ सहयोग बढ़ाया जाएगा।

लाहौल-स्पीति में आईसीएमआर केंद्र का भूमिपूजन, रवि ठाकुर ने जताया आभार

लाहौल-स्पीति के केलांग में सोमवार को उच्च हिमालयी चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर-चैप) के भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक रवि ठाकुर भी शामिल हुए। समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, मंडी की सांसद कंगना रनौत, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर और आईसीएमआर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रवि ठाकुर ने कहा कि उच्च हिमालयी और जनजातीय क्षेत्र में इस अनुसंधान केंद्र की स्थापना महत्वपूर्ण पहल है। इससे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और जनस्वास्थ्य पर वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा मिलेगा। इसका लाभ स्थानीय निवासियों, जनजातीय समुदायों, सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों और पर्यटकों को मिलने की उम्मीद है।

स्नोवर वैली इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम से संपन्न



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। स्नोवर वैली इंटरनेशनल स्कूल, बजौरा में दूसरा वार्षिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और उपलब्धियों का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह में उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा (आईएएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि भुंतर के नायब तहसीलदार मनीष गुलेरिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत, योग, फ्यूजन प्रस्तुतियों और सामाजिक संदेशों पर आधारित नाटकों से दर्शकों का मनोरंजन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण इनोविजन टेक शो रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने तकनीक और नवाचार से जुड़ी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर शैक्षणिक उपलब्धियों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी। शिक्षा, खेलकूद और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक पूरन चंद ठाकुर ने मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, अभिभावकों, शिक्षकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

न्यूज ब्रीफ

कोटली में दस दिवसीय रामलीला शुरू ठाकुर सिंह वर्मा ने किया उद्घाटन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में कोटली के सामुदायिक किसान भवन में रामलीला कमेटी की ओर से दस दिवसीय रामलीला उत्सव का शुभारंभ गणेश आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ठाकुर सिंह वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि रामलीला समाज में धार्मिक चेतना और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रसारित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आयोजन के लिए कमेटी को 11 हजार रुपये सहयोग राशि भेंट की। इस दौरान वर्ष 2027 की डायरी का विमोचन किया गया। सेवानिवृत्त अधिकारियों और रामलीला के पूर्व कलाकार को सम्मानित भी किया गया।

दुर्गा पूजा समिति के शारदोत्सव की रजत जयंती, डॉ. मल्लिका नड्डा ने जताया आभार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष शारदोत्सव की रजत जयंती मना रही है। समिति की अध्यक्ष एवं संस्थापिका डॉ. मल्लिका नड्डा ने नगरवासियों का आभार जताते हुए नवरात्र के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। शारदोत्सव का शुभारंभ रविवार को बाबा नाहर सिंह बजिया मंदिर धौला में हुआ। महर्षि वेदव्यास गुरुकुल के 14 शिष्यों ने आचार्य प्रशांत पाठक के नेतृत्व में महिषासुर स्तोत्र का सामूहिक गायन किया। दिल्ली से आए अजय भाई ने देवी शक्ति गाथा प्रस्तुत की। मंदिर परिसर में 1008 दीप प्रज्वलित किए गए। डॉ. नड्डा ने बताया कि 13 अक्टूबर से महिलाओं और युवतियों के लिए गरबा कार्यक्रम आयोजित होगा।

जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर में 16 अक्तूबर को होगा कैंपस इंटरव्यू का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिम लाइव 24 न्यूज में फील्ड ऑफिसर एवं विज्ञापन संग्राहक के एक पद के लिए 16 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर में कैंपस इंटरव्यू होगा। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मैहता के अनुसार, बीए, बीबीए या एमबीए के साथ दोपहिया वाहन चलाने का अनुभव जरूरी है। चयनित अभ्यर्थी को लक्ष्य आधारित 15 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा।

मैक्लोडगंज की खूली बादियों में फिदा हुए क्रिकेटर सुरेश रैना

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना रविवार देर शाम परिवार के साथ मैक्लोडगंज पहुंचे। उन्होंने बाजार में खरीदारी की, प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और प्रसिद्ध मैक्लो रेस्टोरेंट में जलपान किया। निजी दौरे पर आए रैना ने परिवार सहित मंदिरों के दर्शन भी किए। उन्होंने धर्मशाला को अपना पसंदीदा पर्यटन स्थल और यहां के क्रिकेट स्टेडियम को दुनिया के खूबसूरत स्टेडियमों में से एक बताया।

नारी सम्मान के मुद्दे पर पालमपुर में भाजपा का हल्लाबोल, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 11 छात्राओं के कथित उत्पीड़न मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने पालमपुर में रैली निकालकर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी और संबंधित कांग्रेस सांसद के पुतले फूंके गए। सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा कथित धक्कामुक्की पर भी रोष जताया। भाजपा नेताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में त्रिलोक कपूर, मुल्ख राज प्रेमी, रविंदर धीमान, विनोद ठाकुर सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा तस्करों पर सख्ती, अवैध पार्किंग करने वालों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई : संजीव वालिया

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू

पुलिस थाना बंजार के नए थाना प्रभारी संजीव वालिया ने कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले चंद्रशेखर ठाकुर यहां सेवाएं दे रहे थे। पदभार संभालने के बाद वालिया ने नशे पर अंकुश लगाने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात सुचारू करने को अपनी प्राथमिकता बताया।

उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस नशे के विरुद्ध अभियान को प्रभावी बनाने के साथ आम लोगों को भी जागरूक करेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की नशाविरोधी मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने और विभागीय निर्देशों को प्राथमिकता से लागू करने का प्रयास किया जाएगा।



महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर रहेगा ध्यान: थाना प्रभारी ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के साथ अभद्र व्यवहार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गलत पार्किंग करने वालों के कटेंगे चालान: बंजार बाजार की संकरी सड़कों पर जाम की समस्या को देखते हुए उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही गाड़ियां खड़ी करने की अपील की। सड़क किनारे या मोड़ पर यातायात बाधित करने वाले वाहनों के चालान किए जाएंगे। पर्यटक सीजन में पुलिस गश्त भी बढ़ाई जाएगी। वालिया ने बताया कि वह सात साल तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में सेवाएं दे चुके हैं और उन्हें राष्ट्रपति की ओर से पुलिस मेडल मिला है। उन्होंने जलोड़ी दर्रा जाने वाले पर्यटकों को ढलानदार सड़कों पर सावधानी से वाहन चलाने, उचित गियर और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

रेड क्रॉस सोसायटी दिव्यांग बच्चों की देखभाल और पुनर्वास के लिए कर रही सराहनीय कार्य : सुंदर सिंह ठाकुर

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की जिला शाखा कुल्लू द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) में सोमवार को प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र का शुभारंभ विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने किया। क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में शुरू हुए इस केंद्र के माध्यम से विकासात्मक आवश्यकताओं वाले बच्चों को विभिन्न प्रकार की थैरेपी, प्रशिक्षण और विशेष सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में विकास संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार और सहयोग प्रदान करना है। इस अवसर पर विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी कुल्लू दिव्यांग बच्चों की देखभाल, पुनर्वास और उनके बेहतर भविष्य के लिए सराहनीय कार्य कर रही है।



प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र शुरू होने से बच्चों को एक ही स्थान पर कई प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। इससे उनकी क्षमताओं को विकसित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास के शुरुआती चरण में उचित मार्गदर्शन, उपचार और प्रशिक्षण मिलना बेहद जरूरी है। समय पर सहायता मिलने से बच्चों की विभिन्न क्षमताओं को निखारने में मदद मिल सकती है। ऐसे केंद्र बच्चों के साथ उनके परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होते हैं।

प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र में वाक उपचार, ऑडियोमेट्री एवं श्रवण सेवाएं, विशेष शिक्षा, व्यावसायिक चिकित्सा, भौतिक चिकित्सा और खेल आधारित थैरेपी की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

घुमारवीं के रटैहल में बारूद गोदाम का विरोध, अनुमति रोकने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। नगर परिषद घुमारवीं के वार्ड नंबर-1 रटैहल में प्रस्तावित गन पाउडर (बारूद) स्टोरेज को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है। वार्डवासियों ने रिहायशी क्षेत्र में गोदाम खोलने का विरोध करते हुए प्रशासन से इसकी अनुमति नहीं देने की मांग की है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, प्रस्तावित स्थल के आसपास घनी आबादी, रिहायशी मकान और खेती योग्य जमीन है। इसके साथ ही सार्वजनिक रास्ता भी है, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। नजदीक ही एक मस्जिद स्थित है, जहां नमाजी नियमित रूप से आते-जाते हैं। लोगों का कहना है कि बारूद जैसे ज्वलनशील पदार्थ का आबादी के बीच भंडारण सुरक्षा के लिहाज से चिंता का विषय है। किसी दुर्घटना की स्थिति में जान-माल का नुकसान हो सकता है। वार्डवासियों ने बताया कि वे पहले ही एसडीएम और डीएसपी घुमारवीं को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंप चुके हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमति रोकने की अपील की है। लोगों ने मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

धर्मशाला कॉलेज में शिक्षा ऋण और पीएम विद्यालक्ष्मी योजना पर जागरूकता कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन), धर्मशाला के करियर काउंसलिंग गाइडेंस, प्लेसमेंट एवं इनक्यूबेशन सेंटर की ओर से सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), धर्मशाला के सहयोग से शिक्षा ऋण योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। देशव्यापी जागरूकता अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय पीएम विद्यालक्ष्मी योजना सहित विभिन्न शिक्षा ऋण योजनाएं रहा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता के विकल्पों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में पीएनबी धर्मशाला सर्कल के मार्केटिंग हेड अक्षत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बैंक की ओर से उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा ऋण के



◆पीएनबी ने विद्यार्थियों को समझाई शिक्षा ऋण की आवेदन प्रक्रिया

माध्यम से विद्यार्थी अपनी उच्च और व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अक्षत ने शिक्षा ऋण के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने आवेदन के लिए जरूरी पात्रता शर्तों और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को ऋण आवेदन से संबंधित औपचारिकताओं को समझने तथा उपलब्ध योजनाओं के बारे में जानकारी लेकर उचित विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस गिल ने कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता सत्र उच्च और व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं के सामने आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर करने में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऋण योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने और भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं के लिए बेहतर तैयारी करने में सहायक हो सकती है।

बिलासपुर में मारपीट, कुत्ते के काटने और सड़क हादसे के तीन मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिले के विभिन्न थानों में मारपीट, पालतू कुत्ते के काटने और सड़क दुर्घटना से जुड़े तीन मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तलाई थाना क्षेत्र के मलारी गांव की महिला ने शिकायत दी कि 9 अक्टूबर को देशराज ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कोट कहलूर थाना क्षेत्र के चिल्ट गांव में मस्त राम के पालतू कुत्ते ने 10 अक्टूबर को राहुल कुमार को काट लिया। शिकायत के आधार पर कुत्ते के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। घुमारवीं के पन्याला स्लाइडिंग पॉइंट के पास स्कूटी और महिंद्रा पिकअप की टक्कर हो गई। शिकायत के अनुसार, स्कूटी चालक हरीश कुमार की टक्कर से पिकअप क्षतिग्रस्त हुई और स्कूटी चालक घायल हो गया।

बिलासपुर कॉलेज में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, 200 लोगों ने कराई मुफ्त जांच

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब की ओर से प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में एक दिवसीय नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों और कॉलेज द्वारा गोद लिए गए गांव ओयल के ग्रामीणों सहित 200 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई।

◆रेड रिबन क्लब के स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जांच करवाते विद्यार्थी और ग्रामीण



शिविर में विशेषज्ञों ने रक्तचाप, हीमोग्लोबिन और ब्लड ग्रुप की जांच की। चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार ईसीजी जांच की सुविधा भी दी गई। जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

डॉ. लांबा ने दिए जीवनरक्षक टिप्स: विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. गुरमीत सिंह लांबा ने आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार और जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने सीपीआर देने की सही विधि, सर्पदंश, बच्चों के सिक्का निगलने, तेज बुखार और सड़क दुर्घटनाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि समय पर प्राथमिक उपचार मिलने से अनमोल जीवन बचाया जा सकता है। रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. सोनिया राठौर ने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं और ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा आपातकालीन स्थितियों के प्रति जागरूक बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों का आभार जताया।

काहन सिंह ठाकुर की नियुक्ति, प्रदेश में ओबीसी मोर्चा को मजबूत करने पर रहेगा जोर

1991 से भाजपा से जुड़े काहन सिंह ठाकुर को संगठन में मिला अहम दायित्व

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट

मंडी जिले की चौहार घाटी की ग्राम पंचायत बरोट के तरवाण गांव निवासी भाजपा के वरिष्ठ एवं कर्मठ कार्यकर्ता काहन सिंह ठाकुर को प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा की कार्यसमिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय काहन सिंह ठाकुर ने विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

काहन सिंह ठाकुर के अनुसार, वह वर्ष 1991 में भाजपा के प्राथमिक सदस्य बने थे। इसके बाद वर्ष 1998 में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेना शुरू किया। वर्ष 2003 में उन्हें बरोट बूथ का अध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान उन्होंने अपने बूथ पर संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए प्रयास किए। वर्ष 2017 में उन्होंने भाजपा के जिला सचिव के



रूप में जिम्मेदारी निभाई। इस पद पर रहते हुए उन्होंने पार्टी के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा पार्टी को मजबूत करने के लिए काम किया।

वर्ष 2022 में उन्हें द्रंग भाजपा का उपाध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान भी उन्होंने पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई और संगठन के लिए निरंतर कार्य किया। राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के साथ-साथ काहन सिंह ठाकुर समाजसेवा के कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। वह क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के माध्यम से लोगों के बीच सक्रिय रहते हैं।

अपनी नियुक्ति के लिए काहन सिंह ठाकुर ने प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष रामलोक धनोटिया, संगठन मंत्री सुरेश शर्मा, द्रंग के विधायक पूरण चंद ठाकुर, जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश चंद ठाकुर और मंडल अध्यक्ष इंद्र सिंह ठाकुर का आभार व्यक्त किया। काहन सिंह ठाकुर ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा को मजबूत करने के लिए अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर दिन-रात काम करेंगे। काहन सिंह ठाकुर ने कहा कि संगठन की मजबूती, ओबीसी समाज के हितों और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

यूनिटी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिवालसर में मनाया गया 'अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर। यूनिटी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिवालसर में सोमवार को प्रात:कालीन सभा के दौरान अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दिवस प्रतिवर्ष 11 अक्टूबर को मनाया जाता है, लेकिन रविवार होने के कारण विद्यालय में इसका आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने किया।

◆यूनिटी पब्लिक स्कूल रिवालसर की प्रात:कालीन सभा में बालिका दिवस पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

इस दौरान बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा और समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कल्पना चावला, मैरी क्यूरी, सावित्रीबाई फुले, किरण बेदी और पीवी सिंधु जैसी प्रेरणादायक महिलाओं के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन महिलाओं ने अपने संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। विद्यार्थियों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश भी दिया। सभा में बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, लैंगिक समानता और बालिकाओं को समान अवसर उपलब्ध करवाने के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में विषय से संबंधित प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दीप प्रज्वलित कर किया विधिवत लोकार्पण

पांवटा साहिब में महाराजा अग्रसेन जयंती पर धर्मशाला का लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन सभा, पांवटा साहिब की ओर से नवनिर्मित महाराजा अग्रसेन धर्मशाला का भव्य उद्घाटन किया गया। श्री यमुना रिवर बैंक स्थित सभा परिसर में आयोजित समारोह में भाजपा हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर धर्मशाला का लोकार्पण किया। यमुना नदी के तट पर बनी धर्मशाला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

इसमें लगभग 250 लोगों की क्षमता वाला विशाल सामुदायिक हॉल और पुस्तकालय बनाया गया है। समारोह की शुरुआत धार्मिक अनुष्ठानों और हवन-यज्ञ से हुई। इसके बाद महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और भजन संध्या आयोजित हुई। डॉ. राजीव बिंदल ने महाराजा अग्रसेन के समानता, सहयोग, समाजसेवा और लोककल्याण के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक ईंट और एक रुपया' का सिद्धांत समाज को सहयोग की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष



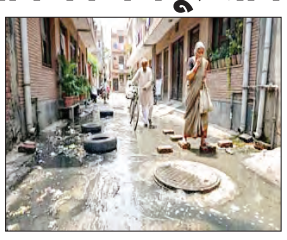
हवन-यज्ञ और भजन संध्या के साथ मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती।

मनोज दीवान सहित सभा के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद और भंडारा वितरित किया गया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष अशोक गोयल, महासचिव विशांत गर्ग, कोषाध्यक्ष मोहन अग्रवाल सहित अरविंद गोयल, अतुल अग्रवाल, अरुण गोयल, आदर्श बंसल, राकेश बंसल, संजय गोयल, ब्रजेश गोयल, देवीदयाल गुप्ता, वेद प्रकाश जिंदल, अरविंद बंसल, डॉ. शरद और प्रमोद गुप्ता समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने धर्मशाला को अग्रवाल समाज के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और इसके निर्माण पर प्रसन्नता जताई।

कृष्णा कॉलोनी में दूषित पानी से हाहाकार, टैंकर मंगवाने को मजबूर लोग

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम की कृष्णा कॉलोनी की गली नंबर पांच में पिछले 15 दिनों से घरों में सीवरयुक्त पानी आने से लोग परेशान हैं। दूषित पानी की लगातार आपूर्ति के कारण स्थानीय निवासियों को पीने के पानी के लिए टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि घरों में आने वाले पानी से दुर्गंध आती है और इसका इस्तेमाल पीने के लिए नहीं किया जा सकता। समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।



एआई जेनरेटेड इमेज।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, घरों में नलों के जरिए पहुंच रहा पानी साफ नहीं है। पानी में सीवर की गंदगी मिलने की आशंका के कारण लोग इसका इस्तेमाल करने से बच रहे हैं। ऐसे में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टैंकरों पर निर्भर रहना उनकी मजबूरी बन गया है। लोगों को आशंका है कि दूषित पानी का इस्तेमाल करने से पेट संबंधी संक्रमण और अन्य जलजनित बीमारियां फैल सकती हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पानी जैसी बुनियादी सुविधा में इस तरह की समस्या लंबे समय तक बने रहना गंभीर चिंता का विषय है। कृष्णा कॉलोनी की गली नंबर पांच में रहने वाले लोगों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग जल्द इस समस्या पर ध्यान देगा। उनका कहना है कि जब तक पानी की आपूर्ति साफ और सुरक्षित नहीं होती, तब तक उन्हें बाहर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ेगी। इससे समय और अतिरिक्त खर्च दोनों बढ़ रहे हैं।

फरीदाबाद में नशा तस्करी का खुलासा, 126.96 ग्राम एमडीएमए के साथ तीन आरोपी पकड़े

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 126.96 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद की है। बरामद नशीले पदार्थ की बाजार में कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में दक्षिण अफ्रीका के एक नागरिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से दक्षिण अफ्रीकी नागरिक को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया, जबकि अन्य दो आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि नशीले पदार्थ की आपूर्ति के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद एमडीएमए कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार दक्षिण अफ्रीकी नागरिक वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहा था। पुलिस उसके भारत में रहने और नशा तस्करी से जुड़े संभावित संपर्कों की जांच कर रही है। हालांकि, मामले से संबंधित अन्य तथ्यों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। इससे पहले 15 और 16 सितंबर की रात को क्राइम ब्रांच तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने फरीदाबाद के लकड़पुर स्थित शिव दुर्गा विहार में छापेमारी की थी। टीम ने मकान नंबर 16 की दूसरी मंजिल पर कार्रवाई करते हुए कोकीन सहित अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए थे। उस कार्रवाई में बरामद ड्रग्स की कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई गई थी। मामले में दक्षिण अफ्रीका के तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। उस मामले में भी आरोपियों पर वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भारत में अवैध रूप से रहने की बात सामने आई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों के बीच पुलिस नशा तस्करी के नेटवर्क और विदेशी नागरिकों से जुड़े संभावित संपर्कों की जांच कर रही है।

अब प्रदेश में अधिक किसानों तक पहुंच सकेंगे एचएयू की सरसों के बीज

आरएचएच 2101 किस्म 142 दिन में पककर तैयार होती है, प्रति हेक्टेयर 30 क्विंटल तक उपज

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने अपने वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सरसों की दो उन्नत किस्मों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनी साहिब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, घरौंडा, करनाल के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत सरसों की आरएच 1975 और आरएचएच 2101 किस्मों के बीज किसानों को उपलब्ध करवाने की दिशा में काम किया जाएगा।

इससे किसानों को बेहतर उत्पादन क्षमता और तेल की अच्छी मात्रा वाली किस्मों का लाभ मिल सकेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिक लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर रहे हैं। इन किस्मों को किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध करवाने से प्रदेश और देश के कृषि उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। साथ ही, इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी। समझौता ज्ञापन पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। साहिब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कंपनी के निदेशक सुभाष खुराना और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि सरसों की आरएचएच 1975 किस्म की औसत उपज 11 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ है, जबकि इसकी उत्पादन क्षमता 14 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इस किस्म में तेल की मात्रा लगभग 39.5 प्रतिशत है।

बेहतर पैदावार और तेल की अच्छी मात्रा के कारण यह किस्म किसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। डॉ. गर्ग ने बताया कि सरसों की आरएचएच 2101 किस्म लगभग 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म में शाखाओं की संख्या अधिक होती है और प्रत्येक फली में दानों की संख्या भी ज्यादा होती है। इससे इसकी उत्पादन क्षमता बेहतर रहती है। इसके दाने मध्यम आकार के होते हैं और इनमें लगभग 40 प्रतिशत तेल पाया जाता है।

गुरुग्राम : नागरिक अस्पताल से भी उठी ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल कराने की मांग को लेकर पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में बैठक की। इसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई।



समिति ने सरकार से पुरानी पेंशन योजना जल्द लागू करने की मांग उठाई। बैठक की अध्यक्षता समिति के गुरुग्राम जिला प्रधान डॉ. सुशील कटारिया ने की। इसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन और अन्य संगठनों से जुड़े कर्मचारी शामिल हुए। डॉ. सुशील कटारिया ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन कर्मचारियों और उनके परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि बुढ़ापे में दवाइयों, स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और परिवार के खर्चों के लिए नियमित आय जरूरी है। पेंशन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल की एसएनओ पूनम सहराय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से अपनी सेवाएं देते हैं। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य की सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है।

हिसार में कचरे से बिजली बनाने की योजना बढ़ी आगे, ओजीईएल टीम ने किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



एआई चित्र।

हरियाणा के हिसार शहर में कचरे से बिजली बनाने की प्रस्तावित योजना को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने की तैयारियों के बीच आयल ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (ओजीईएल) की तीन सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने ढंढूर गांव के पास चिह्नित जमीन का निरीक्षण किया। इस परियोजना का उद्देश्य शहर के कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए करना है।

योजना के तहत पांच से दस मेगावाट तक बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। हिसार में बढ़ते कचरे के उचित निस्तारण और उसके उपयोग को लेकर वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट को महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। इसी कड़ी में ओजीईएल की विशेषज्ञ टीम ने प्रस्तावित स्थल का दौरा कर जमीन का जायजा लिया। यह निरीक्षण प्लांट की स्थापना से जुड़ी तैयारियों का हिस्सा है।

परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए उपयुक्त स्थान का चयन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शहर में प्रतिदिन निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना स्थानीय प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में कचरे से ऊर्जा तैयार करने की योजना लागू होने पर इसके बेहतर उपयोग की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। हालांकि, परियोजना की स्थापना और संचालन से संबंधित आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसके वास्तविक परिणाम सामने आएंगे।

प्रस्तावित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट में कचरे से पांच से दस मेगावाट तक बिजली बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह की परियोजनाओं में उपयुक्त कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जाता है।

शादी से पहले फतेहाबाद में युवती की मौत, परिवार में पसरा मातम

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद स्थित भाटिया नगर में 29 वर्षीय युवती की मौत से परिवार में मातम छा गया। युवती अपने कमरे में दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी मिली। बताया जा रहा है कि उसकी कुछ ही दिनों बाद शादी होने वाली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवती के कमरे का दरवाजा बंद था। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो एक रिश्तेदार ने दरवाजा तोड़ा। अंदर युवती फंदे पर लटकी मिली, जिसके बाद उसे नीचे उतारा गया। घटना के बाद परिजन उसे लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचे। युवती की मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगामी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

फरीदाबाद में एमडीएमए तस्करी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



फरीदाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 126.96 ग्राम एमडीएमए बरामद कर दक्षिण अफ्रीका के एक नागरिक समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बरामद नशीले पदार्थ की कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपित संगम विदेशी नागरिक से एमडीएमए खरीदकर छोटी-छोटी मात्रा में बेचता था।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, सात अक्टूबर को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सूरजकुंड-अनखीर रोड पर एक संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 126.96 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। आरोपित की पहचान फरीदाबाद के गांव दयालपुर निवासी संगम के रूप में हुई। उसके खिलाफ थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में संगम ने बताया कि वह नोएडा में रह रहे दक्षिण अफ्रीकी नागरिक ओडेकामरा से नशीला पदार्थ खरीदता था। वहीं, नोएडा के बिसरख निवासी विनित ने भी संगम से करीब चार ग्राम एमडीएमए बेचने के लिए खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने ओडेकामरा और विनित को भी गिरफ्तार कर लिया।

करनाल मंडी में बारिश से भीगा धान, कृषि मंत्री के सामने किसानों ने की जमकर नारेबाजी

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

बेमौसमी बारिश ने करनाल की अनाज मंडियों में धान की सुरक्षा और खरीद व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के कारण मंडियों में धान की ढेरियां भीगने से किसानों में भारी नाराजगी है। सोमवार को करनाल अनाज मंडी पहुंचे हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सामने किसानों ने विरोध जताया और जमकर नारेबाजी की। किसानों ने खरीद में देरी, धान के उठान और फसल को बारिश से बचाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने पर रोष व्यक्त किया।



मंडी में बारिश के दौरान धान की कई ढेरियां खुले में पड़ी रहीं। उन्हें पानी से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल की व्यवस्था नजर नहीं आई। कुछ ढेरियों को ही तिरपाल से ढका गया था, जबकि बाकी धान बारिश में भीगता रहा। इससे किसानों को अपनी फसल की गुणवत्ता खराब होने और आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। किसानों का कहना है कि मंडियों में धान को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त शेड और तिरपाल की व्यवस्था होनी चाहिए। मौसम खराब होने की स्थिति में प्रशासन को पहले से तैयारी करनी चाहिए, ताकि किसानों की मेहनत से तैयार फसल को नुकसान न पहुंचे।

किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में समय पर खरीद और उठान नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों के मुताबिक, राइस मिलरों की ओर से खरीदा गया धान भी बारिश में भीगता रहा। उनका आरोप है कि मिलरों ने खरीदा हुआ धान शेड के नीचे रख दिया, जबकि किसानों का धान खुले में पड़ा रहा। यदि खरीदे गए धान का समय पर उठान हो जाता तो शेड खाली हो सकते थे और किसानों की फसल को बारिश से बचाने के लिए जगह मिल जाती। धान की खरीद में देरी और नमी के कारण संभावित कटौती को लेकर भी किसानों में नाराजगी है।

बारिश के बाद धान में नमी बढ़ने से खरीद प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। कृषि मंत्री के सामने विरोध जताते हुए किसानों ने मंडी में व्यवस्थाएं सुधारने, धान का समय पर उठान सुनिश्चित करने और बारिश से फसल बचाने के पुख्ता इंतजाम करने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि मंडियों में उचित व्यवस्था नहीं होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

नवोदय विद्यालय के 60 विद्यार्थियों ने किया लुवास का शैक्षणिक भ्रमण

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम (कैथल) के 60 विद्यार्थियों ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार का शैक्षणिक भ्रमण किया। पीएम श्री गतिविधि एक्सपोजर विजिट के तहत आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा विज्ञान, पशु स्वास्थ्य देखभाल, रोग निदान और जन स्वास्थ्य से संबंधित विषयों की व्यावहारिक जानकारी देना था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन शिक्षा के क्षेत्र में संचालित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों से परिचित करवाया गया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों और उनके साथ आए विद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों का स्वागत पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनीश यादव और पशु चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनीता दलाल ने किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा नैदानिक परिसर का दौरा किया।

यहां उन्होंने विभिन्न चिकित्सीय इकाइयों की कार्यप्रणाली को समझा और जाना कि छोटे तथा बड़े पशुओं की जांच, रोगों की पहचान और उपचार किस प्रकार किया जाता है। इस दौरान उन्हें पशु चिकित्सा सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका के बारे में भी जानकारी मिली। विद्यार्थियों को पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों के प्रति जागरूक किया गया। विशेष रूप से ब्रुसेलोसिस और तपेदिक (टीबी) के संक्रमण, बचाव और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई। लुवास भ्रमण में विद्यार्थियों ने पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों और बचाव के उपायों की जानकारी हासिल की।

भिवानी में पुलिस राइडर की बाइक को ट्रक ने मारी टक्कर, सिपाही गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। हरियाणा के भिवानी जिले के बवानीखेड़ा में स्कूल के पास सड़क हादसे में बाइक सवार पुलिसकर्मी अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मी को उपचार के लिए भिवानी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, सिपाही अनिल कुमार हांसी का रहने वाला है और पुलिस राइडर के रूप में तैनात है। हादसे के समय वह एसपीओ रविकांत के साथ डायल 112 की कॉल अटेंड करने के बाद वापस लौट रहा था। इसी दौरान बवानीखेड़ा में स्कूल के पास सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार पुलिसकर्मी घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल पुलिसकर्मी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस टीम ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में ट्रक की तेज रफ्तार को टक्कर की वजह बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। डायल 112 आपातकालीन सेवा के तहत पुलिसकर्मी कॉल पर कार्रवाई कर लौट रहे थे। ड्यूटी के दौरान हुए इस हादसे से पुलिस विभाग में भी चिंता का माहौल है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

न्यूज ब्रीफ

वकील को थप्पड़ मारने पर बवाल, निलंबन की मांग पर अड़े अधिवक्ता

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। राजस्थान के अजमेर जिले के किशनगढ़ में सड़क पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर महिला डीएसपी अंजू यादव और एक वकील के बीच विवाद हो गया। हरियाणा के नारनौल की रहने वाली डीएसपी अंजू यादव राजस्थान पुलिस में तैनात हैं। आरोप है कि शनिवार शाम हुए विवाद के दौरान उन्होंने वकील को थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। घटना से नाराज वकीलों ने सड़क जाम कर विरोध जताया और डीएसपी के निलंबन की मांग पर अड़ गए। बढ़ते विरोध के बीच डीएसपी ने माफी मांगी। हालांकि, वकील कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। घटना के वीडियो के वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है।

पानीपत में दवा सप्लायर की फर्म पर आयकर विभाग की छापेमारी

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत में मॉडल टाउन स्थित भाटिया कार्यालय पर सोमवार सुबह आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। सुबह करीब छह बजे पहुंचीं संयुक्त टीमों की कार्रवाई से इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, छापेमारी में दिल्ली और पंजाब की टीमें शामिल हैं। बताया जा रहा है कि अनिल भाटिया और अश्वनी भाटिया से जुड़ी प्लस डिस्ट्रीब्यूशन और प्लस डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से दो फर्म संचालित हैं। इनका कारोबार अस्पतालों को दवाएं सप्लाई करने से जुड़ा है। कारोबार का विस्तार गुरुग्राम तक बताया जा रहा है। आयकर विभाग की टीम कार्यालय में दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है। हालांकि, छापेमारी किन लेन-देन या वित्तीय पहलुओं को लेकर की गई है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जांच पूरी होने के बाद ही कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी मिलने की संभावना है।

रेवाड़ी में तेज रफ्तार बस का कहर, स्कूटी सवार महिला की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में सोमवार को तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से स्कूटी सवार 26 वर्षीय डिंपल की मौत हो गई, जबकि उनकी जेठानी पूजा घायल हो गईं। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी के साधुशाह नगर निवासी डिंपल सोमवार को अपनी जेठानी पूजा के साथ स्कूटी पर बैंक जाने के लिए घर से निकली थीं। रास्ते में तेज रफ्तार बस ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में डिंपल की मौत हो गई, जबकि पूजा को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को कब्जे में ले लिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे की जांच कर रही है। फरार चालक की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस फरार बस चालक की तलाश कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे की जांच में जुटी है।

पेंशन विवाद में घिरी हरियाणा सरकार, रिटायर्ड शिक्षक की याचिका पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेवानिवृत्त शिक्षक ललित भारद्वाज की पेंशन रोके जाने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने पेंशन रोकने के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। मामले में शिक्षक की बीएड डिग्री में नाम के अंतर और उसके आधार पर दर्ज धोखाधड़ी की एफआईआर का मुद्दा सामने आया है। ललित भारद्वाज के अनुसार, सेना में सेवा के दौरान उन्होंने नियमानुसार अपना नाम बदलवाया था।



इसके बाद उनकी बीएड डिग्री में दर्ज नाम और अन्य दस्तावेजों में नाम को लेकर अंतर सामने आया। इसी अंतर के आधार पर उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। हालांकि, याचिकाकर्ता का कहना है कि जांच के दौरान उनकी बीएड डिग्री सही पाई गई थी। मामले की जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अदालत में एफआईआर रद्द करने की रिपोर्ट भी पेश की थी। इसके बावजूद अप्रैल 2026 में उनकी पेंशन रोक दी गई। याचिकाकर्ता ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अदालत से राहत की मांग की है।

उनका पक्ष है कि जब डिग्री जांच में सही पाई गई और पुलिस ने एफआईआर रद्द करने की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी, तो पेंशन रोकने का फैसला उचित नहीं है। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन कर्मचारियों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन होती है। ऐसे में पेंशन रोके जाने से संबंधित विवादों का असर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। इस मामले में भी शिक्षक ने पेंशन रोकने के निर्णय को चुनौती देकर न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मामले पर हरियाणा सरकार से जवाब मांगा है।

अब सरकार की ओर से अदालत में प्रस्तुत किए जाने वाले जवाब के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई होगी। अदालत में सुनवाई के दौरान पेंशन रोकने के कारणों और याचिकाकर्ता की ओर से उठाए गए सवालों पर विचार किया जाएगा। फिलहाल, हाई कोर्ट द्वारा सरकार से जवाब मांगे जाने के बाद मामले में अगली सुनवाई महत्वपूर्ण रहेगी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार अदालत ने अभी पेंशन बहाल करने के संबंध में कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है।

वर्ष 2016 में शुरू किया कबड्डी का अभ्यास, मेहनत से हासिल किया मुकाम

गरीबी को पछाड़ मनीषा ने कबड्डी में जीता एशियन गेम्स गोल्ड

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



- सीमित संसाधनों के बीच मनीषा ने सपनों को दी नई उड़ान

हरियाणा के भिवानी रोहिल्ला गांव की बेटी मनीषा ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर सफलता की ऐसी कहानी लिखी है, जो युवाओं के लिए प्रेरणा बन सकती है। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बीच पली-बढ़ी मनीषा ने कबड्डी के मैदान में शानदार प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने न केवल परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि उसकी आर्थिक स्थिति सुधारने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मनीषा का परिवार एक साधारण किसान परिवार है। परिवार के पास केवल दो एकड़ जमीन है और आमदनी भी सीमित रही है। ऐसे हालात में बड़े सपने देखना और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करना आसान नहीं था। हालांकि, मनीषा ने आर्थिक परेशानियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद खेल के प्रति अपना जुनून बनाए रखा और लक्ष्य हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किए। मनीषा ने वर्ष 2016 में कबड्डी का अभ्यास शुरू किया था। शुरुआती दौर से ही उन्होंने खेल में अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया। गांव से शुरू हुआ उनका सफर धीरे-धीरे आगे बढ़ा और उन्होंने अपनी खेल प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच बनाई।

इस दौरान अनुशासन, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास ने उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाई। कबड्डी जैसे प्रतिस्पर्धी खेल में आगे बढ़ने के लिए शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक मजबूती और टीम भावना भी जरूरी होती है। मनीषा ने इन गुणों के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। आर्थिक सीमाओं के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया और लगातार बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना मनीषा के खेल जीवन की बड़ी उपलब्धि है। उनकी इस सफलता ने परिवार को गर्व करने का अवसर दिया। एक समय आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे परिवार के लिए मनीषा की उपलब्धियां नई उम्मीद लेकर आईं।

उनकी मेहनत ने यह साबित किया कि प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़ा जा सकता है। चीन में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के बाद एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली मनीषा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है। उनकी उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्रों की उन बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक है, जो सीमित सुविधाओं के बावजूद खेलों में आगे बढ़ने का सपना देखती हैं। मनीषा की कहानी बताती है कि सफलता केवल संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों से परिवार और गांव का मान बढ़ाया है।

रक्षा मंत्री ने एशियाई खेलों में 27 पदक जीतने वाले सेनाओं के एथलीटों को सम्मानित किया

भारतीय सेनाओं के खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य पदक जीतकर देश का बढ़ाया मान

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले सशस्त्र बलों के एथलीटों को सम्मानित किया। भारतीय सेनाओं के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में छह स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 27 पदक जीतकर देश की पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत ने इन खेलों में कुल 85 पदक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी भी उपस्थित रहे। तीनों सेनाओं के 92 खिलाड़ियों ने 19 खेलों में हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत, टीम भावना और निरंतर अभ्यास को दिया। उन्होंने कहा कि पदक जीतने के पीछे कठिन प्रशिक्षण, चोटों से उबरने और लगातार बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास शामिल होता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी ने देश और



सशस्त्र बलों का सम्मान बढ़ाने में योगदान दिया है। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने में मिशन ओलंपिक विंग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कोच, सहयोगी कर्मचारियों, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञों और खिलाड़ियों के परिवारों के योगदान की भी सराहना की। सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों का भारत के कुल पदकों में लगभग 32 प्रतिशत और स्वर्ण पदकों में 28.57 प्रतिशत योगदान रहा। नायब सूबेदार नीरू ढांडा ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। वह एशियाई खेलों में व्यक्तिगत महिला ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया

नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने दो रजत और एक कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वह एशियाई खेलों के एक संस्करण में तीन व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने। हवलदार सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन में 2:11:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इससे एशियाई खेलों की मैराथन स्पर्धा में भारत का 44 साल का इंतजार समाप्त हुआ। वहीं, नायब सूबेदार सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद में ऐतिहासिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों के साथ उनके कोच, सहयोगी कर्मचारियों, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञों और परिवारों के योगदान की भी सराहना की। सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों की उपलब्धियों से देश गौरवान्वित हुआ। रक्षा मंत्री ने उनके समर्पण और सहयोगियों के योगदान को सराहा।

श्रद्धा हत्याकांड में विदेशी अधिकारियों की ऑनलाइन गवाही दिसंबर से

विदेशी गवाहों को व्यक्तिगत रूप से बुलाने में खर्च और देरी से बचने के लिए लिया गया फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली



अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरविंदर सिंह जग्गी ने मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने इन चार कंपनियों के विदेशी अधिकारियों को मुकदमे में गवाह के रूप में पेश करने की मांग की थी। अदालत की मंजूरी के बाद अब संबंधित अधिकारी विदेश में रहते हुए ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने बयान दर्ज करा सकेंगे।

अदालत ने माना कि गवाहों के विदेश में रहने के कारण उन्हें व्यक्तिगत रूप से भारत बुलाने में काफी खर्च हो सकता है। इसके अलावा, विदेश से गवाहों को बुलाने की प्रक्रिया में समय लगने की भी आशंका रहती है। ऐसे में मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने और न्याय के हित को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गवाही दर्ज करना उचित है। श्रद्धा वालकर हत्याकांड में डिजिटल कंपनियों के अधिकारियों की गवाही महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिल्ली पुलिस ने चारों कंपनियों के नोडल अधिकारियों को गवाह बनाने का अनुरोध किया था, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अब एक दिसंबर से उनकी गवाही दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था से विदेशी गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने में सुविधा होगी और मुकदमे की कार्यवाही को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गवाही दर्ज होने पर विदेश में रहने वाले गवाहों की उपलब्धता के अनुसार सुनवाई की प्रक्रिया तय करना आसान होगा। इससे अदालत और अभियोजन पक्ष के बीच समन्वय बना रहेगा। एक दिसंबर से शुरू होने वाली गवाही मामले में डिजिटल साक्ष्यों से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

श्रद्धा हत्याकांड में विदेशी अधिकारियों की वीडियो गवाही

इसके साथ ही, अदालत की इस व्यवस्था से मुकदमे में शामिल सभी पक्षों को सुविधा मिलने की उम्मीद है। विदेशी अधिकारियों को भारत आने-जाने की व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो सकती है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही दर्ज करते समय संबंधित अधिकारियों की पहचान और बयान की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी। इससे अदालत के रिकॉर्ड में गवाही को शामिल करने और आगे की सुनवाई जारी रखने में मदद मिलेगी। श्रद्धा वालकर हत्याकांड में डिजिटल कंपनियों के अधिकारियों को गवाह बनाए जाने का उद्देश्य मामले से जुड़े तथ्यों को सामने लाना है। ऑनलाइन मंचों और डिजिटल सेवाओं से संबंधित जानकारी जांच और अभियोजन की कार्यवाही में उपयोगी हो सकती है। हालांकि, इन अधिकारियों की गवाही में क्या तथ्य सामने आते हैं, यह सुनवाई के दौरान ही स्पष्ट होगा। अदालत ने एक दिसंबर 2026 से गवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। अब संबंधित कंपनियों के नोडल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत के समक्ष अपने बयान दर्ज कराएंगे। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ मामले की सुनवाई में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गवाही होने पर सुनवाई की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ सकेगी और मामले से जुड़े तथ्यों की पुष्टि में मदद मिलेगी।

कंगना रनौत की पहचान के दुरुपयोग पर रोक

मेटा 72 घंटे में हटाएगा आपत्तिजनक पोस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

- एआई से बने फर्जी वीडियो और भाषणों पर कंगना को कोर्ट से राहत

दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत को बड़ी राहत देते हुए उनके नाम, तस्वीर, आवाज और अन्य निजी पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अदालत के आदेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार डीपफेक सामग्री, छेड़छाड़ किए गए वीडियो, फर्जी भाषण और झूठे विज्ञापनों को भी शामिल किया गया है।



हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया मंच मेटा को निर्देश दिया है कि वह आदेश के दायरे में आने वाली आपत्तिजनक पोस्ट को 72 घंटे के भीतर हटाए। इस आदेश का उद्देश्य कंगना रनौत की पहचान का इस्तेमाल कर बनाई या प्रसारित की जाने वाली भ्रामक सामग्री पर रोक लगाना है। डिजिटल माध्यमों पर किसी व्यक्ति की तस्वीर, आवाज और नाम का इस्तेमाल करके ऐसी सामग्री तैयार की जा सकती है, जो देखने या सुनने में वास्तविक प्रतीत होती है। एआई तकनीक के जरिए बनाए गए डीपफेक वीडियो और फर्जी भाषणों से लोगों के बीच भ्रम पैदा होने की आशंका रहती है। इसी तरह किसी चर्चित व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल झूठे विज्ञापनों में भी किया जा सकता है। अदालत के आदेश के तहत कंगना की पहचान का अनधिकृत इस्तेमाल कर तैयार की गई ऐसी सामग्री पर रोक लगाई गई है।

इसमें उनकी तस्वीर और आवाज के साथ छेड़छाड़ करके बनाई गई सामग्री भी शामिल है। सोशल मीडिया पर सामग्री तेजी से प्रसारित होती है, जिससे किसी व्यक्ति की छवि और प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। ऐसे मामलों में आपत्तिजनक सामग्री को समय पर हटाना महत्वपूर्ण माना जाता है। मेटा को 72 घंटे के भीतर संबंधित पोस्ट हटाने का निर्देश इसी संदर्भ में अहम है। दिल्ली हाई कोर्ट के इस आदेश से कंगना रनौत की डिजिटल पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाया गया है।

नोएडा के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा में सोमवार सुबह जेपी, स्टेप बाई स्टेप और एमिटी समेत कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और संबंधित स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के साथ तलाशी अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह एक हॉक्स कॉल के जरिए स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित स्कूलों में छानबीन शुरू कर दी। सुरक्षा के मद्देनजर स्कूल परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। धमकी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच-पड़ताल शुरू की। संबंधित स्कूलों में गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही धमकी देने वाले की पहचान करने के लिए कॉल से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। स्कूलों को पहले भी इस तरह की धमकियां मिलने की घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी देने के पीछे किसका हाथ है और कॉल कहां से की गई थी। स्कूलों में तलाशी अभियान का उद्देश्य किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि का पता लगाना है।

- हॉक्स कॉल से मचा हड़कंप, नोएडा के स्कूलों में तलाशी अभियान जारी

कांग्रेस की हार का कारण चुनाव आयोग नहीं विचारशून्य नेतृत्व है : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी, नई दिल्ली

- शिवराज बोले, कांग्रेस अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही
- शिवराज का तंज, 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा' की राह पर कांग्रेस



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर चुनावी हार के लिए चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लगातार चुनावी विफलताओं का कारण उसका विचारशून्य और गैरजिम्मेदाराना नेतृत्व है। पार्टी को अपनी कमियों की समीक्षा करने के बजाय संस्थाओं पर आरोप लगाने से बचना चाहिए।

भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौहान ने कहा कि चुनाव हारने के बाद आंदोलन करना और अपनी नाराजगी सड़कों पर जाहिर करना कांग्रेस की राजनीतिक कार्यशैली बन गई है। उन्होंने विभिन्न राज्यों के चुनावी परिणामों का उल्लेख करते हुए पार्टी के नेतृत्व और संगठन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी कमजोरियों को स्वीकार करने के बजाय दूसरों को दोष देती है। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा।' मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने गुजरात, नागालैंड, गोवा और दिल्ली सहित कई राज्यों में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी कई राज्यों में कमजोर हुई है और विपक्षी गठबंधन में भी उसे सहयोगियों के मुकाबले कम प्रभावशाली भूमिका निभानी पड़ रही है।

उनके अनुसार, कांग्रेस को अपनी विचारधारा, नेतृत्व और संगठन को मजबूत करने के लिए आत्ममंथन करना चाहिए। चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनावी जनादेश स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को विवादों में घसीटती है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी कांग्रेस को घेरते हुए सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

आरोपी सांसद को बचाने के आरोप में कांग्रेस पर भाजपा का हमला

भाजपा ने कांग्रेस पर बेटियों के सम्मान के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की उठाई मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

छात्राओं से यौन शोषण के आरोपों को लेकर भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा की नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। भाजपा ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्राओं के यौन शोषण के आरोपित कांग्रेस सांसद को संरक्षण देने का आरोप राहुल गांधी पर लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस से आरोपित सांसद को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की।

भाजपा महिला मोर्चा का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है, जब पार्टी महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को लगातार घेरने का प्रयास कर रही है। इससे पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान महिला कांस्टेबल के साथ राहुल



बेटियों की सुरक्षा पर कांग्रेस को घेरने सड़क पर उतरी भाजपा महिला मोर्चा।

गांधी की कथित धक्का-मुक्की का वीडियो सामने आने के बाद भी भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा था। अब जेएनयू में छात्राओं से यौन शोषण के मामले में कांग्रेस सांसद के प्रोफेसर पद से बर्खास्त होने की खबर सामने आने के बाद भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर आईटीओ के नजदीक से कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ रही थीं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इसके चलते प्रदर्शनकारियों को कांग्रेस मुख्यालय तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया।

आरोपी सांसद पर कार्रवाई की मांग

भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट नहीं है। उन्होंने मांग की कि छात्राओं से जुड़े इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जांच हो और आरोपित सांसद के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर नारे लगाए। भाजपा ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय कर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।
प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और न्याय की रक्षा के लिए राजनीतिक दलों को जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

नताशा नरवाल की यूके यात्रा पर हाई कोर्ट ने मांगा पुलिस का पक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली। जेएनयू की पूर्व छात्रा और दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में आरोपित नताशा नरवाल की यूके यात्रा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। नरवाल ने अकादमिक सम्मेलन में हिस्सा लेने और शोध कार्य के सिलसिले में यूनाइटेड किंगडम जाने की अनुमति देने की मांग की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने फिलहाल यात्रा की अनुमति देने के संबंध में अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। नताशा नरवाल ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया

दिल्ली में भीषण जाम से बेहाल लोग, सराय काले खां से आश्रम तक वाहनों की कतारें

एजेंसी, नई दिल्ली



राजधानी दिल्ली में सोमवार को कई प्रमुख मार्गों पर भीषण यातायात जाम लगने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सराय काले खां से आश्रम जाने वाले मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके अलावा डीएनडी लूप से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले रास्ते पर भी यातायात प्रभावित रहा। सड़कों पर वाहनों की अधिकता के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लगा। सराय काले खां से आश्रम की ओर जाने वाले मार्ग पर जाम का असर स्पष्ट रूप से देखने को मिला। सड़क पर वाहन धीमी गति से आगे बढ़ते रहे, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हुई।

वहीं, डीएनडी लूप पर भी वाहनों की लंबी कतारें लगने से यातायात की रफ्तार थम गई। इस कारण इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके अतिरिक्त आश्रम एक्सटेंशन फ्लाईओवर पर भी यातायात प्रभावित रहा। महारानी बाग की ओर से बारापुला फ्लाईओवर और सराय काले खां की तरफ जाने वाले मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कई प्रमुख रास्तों पर एक साथ जाम लगने से आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात का दबाव बढ़ गया। भीषण जाम के कारण नौकरीपेशा लोगों, यात्रियों और अन्य वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से लोगों का काफी समय रास्ते में ही व्यतीत हुआ। वाहन चालकों को धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ा, जिससे उनकी यात्रा प्रभावित हुई।

प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित होने के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला। यातायात को सामान्य करने और वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाने के प्रयास किए गए। सराय काले खां, आश्रम, डीएनडी लूप और बारापुला फ्लाईओवर की ओर जाने वाले मार्गों पर जाम के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जाम लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है।

एक्टिविस्ट नदीम खान को घर में नजरबंद करने पर हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

एक्टिविस्ट नदीम खान को घर में नजरबंद करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से सवाल किए हैं। अदालत ने पूछा कि पुलिस किसी व्यक्ति के घर में घुसकर उसे नजरबंद कैसे कर सकती है और इसके लिए उसके पास क्या कानूनी आधार था? मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर स्पष्टीकरण मांगा।

याचिका के अनुसार, नदीम खान को 29 सितंबर को उनके घर में नजरबंद कर दिया गया था। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया गया है। याचिका में नजरबंदी के साथ-साथ उन्हें जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने का मुद्दा भी उठाया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि नदीम खान को 29 सितंबर को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से क्यों रोका गया।

अदालत ने यह भी जानना चाहा कि पुलिस ने उन्हें घर में नजरबंद



दिल्ली हाई कोर्ट।

करने का फैसला किन परिस्थितियों में लिया और इस कार्रवाई के पीछे क्या कारण थे। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के सवालों का केंद्र पुलिस की कार्रवाई का आधार और किसी व्यक्ति की आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंध की वजह रही।

नदीम खान की नजरबंदी पर हाई कोर्ट सख्त

अदालत ने पुलिस से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि नदीम खान की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के लिए किन परिस्थितियों को आधार बनाया गया था। सुनवाई के दौरान नजरबंदी की वैधता और पुलिस की कार्रवाई की आवश्यकता से जुड़े सवाल उठे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नदीम खान को घर में नजरबंद करने के साथ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने से भी रोका गया। हाई कोर्ट ने इन दोनों पहलुओं पर पुलिस का पक्ष जानना चाहा है। अब पुलिस के जवाब के आधार पर मामले में आगे की सुनवाई होगी।

सर्वेक्षण दक्षिण-पश्चिम और बाहरी उत्तर जिले के नौ गांवों में ग्राम सभा की जमीन का होगा सर्वेक्षण

13.26 एकड़ ग्राम सभा भूमि पर औद्योगिक परियोजनाओं की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और नई औद्योगिक सुविधाएं विकसित करने के लिए सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। इसके तहत दक्षिण-पश्चिम और बाहरी उत्तर जिले के नौ गांवों में करीब 13.26 एकड़ ग्राम सभा भूमि का स्थलाकृतिक सर्वेक्षण कराया जाएगा। इस जमीन का इस्तेमाल वेयरहाउस, फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर विकसित करने और पौधारोपण के लिए किए जाने की योजना है।



इस कार्य की जिम्मेदारी दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) को सौंपी गई है। सर्वेक्षण के माध्यम से जमीन की स्थिति और उसकी भौगोलिक विशेषताओं का आकलन किया जाएगा, ताकि प्रस्तावित योजनाओं के लिए भूमि की उपयोगिता का पता लगाया जा सके। सर्वेक्षण के दायरे में दक्षिण-पश्चिम जिले के बदूसराय, गालिबपुर, झटिकरा, राघोपुर, रावता और धांसा गांव शामिल हैं। इसके अलावा बाहरी उत्तर जिले के तीन गांवों की ग्राम सभा भूमि का भी सर्वेक्षण किया जाएगा।

सरकार की योजना इस भूमि का उपयोग औद्योगिक गतिविधियों और संबंधित सुविधाओं के विकास के लिए करने की है। वेयरहाउस और फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर बनने से औद्योगिक ढांचे को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जमीन के अंतिम उपयोग और परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर तय की जाएगी। इसके बाद सर्वेक्षण में जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर जमीन के बेहतर उपयोग की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा।

दिल्ली में वेयरहाउस और फैक्ट्री परिसर बनाने की योजना

इसके अलावा सर्वेक्षण से यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि संबंधित जमीन पर किस प्रकार की औद्योगिक सुविधाएं विकसित करना व्यावहारिक रहेगा। ग्राम सभा की भूमि का उपयोग तय करते समय उसकी भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध क्षेत्र और प्रस्तावित परियोजनाओं की जरूरतों को ध्यान में रखा जाएगा। वेयरहाउस के विकास से सामान के भंडारण और आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है, जबकि फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए जगह उपलब्ध कराने में उपयोगी हो सकते हैं। पौधारोपण के लिए भूमि का इस्तेमाल पर्यावरणीय जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। डीएसआईआईडीसी सर्वेक्षण के जरिए जमीन से संबंधित जरूरी जानकारियां जुटाएगा। इसके बाद उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर आगे की योजना तैयार करने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में कदम उठाए जा सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

एनआईटी हमीरपुर में जुटे मीडिया विशेषज्ञ केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों ने किया संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने एनआईटी हमीरपुर में आयोजित 'शिक्षा महाकुंभ 6.0' के मीडिया कॉन्क्लेव में भाग लिया। यह शैक्षणिक भ्रमण कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। 'सत्य की ताकत से दुनिया का अवलोकन' विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव में विद्यार्थियों ने देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षाविदों से संवाद किया। इस दौरान आधुनिक मीडिया की प्रवृत्तियों, नैतिकता और समकालीन पत्रकारिता की चुनौतियों पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. बंसल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाते हैं। स्कूल की अधिष्ठाता प्रो. अर्चना कटोच ने बताया कि यह भ्रमण प्रशिक्षण एवं नियोजन गतिविधियों का हिस्सा था। डॉ. चंदन आनंद और डॉ. दीपक वैष्णव ने भ्रमण का समन्वय किया।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर लाहौल-स्पीति महिला मोर्चा का प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला फूंका

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की छात्राओं द्वारा मणिपुर से कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजाम पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के विरोध में लाहौल-स्पीति महिला मोर्चा ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर रोष जताया। पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करने वाले राजनीतिक दलों को ऐसे गंभीर आरोपों पर अपना स्पष्ट पक्ष रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला अधिकारों की रक्षा केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि निष्पक्ष जांच और जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। रवि ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण, राजनीतिक भागीदारी और 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रखना चाहिए। ऐसे मामलों में उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

धर्मशाला में विरासत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दयानद स्कूल ने हासिल किया पहला स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) कांगड़ा चैप्टर की ओर से दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल धर्मशाला में विरासत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें पांच स्कूलों के करीब 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में दयानंद मॉडल स्कूल की आन्या और नैना की जोड़ी ने प्रथम स्थान हासिल किया। धौलाधार पब्लिक स्कूल के मनन और रिहान दूसरे, जबकि दयानंद मॉडल स्कूल की कृतिका और काव्या गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में नगर निगम धर्मशाला के महापौर शमशेर सिंह नेहरिया मुख्य अतिथि रहे। केंद्रीय विद्यालय योल के प्राचार्य संजीव राणा विशिष्ट अतिथि और डॉ. विशाल नेहरिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इंटेक कांगड़ा चैप्टर के प्रभारी एल.एन. अग्रवाल ने पिछले 15 वर्षों में धरोहर संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। मुख्यातिथि ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र डोगरा ने किया।

महिलाओं की गरिमा पर भाजपा का चुनिंदा आक्रोश उसके राजनीतिक दोहरे मापदंडों को उजागर करता है : संजीव

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य प्रवक्ता संजीव गांधी ने जेएनयू में यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर कांगड़ा जिले में भाजपा द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने राहुल गांधी के पुतले जलाने की कार्रवाई को न्याय सुनिश्चित करने के बजाय राजनीतिक दिखावा करार दिया। गांधी ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा के मुद्दे पर भाजपा के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या भाजपा हर महिला की गरिमा के लिए खड़ी होती है, या केवल तभी जब कोई मुद्दा उसके राजनीतिक हितों को साधने का अवसर प्रदान करता है?' उन्होंने कहा कि किसी भी आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी भी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। गांधी ने कहा, 'महिलाओं की गरिमा को कभी भी राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। पुतले जलाने और नारेबाजी करने से न्याय नहीं मिलता। न्याय के लिए निष्पक्ष जांच, जवाबदेही और कानून के शासन का सम्मान आवश्यक है।' उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं की सुरक्षा, समानता और न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों की रक्षा राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के आधार पर नहीं, बल्कि समान रूप से की जानी चाहिए।

महिलाओं के सम्मान और न्याय की मांग को लेकर गरजीं भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और पीड़ित बेटियों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर भाजपा महिला मोर्चा जिला हमीरपुर की बहनों ने भोटा बाजार में 'नारी शक्ति हुंकार आंदोलन' के तहत जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिला हमीरपुर की अध्यक्ष अर्चना चौहान ने की। इस दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज करवाया। प्रदर्शन में बड़सर के विधायक इंद्र दत्त लखनपाल, नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, भाजपा जिला महामंत्री अजय रिंटू सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रो. अंगोमचा बिमोल अकोईजम के पुतले जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से जुड़े छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के मामले को उठाते हुए कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि महिलाओं से जुड़े गंभीर मामलों में कांग्रेस नेतृत्व का रवैया संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीतिक दलों को अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

महिला सम्मान पर भाजपा का प्रदर्शन सियासी नौटंकी : पुनीत मल्ली

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने जेएनयू में महिला के कथित यौन उत्पीड़न के मुद्दे पर जिला कांगड़ा में सोमवार को भाजपा के धरना-प्रदर्शन और राहुल गांधी का पुतला फूंकने को सियासी नौटंकी करार दिया है। यहां जारी बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा महिला सम्मान जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सस्ती राजनीति कर जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी मामले में आरोप लगने मात्र से किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। यदि भाजपा को किसी मामले में गंभीरता नजर आती है तो उसे निष्पक्ष जांच और कानून की प्रक्रिया पर भरोसा करना चाहिए, न कि सड़कों पर प्रदर्शन व पुतले फूंककर गलत राजनीतिक माहौल बनाने में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। मल्ली ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को उपदेश देने से पहले भाजपा को अपने राजनीतिक आचरण और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपने रिकॉर्ड का भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि पुतले फूंकने और नारेबाजी करने से क्या महिलाओं को न्याय मिल जाएगा? भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका प्रदर्शन पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए है या केवल राजनीतिक सुर्खियां बटोरने के लिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के पक्ष में है। किसी भी आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष साबित होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। राजनीतिक दलों को महिलाओं के मुद्दों को सियासी हथियार बनाने के बजाय न्याय सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए।

चिट्टा, चरस और शराब से भी घातक है मोबाइल का नशा : मेयर सुमन ठाकुर

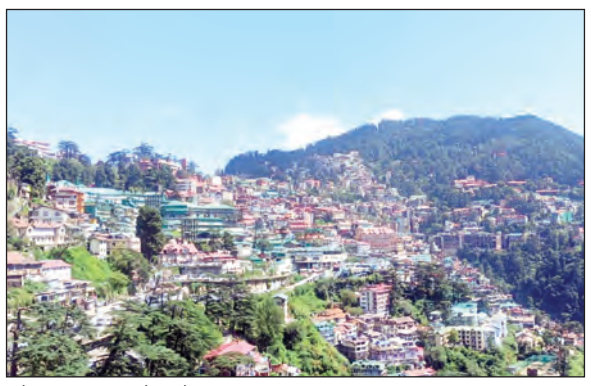
भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पैलेस कॉलोनी स्थित सेम्फोर्ड लिटिल स्टार स्कूल में कल्याणी सामाजिक संस्था द्वारा नशे की रोकथाम को लेकर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम मंडी की मेयर सुमन ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अपने स्वागत भाषण में स्कूल की डायरेक्टर निधि गुप्ता ने मेयर सुमन ठाकुर का धन्यवाद किया और स्कूल का सहयोग करने के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि स्कूल के अध्यापकों ने बच्चों को नशे के खिलाफ भाषण और कविताएं तैयार करवाई, इसके लिए उन्होंने अध्यापकों की सराहना भी की। इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नशे के दुष्प्रभाव को लेकर बहुत ही सुंदर कविता व भाषण प्रतियोगिता प्रस्तुत की, जिसे देखकर सभी दंग रह गए। इस प्रतियोगिता में अनन्या ने प्रथम स्थान, लावण्या ने द्वितीय स्थान और बार्बी गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया।

हिमाचल में माइनस में पहुंचा पारा

15 अक्तूबर तक अंधड़-बिजली का येलो अलर्ट, 16 और 17 को भी बारिश-बर्फबारी की संभावना

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में सोमवार को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन में यहां पहली बार है, जब पारा माइनस में पहुंचा है।

राज्य में बीते 24 घंटों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान में 2.1 डिग्री की गिरावट आई है और यह सामान्य से 0.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 15 अक्टूबर तक राज्य के अधिकांश इलाकों में अंधड़ चलने और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। 16 और 17 अक्टूबर को भी मौसम खराब रह सकता है, जबकि 18 अक्टूबर को मौसम साफ होने का अनुमान है। सोमवार को राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम साफ है



और धूप खिली है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को सबसे कम तापमान लाहौल स्पीति जिला के कुकुमसेरी में माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद केलांग में 0.7, ताबो में 1.4, कल्पा में 6.0, कुफरी में 7.1 और मनाली में 7.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। शिमला में न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री, पालमपुर में 11.0, भुंतर और बजौरा में 11.2-11.2, चंबा में 12.1, जुब्बड़हट्टी में 12.5 और सुंदरनगर में 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। कांगड़ा में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री, सोलन में 13.5, बर्थिन में 13.8, ऊना में 15.0, मंडी में 15.5 और नेरी में 16.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धर्मशाला में न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री, नाहन में 16.7, देहरा गोपीपुर में 17.0, सराहन में 17.8, सेबाग में 19.2, बिलासपुर में 19.5 और पांवटा साहिब में 21.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

हमीरपुर के नेरी में सबसे ज्यादा 40 मिलीमीटर बारिश

24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मंडी जिले के नेरी में सर्वाधिक 40 मिलीमीटर बारिश हुई। कांगड़ा में 31.2 मिलीमीटर, सोलन जिले के कसौली में 30 मिलीमीटर, सराहन में 18.7 मिलीमीटर और देहरा गोपीपुर में 15.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। धर्मशाला में 12.1 मिलीमीटर, पालमपुर में 12.4, सोलन में 10.8, केलांग में 10, नाहन में 9.2, बिलासपुर में 7.8 और जुब्बड़हट्टी में 6.2 मिलीमीटर बारिश हुई। शिमला में 4.2, धौलाकुआं में 4.5, कुफरी में 3.2 और कुकुमसेरी में 2.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में ताजा हिमपात से ठंड बढ़ी है। सोमवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने के बीच शिमला और मनाली में धूप खिली है। हालांकि, आने वाले दिनों में मौसम के फिर करवट लेने की संभावना है।

हिमाचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत कर रही केंद्र सरकार : जयराम

◆ उच्च हिमालयी चिकित्सा व जनस्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र का किया शिलान्यास

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सोमवार को लाहौल-स्पीति के केलांग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के उच्च हिमालयी चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए।



कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सांसद कंगना रनौत और पूर्व विधायक रवि ठाकुर भी उपस्थित रहे। जयराम ठाकुर ने अनुसंधान केंद्र की सौगात के लिए केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इनमें चार नए चिकित्सा महाविद्यालय, बिलासपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और ऊना में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान का उपकेंद्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केलांग में स्थापित होने वाला यह अनुसंधान केंद्र उच्च हिमालयी क्षेत्रों की बीमारियों, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और बेहतर उपचार के उपायों पर शोध करेगा। इससे स्थानीय निवासियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

जयराम ठाकुर ने अटल सुरंग का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि जनजातीय विकास के लिए केंद्र से मिलने वाली करोड़ों रुपये की राशि लाहौल-स्पीति में खर्च करने के बजाय अन्यत्र भेजी जा रही है। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए एकजुट प्रयासों का आह्वान किया।

वल्लभ कॉलेज मंडी ने जीती अंतर-महाविद्यालय शूटिंग चैंपियनशिप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के निशानेबाजों ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय की अंतर-महाविद्यालय शूटिंग चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता 8 से 10 अक्तूबर तक राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में आयोजित हुई। महाविद्यालय की पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल तथा महिला एयर राइफल टीम ने विजेता ट्रॉफी हासिल की, जबकि पुरुष एयर राइफल टीम उपविजेता रही। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में सार्थक लखनपाल और ऋतिका ने स्वर्ण, कविता और शिवम ने रजत तथा कशिश शर्मा ने कांस्य पदक जीता। प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताया।

बरठीं बस स्टैंड के पास नालियां चोक गंदगी से बीमारियां फैलने का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, बरठीं। बरठीं बाजार में बस स्टैंड के समीप नालियों की निकासी व्यवस्था चरमरा गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई नालियां कूड़ा-कचरा जमा होने से लंबे समय से चोक पड़ी हैं। नियमित सफाई न होने के कारण गंदा पानी जमा है और दुर्गंध से दुकानदारों, राहगीरों तथा खरीदारी करने आने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

वहीं, मच्छरों के पनपने से संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। बरठीं बाजार क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। बस स्टैंड होने के कारण लंबी दूरी की बसों के यात्रियों की भी दिनभर आवाजाही रहती है। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने से स्थानीय लोगों में रोष है। स्थानीय निवासी



संतोष सोनी, पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश गौतम, बबलू गौतम, मुख्तियार पटियाला और पवन शर्मा ने कहा कि बाजार में व्यापार मंडल गठित होने के बावजूद नियमित सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि नालियां बनाने के बाद उनकी सफाई की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों ने लोक निर्माण विभाग और व्यापार मंडल से आपसी समन्वय स्थापित कर सफाई की जिम्मेदारी तय करने तथा नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि बाजार में स्व' छता बनी रहे और बीमारियों का खतरा कम हो।

पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना का निधन, सीएम सुक्खू ने जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति की उपायुक्त किरण भड़ाना के पिता व राजस्थान के पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह भरतपुर में क्रेशर प्लांट और खनन लीज विवाद को लेकर हुए हिंसक संघर्ष में घायल हो गए थे। निधन की सूचना मिलते ही किरण भड़ाना राजस्थान के लिए रवाना हो गईं। उनके निधन से परिवार में शोक की लहर है। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने शोक व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदनाएं जताईं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भी अतर सिंह भड़ाना के निधन पर दुख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। भरतपुर में हुई घटना को लेकर पुलिस जांच कर रही है। क्रेशर प्लांट और खनन लीज विवाद की पृष्ठभूमि तथा हिंसक संघर्ष की परिस्थितियों की पड़ताल की जा रही है।

दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम : कंगना रनौत

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना रनौत ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में केलांग में आईसीएमआर उच्च पर्वतीय चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र की स्थापना एक ऐतिहासिक कदम है।



इस केंद्र से उच्च पर्वतीय क्षेत्रों की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने और उनके समाधान खोजने में मदद मिलेगी। इससे हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ व्यापक मानव समाज के कल्याण को भी लाभ पहुंचेगा। लाहौल-स्पीति के केलांग में सोमवार को आयोजित केंद्र के शिलान्यास समारोह के दौरान कंगना रनौत ने कहा कि बेहतर सड़क और परिवहन संपर्क सुविधाओं ने हिमाचल प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में लोगों के जीवन को काफी हद तक बदल दिया है। पहले कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण कई क्षेत्र वर्ष के अनेक महीनों तक शेष दुनिया से कटे रहते थे, जिससे लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों की विषम भौगोलिक परिस्थितियां और प्रतिकूल मौसम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी चुनौती हैं। ऐसे में केलांग में उच्च पर्वतीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना चिकित्सा विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

कंगना रनौत ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं पर वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में बीमारियों के स्वरूप, पर्यावरणीय बदलावों और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समझने के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने किया मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का मंचन



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किंडरगार्डन के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित आकर्षक नाटक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में बच्चों ने मां दुर्गा के नौ रूपों का किरदार निभाते हुए भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नारी शक्ति का संदेश दिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, शानदार अभिनय और आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बच्चों की प्रतिभा और प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप ठाकुर, मैनेजर पी.एस. राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने बच्चों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और परंपराओं से जोड़ना भी संस्थान का उद्देश्य है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति के भाव के साथ हुआ।

सोलन में 13 से 15 तक लगेगा 'सेवा सेतु' शिविर

भारतेंदु संवाददाता, सोलन। प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलन में 13 से 15 अक्तूबर तक जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर 'सेवा सेतु' आयोजित किए जाएंगे। बिजली उपमंडल-2 के सहायक अधिशाषी अभियंता विपुल कश्यप ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में लोगों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, केंद्रीय वित्तीय सहायता, छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने और नेट मीटरिंग की जानकारी दी जाएगी। पात्र लोगों का पंजीकरण भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रूफटॉप सोलर विक्रेताओं और बैंकों के बीच समन्वय स्थापित कर ऋण एवं वित्तीय सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। यह शिविर कौशल विकास केंद्र स्थित विद्युत बोर्ड के सहायक अभियंता कार्यालय, सोलन में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। उन्होंने लोगों से शिविर में पहुंचकर योजना का लाभ उठाने की अपील की।

सुनील शर्मा बिट्टू ने शुरू किया ग्रामीण समस्या समाधान अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी तथा अब वह हर गांव के लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों से मुलाकात कर गांवों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे।

उन्होंने ग्रामीण समस्या समाधान अभियान के तहत ग्राम पंचायत ताल के गांव रझोल के लोगों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याओं को जाना। स्थानीय प्रधान राकेश कुमार, आंगनवाड़ी सदस्य निशा कुमारी, महिला मंडल की सदस्यों और अन्य लोगों ने सुनील शर्मा बिट्टू के अभियान का स्वागत करते हुए कहा कि इस नई सोच से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होगा। गांववासी हेम राज और रमेश ने रझोल के लिंक रोड को पक्का करने की की मांग सुनील शर्मा बिट्टू के समक्ष रखी। गांव की महिलाओं ने आंगनवाड़ी केंद्र और महिला मंडल भवन के निर्माण की बात कही।



गांववासियों ने सामुदायिक भवन और सोलर लाइट की समस्या को विशेष तौर से हल करने की मांग की। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की हर एक समस्या को सीधे तौर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के समक्ष रखा जाएगा और बजट का जल्दी से जल्दी प्रावधान किया जाएगा। सुनील शर्मा बिट्टू ने गांव में बारिश से क्षतिग्रस्त हुए एक मकान का निरीक्षण भी किया तथा कहा कि प्रभावित परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव मदद दी जाएगी। सुनील शर्मा बिट्टू ने गांव की समस्याओं के समाधान के लिए सीधे तौर से संबंधित अधिकारियों से बात की और इनके अतिशीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कांग्रेस सरकार ने चार साल में बांटी निराशा: जीतराम कटवाल

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर विकास कार्यों में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले दी गई 10 गारंटियों का धरातल पर कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आ रहा है। झंडूता और शाहतलाई भाजपा मंडलों की संयुक्त बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत क्षेत्र में हुए कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल और डॉ. रामप्रकाश शर्मा ने की। कटवाल ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पिछले चार वर्षों में झंडूता विधानसभा क्षेत्र में कितनी नई परियोजनाएं शुरू की गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि बरसंड औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए उनके पिछले कार्यकाल में बजट और स्वीकृतियां मिलने के बावजूद वर्तमान सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने बिजली, पानी और सड़कों के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग का भी उल्लेख किया।

सोलन में कल बिजली रहेगी बंद

भारतेंदु संवाददाता, सोलन। सोलन शहर, बाईपास और आसपास के क्षेत्रों में 14 अक्तूबर, 2026 को आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता राहुल वर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक न्यू कथेड़, वेयरहाउस, हाउसिंग बोर्ड, राजकीय महाविद्यालय, कोटलानाला, तहसील कार्यालय, धोबीघाट, बॉयज स्कूल, टैंक रोड, सेरी, खनोग, पवन विहार और आसपास के क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। वहीं, न्यू कथेड़, वेयरहाउस, 132 केवी उपकेंद्र के समीप, क्लीन और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। इसी अवधि में वसंत विहार, विश्वकर्मा फर्नीचर, गोयल हार्डवेयर, लापाईनोज और डोमिनोज क्षेत्र भी प्रभावित रहेंगे। उन्होंने कहा कि खराब मौसम या अपरिहार्य कारणों से निर्धारित समय में बदलाव हो सकता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

दून भाजपा की बैठक के बाद प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, बूथ मजबूती पर दिया जोर



भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। भाजपा दून मंडल की कामकाजी बैठक सोमवार को बद्दी के महाराणा प्रताप भवन में मंडल उपाध्यक्ष तरसेम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की गारंटियां पूरी नहीं हुईं और क्षेत्र में सरकारी कार्यालय बंद होने के साथ सड़कों की हालत भी खराब है। उन्होंने भ्रष्टाचार, नशा माफिया, अवैध खनन और कानून व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी कर्ज लेने के बावजूद प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर पर कार्य विस्तार को लेकर चर्चा हुई। नवनियुक्त विस्तारक मोहन चौहान का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कमेटी गठित करने के साथ पन्ना प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे।

मंडल प्रभारी उपेंद्र शर्मा ने एसआईआर विषय पर चर्चा करते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक का संचालन महामंत्री संजीव ठाकुर ने किया, जबकि महामंत्री मनीष भड़ाना ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक विनोद चंदेल, डॉ. बलबीर ठाकुर, मनोज राणा, राजिंदर झल्ला, देव राज चौधरी, राज कुमार चौधरी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकार

न्यूज ब्रीफ

खत्री ठाकुर की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी गठित, 18 तारीख की बैठक पर टिकी निगाहें



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। पांवटा साहिब में पहाड़ी समुदाय के संगठन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच देवभूमि दून पहाड़ी संगठन पांवटा साहिब का गठन किया गया। जिला परिषद सदस्य खत्री ठाकुर की अध्यक्षता में दोपहर तीन बजे शुरू हुई बैठक में सर्वसम्मति से व्यवसायी जगदीश तोमर को संगठन का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष, महासचिव और मुख्य सलाहकार सहित अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष जगदीश तोमर ने स्पष्ट किया कि नए संगठन का उद्देश्य किसी से टकराव करना नहीं, बल्कि समाज के हित में मिलजुलकर कार्य करना है। उन्होंने पुराने संगठन के पदाधिकारियों के साथ तालमेल और सहयोग स्थापित करने की बात कही। साथ ही समाज के लोगों से सोशल मीडिया पर अनावश्यक बहस और आरोप-प्रत्यारोप से बचने की अपील की। नए संगठन के गठन के बाद अब 18 तारीख को होने वाली बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में संगठन की भावी रणनीति और पहाड़ी समुदाय की एकजुटता को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

जैव विविधता पर राष्ट्रीय कार्यशाला में थुनाग महाविद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, थुनाग स्थित गोहर (गुडाहरी) के 17 विद्यार्थियों ने राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान कार्यशाला में भाग लिया। भारतीय विज्ञान अकादमियों के प्रायोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का विषय 'सतत पर्यावरण के लिए जैव विविधता' रहा। डॉ. सुनील मारपा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के 13 व्याख्यानों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, हिमालयी वनस्पतियों, पारंपरिक फसलों, पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की जानकारी प्राप्त की। डॉ. मारपा ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में स्थानीय फसलों, औषधीय पौधों और आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण खाद्य सुरक्षा तथा कृषि की दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला से विद्यार्थियों को जलवायु-अनुकूल खेती, अनुसंधान और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. पुष्पेंद्र ने गोल्ड मेडल विजेता शालिनी को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नवरात्र के पावन अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ठाकुर डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने गाँव रोपा की होनहार बेटी शालिनी ठाकुर को उनकी गौरवशाली शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। शालिनी ठाकुर ने पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कपूरथला में एमफार्म (फार्माकोलॉजी) की परीक्षा में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे हमीरपुर क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने शालिनी ठाकुर को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें सपरिवार शुभकामनाएं दीं। डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि हमारी बेटियां भी अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण से हमीरपुर का नाम पूरे प्रदेश और देश में रोशन कर रही हैं। शालिनी ठाकुर की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने के समान अवसर देना समाज की जिम्मेदारी है। शालिनी की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। अंत में डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने शालिनी ठाकुर को इस शानदार उपलब्धि के लिए पुनः बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वह भविष्य में भी अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी तथा समाज और देश का नाम रोशन करती रहेंगी।

राहु में धूमधाम से संपन्न हुआ नवरंग ग्रामीण प्रतिभा मेला, मयूराक्षी सिंह ने सम्मानित किए विजेता



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ग्राम पंचायत रोहांज-जलाना के राहु गांव में 11 अक्टूबर को नवरंग ग्रामीण प्रतिभा मेला-2026 धूमधाम से संपन्न हुआ। मेला समिति एवं नेहरू युवा क्लब राहु द्वारा भीम सिंह मेमोरियल खेल मैदान में आयोजित मेले में बच्चों, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले का शुभारंभ पंचायत प्रधान नम्रता ठाकुर ने किया। दिनभर ड्राइंग, निबंध लेखन, कविता पाठ, वॉलीबॉल, 100 मीटर दौड़, दो किलोमीटर दौड़, मेहंदी, फैंसी ड्रेस और विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन समारोह में विरासत संगठन अर्की की अध्यक्ष एवं समाजसेविका मयूराक्षी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बीडीसी सदस्य अंजना वर्मा भी उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि ने विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मयूराक्षी सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं तथा उनमें आत्मविश्वास और अनुशासन विकसित करते हैं। मेला समिति अध्यक्ष सेवानिवृत्त कैप्टन ज्ञान सिंह पाल ने आयोजन की सफलता के लिए सभी सहयोगियों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

ओपन एयर लाइब्रेरी में चलाया स्वच्छता अभियान



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की एनसीसी आर्मी विंग की छात्राओं ने ओपन एयर लाइब्रेरी परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान का नेतृत्व एनसीसी केयरटेकर ऑफिसर प्रो. शीतल धीमान ने किया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने परिसर की सफाई की और विशेष रूप से बच्चों को कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय कूड़ेदान में डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। साथ ही, समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बिलासपुर में मारपीट, कुत्ते के काटने और सड़क हादसे के तीन मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के विभिन्न पुलिस थानों में मारपीट, पालतू कुत्ते के काटने और सड़क दुर्घटना से जुड़े तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तलाई थाना क्षेत्र के मलारी गांव की महिला ने शिकायत दी कि 9 अक्टूबर को गांव के देशराज ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कोट कहलूर थाना क्षेत्र के चिल्ट गांव में राकेश कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई कि 10 अक्तूबर को मस्त राम के पालतू कुत्ते ने उनके बेटे राहुल कुमार को काट लिया। पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। घुमारवीं थाना क्षेत्र के पन्याला स्लाइडिंग पॉइंट के पास स्कूटी और महिंद्रा पिकअप में टक्कर हो गई। पिकअप चालक सतीश चंदेल ने आरोप लगाया कि स्कूटी चालक हरीश कुमार ने तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए टक्कर मारी। हादसे में स्कूटी चालक घायल हुआ और पिकअप क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हमीरपुर में इलैक्ट्रिकल बसों के प्रैशर लीक या उचित तरीके से काम न करने का बहाना

डेढ़ माह में ही डेढ़ करोड़ की बसों में कमियां बताकर चलती बार दरवाजे खुले रखने पर चालक दे रहे तर्क

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री ने करोड़ों की सौगात देकर हमीरपुर के लिए इलैक्ट्रिकल बसों को चलाया, लेकिन कई चालक डेढ़ माह में ही करीब डेढ़ करोड़ की बस में कमियां बताकर चलती बस में ईंट फसाकर दरवाजे खुले रखकर प्रैरश न बनने का दावा कर रहे हैं। मौखिक शिकायत मिलने पर अधिकारियों को मौके पर उचित जबाव न देकर फिर भी कई चालक दरवाजे खुले ही रख रहे है।

काबिलेगौर है कि इसी तरह ऐसे ही चालकों द्वारा जेएनएनयूआरएम की बसों का भी थोड़े ही समय बाद यही हाल बन चुका था, जिनके दरवाजे चलते समय आजतक बंद नहीं हो पाए है। ऐसा माना जा रहा है कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो शीघ्र ही इन इलैक्ट्रिकल बसों की भी यही हालत हो सकती है। हमीरपुर डिपो की कुछ एक ई.बसों में खासकर लोकल रूटों पर सामने आ रही इस स्थिति ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संकरी पहाड़ी सडक़ों, तीखे मोड़ों और सिंगल लेन मार्गों पर खुले दरवाजों के साथ दौड़ती बसें किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। हैरानी की बात यह है कि करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत वाली आधुनिक तकनीक से लैस इन बसों में दरवाजों को खोलने और बंद करने की व्यवस्था चालक के नियंत्रण में बताई जाती है। इसके बावजूद यदि बसों को दरवाजे बंद किए बिना चलाया जा रहा है, तो सवाल केवल तकनीकी व्यवस्था का नहीं, बल्कि चालक की जिम्मेदारी और निगम की निगरानी का भी है। ऐसे में दरवाजे बंद करने को अतिरिक्त काम समझने की प्रवृत्ति यात्रियों की जान पर भारी पड़ सकती है। एक तरफ कुछ एक चालकों की ओर से दरवाजों के संचालन में प्रेशर लीकेज की दिक्कत बताई जा रही है, जबकि परिवहन निगम के अधिकारी ऐसी समस्या से इनकार कर रहे हैं।

दूसरी ओर यदि बसें तकनीकी रूप से पूरी तरह दुरुस्त हैं, तो चलते समय दरवाजे खुले रहने की शिकायतों का जिम्मेदार कौन है, क्या चालक निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे या फिर बसों की जांच और निगरानी में कोई कमी है।

क्या चालकों की मनमानी या अधिकारियों की निगरानी पर भी सवाल



यदि चालक तकनीकी खराबी का हवाला देकर दरवाजे बंद नहीं कर रहे हैंए तो निगम को संबंधित बसों की तकनीकी जांच करवाकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यदि खराबी नहीं हैए तो निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाले चालकों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। निगम प्रबंधन को शिकायतों की अनदेखी करने के बजाय संबंधित बसों का निरीक्षण करवाना चाहिए।

हमीरपुर आरएम राहुल कुमार ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक बसों मे किसी प्रकार की कोई तकनीकी कमी नहीं है सभी बसें आधुनिक तकनीक से लेस है। रूट पर चल रही बसों के अगर चालक दरबाजे बंद नहीं कर रहे है तो निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान खुले दरवाजे रखने वाले चालक के खिलाफ उचित कारवाई होगी।

मंजू शर्मा के नाम पर कोई धरना नहीं होगा : पति सतीश

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मंजू शर्मा की मौत के मामले में उनके पति सतीश शर्मा ने बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि उनकी पत्नी के नाम पर कोई भी धरना-प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। उन्होंने आंदोलनकारियों से मृतका के नाम का इस्तेमाल कर राजनीति नहीं करने की अपील की है।



सतीश शर्मा के इस बयान को मंजू शर्मा की मौत के मामले को लेकर धरने की तैयारी कर रहे आंदोलनकारियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। सतीश शर्मा ने कहा कि यदि आंदोलनकारियों को वास्तव में चिंता होती तो वे उनकी बेटी के भविष्य के बारे में सोचते। उन्होंने कहा कि वह पहले भी धरना देने के पक्ष में नहीं थे और अब भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद मार्कंडेय ऋषि का पुजारी हूं इसलिए देवी-देवताओं के कुल्लू दशहरा उत्सव में किसी भी तरह का खलल नहीं डाला जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि उनकी पत्नी के नाम पर आंदोलन करना और इस मामले को राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। बंटी सराजी की ओर से मंजू शर्मा की मौत के मामले में स्वास्थ्य मंत्री से रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठाई जा रही थी। इस संबंध में चेतावनी दी गई थी कि रिपोर्ट जल्द जारी नहीं हुई, तो 20 अक्तूबर को कुल्लू में विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। दशहरा उत्सव के पहले दिन आंदोलन करने की चेतावनी भी दी जा रही थी। हालांकि, अब मृतका के पति के बयान से इस आंदोलन को लेकर नया मोड़ आ गया है। सतीश शर्मा ने कहा कि अब मौत के बाद रिपोर्ट आने से क्या होगा, जब उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम ही नहीं करवाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी की मौत चिकित्सक की लापरवाही के कारण हुई। इस मामले में सरकार ने संबंधित चिकित्सक और नर्सों को निलंबित किया है। उनके अनुसार, संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है, इसलिए मृतका के नाम पर आंदोलन कर राजनीति करना उचित नहीं है।

एसपी कुल्लू ने 50 वॉलंटियर्स का किया मार्गदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव को सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने में पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए टीम सहभागिता पूरी तरह तैयार है।

उत्सव के दौरान स्वयंसेवी सेवाओं की रूपरेखा तैयार करने और वॉलंटियर्स की जिम्मेदारियां निर्धारित करने के लिए टीम की बैठक आयोजित की गई। इसमें लगभग 50 वॉलंटियर्स सहित संस्था के अध्यक्ष बीजू हिमदल, उपाध्यक्ष राज सिंघानिया और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में एसपी कुल्लू ने विशेष रूप से शिरकत कर वॉलंटियर्स का मार्गदर्शन किया। उन्होंने उत्सव के दौरान पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने, भीड़ प्रबंधन में सहयोग देने, यातायात संबंधी जागरूकता बढ़ाने व श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने वॉलंटियर्स को अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवाभाव के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। टीम सहभागिता के अध्यक्ष बीजू हिमदल ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से पिछले वर्षों में टीम द्वारा दी गई सेवाओं और इस वर्ष की तैयारियों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि टीम सहभागिता पिछले छह-सात वर्षों से अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा के दौरान सक्रिय रूप से स्वयंसेवी सेवाएं प्रदान कर रही है। इस वर्ष भी टीम पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उत्सव की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि दशहरा जैसे विशाल अंतरराष्ट्रीय आयोजन में स्वयंसेवकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। टीम का प्रयास रहेगा कि वॉलंटियर्स के माध्यम से आमजन को सही मार्गदर्शन मिले, व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में सहयोग मिले और श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो। इस वर्ष टीम सहभागिता स्वयंसेवी सेवाओं के साथ फ्लैश मॉब के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करेगी। सड़क सुरक्षा, नशे से बचाव, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक प्रस्तुतियों के जरिए सामाजिक संदेश दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य उत्सव में युवाओं की सकारात्मक भागीदारी बढ़ाना और जनहित से जुड़े मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना है।



◆अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में पुलिस प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवाएं देगी टीम सहभागिता

रोटरी क्लब धर्मशाला ने सराह स्कूल में लगाया नेत्र जांच शिविर, 206 ग्रामीणों की जांच की

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वास्थ्य विभाग के साथ सामाजिक संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। यह बात पद्मश्री डॉ. उमेश भारती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कांगड़ा, धर्मशाला ने टोंग लेन हाई स्कूल, सराह में आयोजित नेत्र जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर कही।



रोटरी क्लब धर्मशाला की ओर से आयोजित इस शिविर में स्कूल के विद्यार्थियों और ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई। डॉ. भारती ने क्लब के सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार अपनाने और सकारात्मक जीवनशैली बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र मिन्हास ने शिविर में 206 बच्चों एवं ग्रामीणों की आंखों की जांच कर आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि पढ़ने-लिखने में आंखों से जुड़ी कोई परेशानी होने पर तुरंत शिक्षकों और अभिभावकों को बताएं, ताकि समय पर उपचार हो सके। उन्होंने मोबाइल और अन्य डिजिटल स्क्रीन के उपयोग पर नियंत्रण रखने की सलाह भी दी। इस अवसर पर रोटरी क्लब धर्मशाला के अध्यक्ष एडवोकेट प्रेम प्रसाद, सचिव एवं प्रोजेक्ट चेयर रोटेरियन सुभाष शर्मा, डॉ. रिचा राणा, डॉ. एनएन शर्मा, हरि सिंह, डॉ. युगल डोगरा और लकी नैहरिया सहित स्कूल प्रबंधन एवं स्टाफ उपस्थित रहे। सभी ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग दिया।

मंडी में 15 को 11 पदों के लिए साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। तपन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, गुटकर में विभिन्न श्रेणियों के 11 पदों के लिए 15 अक्तूबर को जिला रोजगार कार्यालय मंडी में सुबह 10:30 बजे साक्षात्कार होंगे। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि इनमें टीम लीडर के 2, सेल्स एग्जीक्यूटिव के 5, सर्विस एडवाइजर के 2 और टेक्नीशियन के 2 पद शामिल हैं। इन पदों के लिए 18 से 30 वर्ष आयु के युवक-युवतियां पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 12,750 रुपए प्रतिमाह वेतन मिलेगा। निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले युवाओं को कौशल विकास भत्ता योजना के तहत अतिरिक्त सहायता भी मिल सकती है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीकरण कार्ड, हिमाचली बोनाफाइड प्रमाण-पत्र और दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाएं। रोजगार कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए 01905-235508 पर संपर्क करें।

भाजपा पधर मंडल की बैठक में 2027 में सरकार बनाने का दावा



भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। ग्राम पंचायत कुफरी के प्रांगण में भाजपा पधर मंडल की मासिक बैठक मंडलाध्यक्ष इंद्र सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में द्रंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक पूरण चंद ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नवनियुक्त जिला परिषद सदस्यों, बीडीसी अध्यक्षों, उपाध्यक्षों व पंचायत प्रतिनिधियों की भारी मौजूदगी से बैठक जनसभा में बदल गई।

बैठक स्थल पहुंचने पर विधायक पूरण चंद ठाकुर का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'पूरण जी बार-बार पूरण जी' के नारे लगाकर उत्साह प्रदर्शित किया। मंडलाध्यक्ष इंद्र सिंह ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक पूरण चंद ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश की जनता वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है। उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और मजबूत संगठन के दम पर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। द्रंग विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा आगामी चुनाव में जीत दर्ज करेगी। बैठक में मंडल महामंत्री सुरेश कटारिया, शेर सिंह, उपाध्यक्ष सुभाष चंद ठाकुर, जिला परिषद सदस्य रोशन लाल ठाकुर, चम्पा देवी और विधा देवी सहित विभिन्न पंचायतों के प्रधान, उपप्रधान, बीडीसी प्रतिनिधि तथा पार्टी के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

13 अक्तूबर को कोटली सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बिजली उपमंडल साईगलू के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में 13 अक्तूबर, 2026 को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता ई. विनीत कुमार ने बताया कि 33/22 केवी सब-स्टेशन साईगलू के अंतर्गत 22 केवी कोटली फीडर की आवश्यक मरम्मत और नए जीओ स्विच लगाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के चलते मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कोटली, सलेतर, सुराड़ी, सैण, डंढाहल, चोपड़ा, कड़कोह, लागधार, सताहन, ढलवाणी, बरनोटा, भरगाँव, डवाहण, मन्ढोखर, द्रुबल, कोट, कून, माहन और खलाणू सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। सहायक अभियंता ने उपभोक्ताओं से मरम्मत कार्य के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बिजली आपूर्ति का बाधित रहना आवश्यक रखरखाव कार्य के कारण होगा।

बड़े से बड़ा नेता भी संगठन का कार्यकर्ता, भाजपा में पद नहीं, दायित्व महत्वपूर्ण : अनुराग सिंह ठाकुर

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भाजपा के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय सहभागिता की मिसाल प्रस्तुत करते हुए समीरपुर मंडल के बूथ नंबर 7 में पन्ना प्रमुख का दायित्व संभाला। मंडल अध्यक्ष अभयवीर लवली ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उन्हें पन्ना प्रमुख का दायित्व सौंपा।



इस अवसर पर मंडल महामंत्री हिटलर ठाकुर एवं सुनील डोगरा, जिला उपाध्यक्ष चमन ठाकुर, बधानी वार्ड की जिला परिषद सदस्य रजनी देवी, मंडल विस्तारक अनिल धीमान सहित समीरपुर मंडल के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेताओं की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक समर्पित भाव से काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। पार्टी में दायित्व का महत्व पद की ऊंचाई से नहीं, बल्कि संगठन के प्रति समर्पण, जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना से तय होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में बड़े से बड़ा नेता भी संगठनात्मक जिम्मेदारी से जुड़ा रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं ने भी अपने राजनीतिक जीवन में बूथ स्तर पर संगठन के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। यही परंपरा भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है और प्रत्येक कार्यकर्ता को यह विश्वास दिलाती है कि संगठन में हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। अनुराग ने कहा कि पन्ना प्रमुख का दायित्व केवल मतदाता सूची के एक पन्ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पार्टी और समाज के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। पन्ना प्रमुख अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार और मतदाता से संपर्क बनाए रखते हुए उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को संगठन तक पहुंचाने का कार्य करता है। चुनाव के समय मतदाताओं से संपर्क के साथ-साथ सामान्य दिनों में भी जनसंपर्क, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और संगठन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना इस जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कल स्पीति घाटी के दौरे पर आएंगे सीएम सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, काजा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आगामी 14 अक्तूबर को स्पीति घाटी के एकदिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री घाटी के लिए विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा स्पीति घाटी के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा और इस दौरान क्षेत्र को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिलने की उम्मीद है। विधायक अनुराधा राणा ने आमजन से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री के स्वागत और अभिनंदन को सफल बनाने की अपील की है।



पशुओं के संतुलित आहार के लिए अभिलाषी विश्वविद्यालय ने विकसित की एआई तकनीक

◆पशुओं के आहार का अनुमान लगाएगी 'ईजी फीड एआई'

◆पशुपालकों को मिलेगी मदद, अभिलाषी विवि की नई तकनीक का पेटेंट प्रकाशित

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अभिलाषी विश्वविद्यालय, चैल चौक के स्कूल ऑफ वेटरिनरी साइंसेज के शिक्षकों ने पशुओं के संतुलित आहार का अनुमान लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीक विकसित की है। विश्वविद्यालय के नाम से 'ईजी फीड एआई एप्लीकेशन टू एस्टीमेट राशन ऑफ एनिमल्स' शीर्षक वाला पेटेंट आवेदन भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

इस तकनीक का उद्देश्य मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पशुओं की तस्वीर और आवश्यक जानकारी के आधार पर उनके दैनिक आहार एवं संतुलित राशन का अनुमान लगाने में सहायता करना है। इसमें इमेज एनालिसिस और एआई की मदद से पशु की शारीरिक विशेषताओं का आकलन कर प्रोटीन, खनिज, चारा, पानी तथा अन्य पोषक तत्वों की जरूरत का अनुमान लगाया जा सकेगा। एप्लीकेशन में आहार संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और ऑफलाइन उपयोग की सुविधा भी प्रस्तावित है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों को लाभ मिल सकता है। इस पेटेंट आवेदन में सात शिक्षकों को आविष्कारक के रूप में नामित किया गया है।

इनमें डॉ. शिवांगी सिंह, डॉ. राजेश कुमार असरानी, डॉ. पीर रईस, डॉ. प्रिया जगोता, डॉ. दीपिका ठाकुर, डॉ. फैसल बशीर डार और डॉ. अंकित शर्मा शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे पशुपालन क्षेत्र में तकनीकी नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी, प्रति-कुलाधिपति डॉ. एल.के. अभिलाषी और अन्य पदाधिकारियों ने भी शोधकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की।

सिद्धपीठ बनिया देवी में 'जय बनिया देवी मां' भजन का विमोचन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की उपमंडल के प्रसिद्ध सिद्धपीठ बनिया देवी में भक्ति और श्रद्धा के माहौल में भजन गायक दिनेश कुमार के भजन 'जय बनिया देवी मां' का विमोचन किया गया। मां बनिया देवी को समर्पित इस भजन के माध्यम से श्रद्धालुओं तक माता रानी की महिमा और भक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

भजन को आवाज दिनेश कुमार ने दी है, जबकि संगीत सुरेंद्र नेगी ने तैयार किया है। इसके बोल श्यामलाल गौतम और राजेश गौतम ने लिखे हैं। सिद्धपीठ बनिया देवी में भजन का लोकार्पण क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे भजनों के माध्यम से स्थानीय देवी-देवताओं की महिमा जन-जन तक पहुंचती है और श्रद्धालुओं की आस्था को नई अभिव्यक्ति मिलती है। 'जय बनिया देवी मां' भजन से माता के भक्तों को उनकी आराधना के लिए एक नई भेंट मिली है।

महिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में हमीरपुर महाविद्यालय बना प्रथम उपविजेता

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हाल ही में आयोजित अंतर-महाविद्यालय महिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर (एनएससीबीएम राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर) की टीम ने शानदार प्रदर्

सामिया आरजू का खूबसूरत अंदाज

पाकिस्तान क्रिकेटर हसन अली की पत्नी सामिया आरजू हरियाणा के नूंह जिले के मेवात की रहने वाली हैं। आरजू फ्लाइट अटेंडेंट भी रही हैं। इसी दौरान दुबई में उनकी मुलाकात हसन अली से हुई थी। सामिया के इंस्टाग्राम पर 3 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।



रणजी ट्रॉफी में जडेजा ने जड़ा शतक

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 16वीं बार तीन अंकों तक पहुंचे भारतीय ऑलराउंडर

एजेंसी, राजकोट

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 16वां शतक लगाया। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में जडेजा ने 102 रन की पारी खेली। उन्हें धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने कैच और बोल्ड किया। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज और बल्लेबाजी में उपयोगी योगदान देने वाले जडेजा की यह पारी आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले अहम मानी जा रही है। उनका पिछला लाल गेंद का मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में था।

मैच की बात करें तो जडेजा के शतक के साथ अलावा प्रेरक मांकड़ ने भी 129 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा चिराग जानी ने 83 रन बनाए। इन तीनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने पहली पारी में सभी विकेट खोकर 392 रन बनाए। जवाब में छत्तीसगढ़ ने समाचार लिखे जाने तक 1 विकेट पर 24 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। जडेजा इस दौरे से पहले अपनी लय हासिल करना चाहेंगे।

भारत की प्रमुख घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हुआ। पिछले सत्र में शुरुआती दौर में बाहर होने वाली सौराष्ट्र की टीम को इस बार एलीट ग्रुप-बी में रखा गया है। इस समूह में सौराष्ट्र के साथ आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा की टीमें शामिल हैं।



वेस्टइंडीज वनडे सीरीज के बाद सौराष्ट्र से जुड़े

जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे श्रृंखला जीत के बाद सौराष्ट्र की टीम से जुड़े थे। उन्होंने दो मैचों में हिस्सा लिया, लेकिन बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। इस दौरान उन्होंने दो विकेट लिए। छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक के साथ उन्हें लाल गेंद से बल्लेबाजी का भी उपयोगी अभ्यास मिला है।

मुंबई के लिए तुषार देशपांडे की हैट्रिक

मुंबई। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी 2026-27 में चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले के दूसरे दिन शानदार हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया। वह रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से हैट्रिक लेने वाले छठे गेंदबाज बन गए हैं। वानखेड़े स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में देशपांडे ने लगातार तीन गेंदों पर अर्जुन आजाद, शिवम भांबरी और दीपेंद्र कुश को आउट किया। उनकी इस उपलब्धि से चंडीगढ़ की टीम मुंबई के पहली पारी में बनाए गए 429 रन के जवाब में छह विकेट पर 37 रन बनाकर संकट में आ गई।

- **मुंबई टीम के लिए ऐसा करने वाले छठे गेंदबाज**

कप्तान अय्यर ने गेंदबाजों को दिया भारत की जीत का श्रेय

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और प्रिंस यादव की बैटिंग की भी तरीफ की। रविवार को मैच के बाद प्रेजेंटेशन में श्रेयस ने कहा- हमारे गेंदबाज अपने प्लांस को लेकर क्लियर थे और हर गेंदबाज चुनौती के लिए तैयार था।

भारत ने 5 मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने 2-1 की बढ़त बना ली। जीत के बाद कैरेबियंस प्लेयर्स से हाथ मिलाते भारतीय टीम के खिलाड़ी। जीत के बाद कैरेबियंस प्लेयर्स से हाथ मिलाते भारतीय टीम के



हर गेंदबाज चुनौती के लिए तैयार था

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, 'यह शानदार जीत थी, क्योंकि गेंदबाज अपने प्लांस पर काफी कॉन्फिडेंट थे। उनकी सोच में स्पष्टता दिख रही थी। वे अपने प्लांस को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार थे। श्रेयस ने कहा- 'जब भी मैंने किसी गेंदबाज को गेंद सौंपी, वह चुनौती के लिए तैयार था। कप्तान के तौर पर आप अपने गेंदबाजों से यही चाहते हैं।'

अभिषेक और प्रिंस की पारियां भी अहम रहीं

अय्यर ने कहा, 'पावरप्ले में अभिषेक ने जिस तरह बैटिंग की और फिर ईशान ने पारी को आगे बढ़ाया, वह शानदार था। ईशान पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आखिर में प्रिंस यादव की छोटी, लेकिन तेज पारी भी अहम रही। उनके बनाए रन निर्णायक साबित हुए।' श्रेयस ने कहा कि वेस्टइंडीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ऐसे मैदानों पर जहां बड़े स्कोर बनते हैं, वहां अपनी रणनीति पर टिके रहना और आक्रामक खेलना जरूरी है।

स्पोर्ट्स विंडो

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन बनाए

एजेंसी, इंदौर। भारत ने तीसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 14 रन से हरा दिया। इंदौर में खेले गए मुकाबले में अभिषेक शर्मा टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अभिषेक ने एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में सूर्यकुमार यादव की बराबरी भी की। वहीं, तिलक वर्मा टी20 में 50 कैच पूरे करने वाले पांचवे भारतीय खिलाड़ी बन गए। अभिषेक ने 1,024 गेंद में सबसे तेज 2 हजार रन बनाए। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1,164 गेंद में यह कारनामा किया था। अभिषेक ने इंदौर में 5 छक्के लगाए। वे 2026 में टी20 इंटरनेशनल में 68 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में सूर्यकुमार यादव की बराबरी की। सूर्यकुमार ने 2022 में 68 छक्के लगाए थे। अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने इंदौर में 6.4 ओवर में 16.2 के रनरेट से 108 रन जोड़े। यह टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए 100 रन की साझेदारी के दौरान सबसे तेज रन रेट है। दूसरे नंबर पर अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा हैं, जिन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 16.04 के रनरेट से 115 रन जोड़े थे। तिलक वर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले पांचवे भारतीय खिलाड़ी बने। रोहित शर्मा 65 कैच के साथ पहले स्थान पर हैं।



पूर्व क्रिकेटर जाफर ने अगरकर की चयन समिति पर उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के लिए अजीत अगरकर की सिलेक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। जाफर ने कहा कि कोहली चयन पैनल के व्यवहार से नाराज थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे और अधिक टेस्ट खेल सकते थे। भारत के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले साल एक हफ्ते के भीतर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड के पांच टेस्ट की सीरीज के लिए जाना था। जाफर ने अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पर कोहली के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया। जाफर ने कहा, 'ऐसा लगा कि विराट के साथ जिस तरह व्यवहार किया गया, उससे वह थोड़े नाराज थे।' उन्होंने कहा, 'विराट जैसा खिलाड़ी दर्शकों को मैदान तक लाता है। उनके बहुत ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वे निश्चित तौर पर और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। जब तक हम विराट के मुंह से नहीं सुनेंगे, तब तक पता नहीं चलेगा।' इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कोहली के रिटायरमेंट पर कहा था- 'कोहली लगातार सार्वजनिक टीका-टिप्पणी से मानसिक रूप से थक चुके थे।'



वेस्टइंडीज की टीम गेंदबाजी में और बेहतर कर सकती थी : शाई होप

एजेंसी, इंदौर। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार के बाद कहा कि उनकी टीम गेंदबाजी में और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट में जीत और हार का अंतर बहुत कम होता है। कई ऐसे मौके होते हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं। हम गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे और हमने कुछ बाउंड्री आसानी से दे दीं।' होप ने अभिषेक और ईशान की साझेदारी को खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि रोस्टन चेज ने विकेट लेकर वेस्टइंडीज की वापसी कराई, जो तारीफ के काबिल थी। होप ने माना कि वेस्टइंडीज को पारी की शुरुआत में एक अच्छी साझेदारी की जरूरत है, ताकि टीम मजबूत स्कोर की नींव रख सके। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके लिए एक-दो खिलाड़ियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।



डेनमार्क ओपन में पीवी सिंधु का पहला मैच एन से-यंग के साथ

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन की चुनौती होगी। सिंधु 2 दिन पहले आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हारकर बाहर हो गई थीं। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक चला था। एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उपविजेता रहे।

रणजी ट्रॉफी के बीच इंडिया-ए का न्यूजीलैंड दौरा क्यों: वेंगसरकर

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने रणजी ट्रॉफी सीजन के बीच में इंडिया-ए टीम को न्यूजीलैंड भेजने पर नाराज हैं। उन्होंने बीसीसीआई के इस फैसले की आलोचना की है। 70 साल के वेंगसरकर ने कहा, 'जब रणजी ट्रॉफी सीजन चल रहा है, तब इंडिया ए का दौरा क्यों कराया जा रहा है? फिर रणजी ट्रॉफी कराने का क्या मतलब है?' इंडिया ए को 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करना है। उसे वहां पर 3 मल्टी डे मैच खेलने हैं। टीम इंडिया की कप्तानी ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है।

वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपके खिलाड़ी परिस्थितियों और स्थानीय माहौल के जल्दी अभ्यस्त हों, तो अपनी मुख्य टीम को जल्दी भेजिए।' 116 टेस्ट खेल चुके वेंगसरकर ने आगे कहा, 'उन खिलाड़ियों को भेजने का कोई मतलब नहीं है, जो टेस्ट सीरीज में खेलने वाले ही नहीं हैं।' वेंगसरकर भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी घरेलू कैलेंडर के दौरान इंडिया ए टूर और घरेलू सीरीज कराने के बीसीसीआई के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

घरेलू सीजन के दौरान इस तरह के टूर करना बेतुका



वेंगसरकर ने कहा, 'अपने घरेलू सीजन के दौरान इंडिया-ए का इस तरह का दौरा पूरी तरह बेतुका है। इससे देश के प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट का महत्व कम हो रहा है।' वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आपके सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के दौरान इंडिया ए के लिए खेल रहे हैं, तो रणजी में रन बनाने और विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन का महत्व कम हो जाता है।' वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपके खिलाड़ी परिस्थितियों और स्थानीय माहौल के जल्दी अभ्यस्त हों, तो अपनी मुख्य टीम को जल्दी भेजिए।'

खेलों को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रख रहे : मांडविया

एजेंसी, अहमदाबाद। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यहां ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल प्रदर्शन खेलों का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत खेलों को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रख रहा है और इसलिए खेल ढांचा तैयार करने पर अधिक निवेश कर रहा है। ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेलों का एकदिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन करना है। भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए मल्लखंब, योगासन और कलरिपयट्टु को चुना है। मांडविया ने कहा, 'जमीनी स्तर की भागीदारी, प्रतिभा की पहचान, कोचिंग, खेल विज्ञान, बुनियादी ढांचा विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने सहित भारत एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाकर भविष्य के लिए स्थायी खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है।' मांडविया ने सरकार की प्रमुख खेलो इंडिया पहल के लिए लगभग 36,400 करोड़ रुपये से अधिक के बजटीय आवंटन का जिक्र करते हुए कहा कि भारत युवा खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण देने और देश भर में बुनियादी ढांचा तैयार करने पर ध्यान दे रहा है।' उन्होंने कहा, ''हम केवल वर्तमान के लिए विश्वस्तरीय खेल ढांचा तैयार करने पर ही ध्यान नहीं दे रहे हैं बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्थायी खेल विरासत का निर्माण भी करना चाहते हैं।'

पाकिस्तान टी20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता



एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने दूसरे टी20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96 और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला। श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले बिनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्ष्णा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए।

- **श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त**

सेंसेक्स 548 अंक टूटा निफ्टी भी 157 अंक फिसला

एजेंसी, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 548 अंक टूटकर 71,925 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 157 अंक गिरकर 22,363 पर आ गया। आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली। बाजार में गिरावट के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक के सख्त रुख, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, कच्चे तेल की महंगाई और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली को प्रमुख कारण माना जा रहा है। आरबीआई के नीतिगत रुख में बदलाव से आने वाले महीनों में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका गहराई है। वहीं, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी के कारण निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर ऋण बाजार की ओर रुख कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से भी बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में करीब 25,595 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने बाजार को कुछ सहारा दिया। इससे पहले नौ अक्टूबर को सेंसेक्स 879 अंक चढ़ा था और निफ्टी में भी तेजी रही थी।

श्रीराम फाइनेंस की डिजिटल एफडी पर अब 7 .50 प्रतिशत ब्याज

एजेंसी, नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस ने सावधि जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी की नई दरें 11 अक्टूबर से लागू हो गई हैं। इसके तहत 10 करोड़ रुपये तक की जमा पर 12 महीने की अवधि के लिए अब सात प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो पहले 6.85 प्रतिशत था। वहीं, डिजिटल सावधि जमा पर 15 महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 7.10 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.50 प्रतिशत कर दी गई है।

कंपनी के अनुसार, 18 से 23 महीने की अवधि वाली जमा पर अब 7.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जबकि पहले यह दर 7.05 प्रतिशत थी। इसी तरह, 24 से 35 महीने की जमा पर ब्याज दर 7.10 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.50 प्रतिशत और 36 से 60 महीने की अवधि के लिए 7.50 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.85 प्रतिशत कर दी गई है।

वरिष्ठ नागरिकों को पहले की तरह 0.50 प्रतिशत और महिला जमाकर्ताओं को 0.05 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलता रहेगा। परिपक्व हो चुकी सावधि जमा का नवीनीकरण कराने पर वार्षिक ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत अतिरिक्त लाभ मिलेगा। जमा की न्यूनतम राशि पांच हजार रुपये निर्धारित की गई है। इसके बाद एक-एक हजार रुपये के गुणक में राशि बढ़ाई जा सकती है। कंपनी ने भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बाद ब्याज दरें बढ़ाई हैं।

फाइल फोटो।

- **श्रीराम फाइनेंस की एफडी दरों में 0.15 से 0.50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी**

बैंकॉक बनेगा वैश्विक आर्थिक मंथन का केंद्र

गरीबी उन्मूलन से टिकाऊ विकास तक, बैंकॉक में बनेगी वैश्विक रणनीति

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक समूह की वार्षिक बैठक 2026 की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के क्वीन सिरिकिट नेशनल कन्वेंशन सेंटर में 12 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली इस बैठक में दुनिया भर के 191 देशों से लगभग 15 हजार से अधिक नीति निर्माता, अर्थशास्त्री, केंद्रीय बैंकों के गवर्नर, वित्त मंत्री और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। अपने व्यापक स्तर और वैश्विक महत्व के कारण इस आयोजन को वित्तीय जगत का 'फाइनेंस का ओलंपिक्स' भी कहा जाता है। इस सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री डॉ. एकनीति नितिथानप्रापास इस आयोजन की तैयारियों का नेतृत्व कर रहे हैं। थाई सरकार ने सम्मेलन के लिए आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की है। आयोजन में थाई संस्कृति, पारंपरिक आतिथ्य और आधुनिक तकनीक का संगम देखने को मिलेगा। प्रतिनिधियों के लिए पूर्ण सत्रों के साथ विकास समिति तथा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक एवं वित्तीय समिति की उच्चस्तरीय बैठकें भी आयोजित की जाएंगी।



फाइल फोटो।

- **बैंकॉक में जुटेंगे 191 देशों के प्रतिनिधि**
- **'फाइनेंस के ओलंपिक्स' की मेजबानी को तैयार बैंकॉक**

आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना, गरीबी उन्मूलन को बढ़ावा देना और टिकाऊ विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना है। इस वर्ष की बैठक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार, मुद्रास्फीति, मानव पूंजी निर्माण और विकासशील देशों के सामने मौजूद वित्तीय चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होने की संभावना है। इसके अलावा, वैश्विक आर्थिक असमानताओं को कम करने और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा सकता है।

टाटा पावर ने दूसरी तिमाही में चालू कीं 419 मेगावाट की परियोजनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा पावर की अनुषंगी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में 130 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दौरान कंपनी ने 419 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं चालू कीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 182 मेगावाट था। इस दौरान कंपनी ने 131.2 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं भी विकसित कीं।

वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में कंपनी ने कुल 645 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं पूरी कीं। इनमें जेवाली की 100.8 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना, कलासर की 227.5 मेगावाट सौर परियोजना, 100 मेगावाट की कायथार समूह कैप्टिव परियोजना और 72.5 मेगावाट की टाटा स्टील कैप्टिव परियोजना शामिल हैं। कंपनी का परिचालन पोर्टफोलियो बढ़कर 7.2 गीगावाट हो गया है, जिसमें सौर और पवन ऊर्जा के साथ बैटरी भंडारण क्षमता भी शामिल है।

वित्त वर्ष के अंत तक 9.3 गीगावाट का लक्ष्य



कंपनी की योजना वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में दो गीगावाट से अधिक क्षमता की परियोजनाएं पूरी करने की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक लगभग 9.3 गीगावाट क्षमता का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, 2027-28 में शेष परियोजनाएं पूरी होने के बाद परिचालन क्षमता लगभग 12 गीगावाट पहुंचने की उम्मीद है। यह विस्तार देश में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम है।

राहत अक्टूबर में बिजली घरों को प्रतिदिन 24.9 लाख टन कोयले की आपूर्ति

अक्टूबर में कोयला आपूर्ति ने पकड़ी रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में कोयले की उपलब्धता में सुधार के संकेत मिले हैं। अक्टूबर में कोयले की आपूर्ति बढ़ने से बिजली घरों में भंडार घटने की रफ्तार काफी धीमी हुई है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, 29 सितंबर को बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 1.8932 करोड़ टन था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 1.8205 करोड़ टन रह गया। हालांकि, इस दौरान भंडार 1.8 करोड़ टन से अधिक बना रहा। मंत्रालय का कहना है कि यह स्थिति दर्शाती है कि बिजली घरों को उनकी दैनिक खपत के अनुरूप कोयले की आपूर्ति की जा रही है। कम भंडार वाले बिजली संयंत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार वहां कोयले का पुनर्वितरण किया जा रहा है, ताकि बिजली उत्पादन निर्बाध बना रहे।

मंत्रालय के मुताबिक, सितंबर में पूरे महीने बिजली संयंत्रों के कोयला भंडार में करीब 72.8 लाख टन की कमी दर्ज की गई थी।



फाइल फोटो।

- **बिजली घरों में कोयले का भंडार 18.205 मिलियन टन**

बिजली संयंत्रों तक कोयले की पहुंच बढ़ी

मंत्रालय ने बताया कि अधिक मालगाड़ियों में कोयला लादे जाने से बिजली क्षेत्र तक इसकी पहुंच बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार, एक से दस अक्टूबर के बीच बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक में कोयला लादा गया, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था। इस तरह कोयला लदान में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अक्टूबर के दौरान प्रतिदिन औसतन 447 से 482 रैक के बीच कोयला लादा गया।

कोयला ढुलाई ने पकड़ी रफ्तार

आंकड़ों के अनुसार, एक से दस अक्टूबर के बीच बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक में कोयला लादा गया, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था। इस तरह कोयला लदान में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई।